



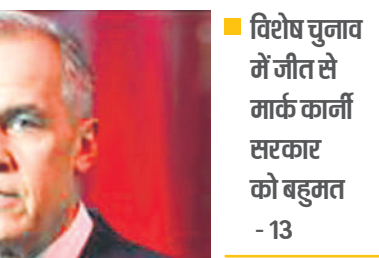
टीएमसी प्रमुख
ममता बनर्जी बोलीं-
निर्वाचन आयोग
के प्रारूप के तहत
तार्किक विसंगति
मान्य नहीं - 12



ऊंची बनी
रह सकती हैं
ईंधन, उर्वरक
की कीमतें
- 12



विशेष चुनाव
में जीत से
मार्क कार्नी
सरकार
को बहुमत
- 13



सूर्यकुमार
के भविष्य
पर हो
सकती
चर्चा
- 14

आज का मौसम

39.0°

अधिकतम तापमान

24.0°

न्यूनतम तापमान

सूर्योदय

05.46

सूर्यास्त

06.32

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

आमृत विचार

कानपुर नगर

बुधवार, 15 अप्रैल 2026, वर्ष 4, अंक 234, पृष्ठ 14

मूल्य 5 रुपये





www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

- लखनऊ

बरेली

कानपुर

मुगदाबाद

अयोध्या

हल्द्वानी

लोकपेश होगा लोकसभा में 850 सीटें करने का प्रस्ताव

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण को मूर्त रूप देने के लिए बृहस्पतिवार को विधेयक संसद में पेश किया जाएगा। इसमें संसद के निचले सदन में सदस्यों की मौजूदा संख्या 543 से बढ़ाकर 850 करने का प्रावधान है।

विधेयक में निर्वाचन क्षेत्रों के फिर से निर्धारण के लिए जनगणना 2011 के आंकड़ों को आधार बनाया जाएगा। इसमें संविधान के अनुच्छेद 81 में संशोधन का प्रस्ताव है। कहा गया है कि लोकसभा में राज्यों के क्षेत्रीय निर्वाचन क्षेत्रों से प्रत्यक्ष निर्वाचन के जरिए चुने



● महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की शुरु होगी प्रक्रिया

गए 815 से अधिक सदस्य नहीं होंगे और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधित्व के लिए 35 से अधिक सदस्य नहीं होंगे, जो संसद द्वारा पारित कानून के तहत प्रदत्त तरीके से चुने जाएंगे। विधेयक के अनुसार, जनसंख्या अभिव्यक्ति से तात्पर्य उस जनगणना में सुनिश्चित की गई जनसंख्या से है, जिसके संबंधित आंकड़े प्रकाशित किए जा चुके हैं।

विकसित भारत के लिए प्रगति, प्रकृति, संस्कृति की त्रिवेणी जरूरी: मोदी प्रधानमंत्री ने किया दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर का लोकार्पण, कहा- सड़कें बन रही राष्ट्र की भाग्यरेखाएं

● जनसभा में बोले- उत्तराखंड ने यूसीसी से दिखाई देश को राह

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को जसवंत सिंह आर्मी ग्राउंड गढ़ी कैट में आयोजित भव्य समारोह में दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर का रिमोट बटन दबाकर लोकार्पण किया। प्रधानमंत्री ने उत्तराखंड आने वाले सभी पर्यटकों व श्रद्धालुओं से स्वच्छता को बढ़ावा देने का आह्वान किया। साथ ही, देश के सभी दलों और उनके सांसदों से नारी चंदन विधेयक को पारित कराने का भी आग्रह किया। प्रधानमंत्री ने मां डाट काली मंदिर में पूजा-



लोकार्पण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को स्मृति चिन्ह भेंट करते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी।

अर्चना के साथ ही गढ़ी कैट तक 12 किमी लंबे आस्थावान लोग प्रतीक्षा करते हैं। दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर बनने से चारधाम

गेमचेंजर साबित होगा इकोनॉमिक कॉरिडोर : योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिल्ली-बागपत-सहारनपुर-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर को क्षेत्र की अर्थव्यवस्था के लिए गेमचेंजर बताते हुए कहा कि अब सहारनपुर से दिल्ली और देहरादून की दूरी कम समय में तय हो सकेगी। प्रधानमंत्री मोदी के हाथों कॉरिडोर को राष्ट्र को समर्पित करने के अवसर पर मुख्यमंत्री ने आभार जताते हुए कहा कि यह कॉरिडोर न केवल कनेक्टिविटी को बेहतर बनाएगा, बल्कि उद्योग, निवेश और रोजगार के नए अवसर भी सृजित करेगा। इस कॉरिडोर से सहारनपुर के वुडवर्क, मेरठ के स्पोर्ट्स गुड्स और क्षेत्रीय कृषि उत्पादों को राष्ट्रीय राजधानी के जरिए वैश्विक बाजार तक पहुंचने का अवसर मिलेगा। इससे स्थानीय उद्योगों को नई पहचान और किसानों को बेहतर मूल्य प्राप्त होगा।



यात्रियों को भी सुविधा होगी। कहा कि उत्तराखंड राज्य के 26वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है, अब राज्य की प्रगति में यह एकस्प्रेस-वे भी शामिल हो गया है। कुछ साल पहले उन्होंने बाबा केदार की धरती पर कहा था कि इस शताब्दी का तीसरा दशक उत्तराखंड के नाम होने जा रहा है, उन्हें ये देखकर बेहद खुशी हो रही है कि डबल इंजन सरकार की नीतियों और उत्तराखंड के लोगों के परिश्रम से उत्तराखंड तेजी से इस राह पर बढ़ रहा है।

ब्रीफ न्यूज

अकोला देश में सबसे गर्म, विदर्भ में गर्मी की भीषण लहर

नागपुर। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार महाराष्ट्र में विदर्भ क्षेत्र में भीषण लू चलने के कारण अकोला भारत का सबसे गर्म शहर बन गया है, जहां अधिकतम तापमान 43.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। इसके साथ ही यह वैश्विक पर दूसरा सबसे गर्म शहर भी है। हाल ही में बेमौसम बारिश के बाद तापमान तेजी से बढ़ा है जिससे गर्मी और बढ़ गई है। अकोला लगातार दूसरे दिन देश का सबसे गर्म शहर बना हुआ है। विदर्भ के कई शहर दुनिया के 10 सबसे गर्म स्थानों में शामिल रहे, जिनमें अमरावती और यवतमाल में 43.2 डिग्री और वर्धा में 43.1 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने इस क्षेत्र के लिए येलो अलर्ट जारी किया है।

राजस्थान में सरकार ने कांग्रेस विधायक को घर में नजरबंद किया

श्रीगंगानगर। राजस्थान में श्रीगंगानगर-पदमपुर राजकीय राजमार्ग पर स्थित 18 बीबी टोल प्लाजा पर टोल वसूली को अवैध बताकर विरोध कर रहे श्रीकरणपुर के कांग्रेस विधायक कापिंदरसिंह रूबी को प्रशासन ने सोमवार देर रात उनके ही घर में नजर बंद कर दिया। उनके घर के चारों तरफ भारी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात कर दिए गए। विधायक ने इस कार्रवाई को खुली तानाशाही करार देते हुए कहा कि सरकार जनता की जायज मांगों को दबाने के लिए दमनकारी रवैया अपना रही है।

अमेरिका-ईरान के बीच अगले सप्ताह फिर हो सकती है वार्ता

इस्लामाबाद, एजेंसी

ईरान और अमेरिका को बातचीत की मेज पर फिर से लाने के लिए पाकिस्तान उच्च स्तर पर कोशिश कर रहा है। दावा किया गया है कि दोनों पक्ष अगले सप्ताह तक इस्लामाबाद में वार्ता के दूसरे दौर के लिए फिर से मिल सकते हैं। पाकिस्तान सरकार के उच्च पदस्थ सूत्रों का कहा है कि अमेरिका-ईरान के बीच रुकी हुई वार्ता 21 अप्रैल को दो सप्ताह के युद्धविराम की समाप्ति से पहले दोबारा शुरू हो सकती है। दावा किया गया है प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, उप प्रधानमंत्री इसहाक डार और फोल्ड मार्शल आसिम मुनिर दूसरे दौर की वार्ता सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं, जिससे पश्चिम एशिया में युद्ध समाप्त हो सकता है। इस्लामाबाद में आयोजित कुछ उच्च स्तरीय बैठकों में दोनों पक्षों के शीर्ष नेतृत्व के बीच वार्ता के अगले दौर की तैयारी के संकेत दिए गए हैं। कुछ सूत्रों ने दावा किया है कि वार्ता का अगला दौर बृहस्पतिवार को इस्लामाबाद में हो सकता है। हालांकि, उसी दिन प्रधानमंत्री शहबाज युवराज मोहम्मद बिन

● पाकिस्तानी सरकार के सूत्रों का दावा- युद्ध विराम खत्म होने से पहले शुरू हो सकती है वार्ता

ट्रंप ने मोदी को किया फोन, पश्चिम एशिया पर चर्चा

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार शाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ फोन पर पश्चिम एशिया की स्थिति और विशेष रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य से समुद्री जहाजों के सुरक्षित आवागमन के बारे में चर्चा की। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ बातचीत के दौरान द्विपक्षीय संबंधों में प्रगति की समीक्षा के साथ पश्चिम एशिया की स्थिति पर भी बातचीत हुई।

सलमान के निमंत्रण पर सऊदी अरब की यात्रा पर भी जा रहे हैं। नवाज सऊदी अरब और तुर्किये की संक्षिप्त यात्राएं करेंगे। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल और ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद-बघर गालिबफ के नेतृत्व में ईरानी प्रतिनिधिमंडल ने 11 अप्रैल को इस्लामाबाद में मैराथन बैठक की थी। हालांकि, यह शांति वार्ता बेनतीया रही।

छत्तीसगढ़ : वेदांता पावर प्लांट में बॉयलर विस्फोट से 11 की मौत, 20 घायल

सक्ती, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में वेदांता पावर प्लांट में मंगलवार को भीषण बॉयलर विस्फोट से 11 लोगों की मौत हो गई, 20 से अधिक घायल हो गए। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने घटना पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए मृतकों के प्रति संवेदन जताया है। पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल ठाकुर ने बताया कि सिंघीतराई गांव स्थित पावर प्लांट में आज भीषण विस्फोट हो गया जिससे 11 लोगों की मौत हो गई। घटना में घायल 20 से अधिक मजदूरों को रायगढ़ के जिनंदल फॉर्टिस

को सेक्टर-121, सेक्टर-80 समेत कुछ स्थानों पर फिर पथराव की घटनाएं हुईं, लेकिन पुलिस ने भीड़ को खदेड़ दिया। सरकार ने देर रात न्यूनतम मजदूरी में 3000 रुपये तक की वृद्धि कर दी। इसके बावजूद कर्मचारियों का प्रदर्शन जारी रहा।

मरहम

अमृत विचार: नोएडा में श्रमिक आंदोलन के बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने न्यूनतम मजदूरी में बढ़ोतरी कर त्वरित राहत देने की कोशिश की है, लेकिन हरियाणा के मॉडल से तुलना में अब भी अंतर साफ नजर आ रहा है। इसी के साथ हालिया कैबिनेट बैठक में आउटसोर्स श्रमिकों के लिए न्यूनतम मानदेय तय करने का फैसला भी न्यूनतम मजदूरी से ज्यादा होना इस बहस को और अहम बना रहा है।

सरकार ने गौतमबुद्ध नगर-गाजियाबाद जैसे औद्योगिक जिलों में अकुशल, अर्द्धकुशल व कुशल श्रमिकों की मजदूरी में करीब एक हजार से तीन हजार रुपये तक की वृद्धि की है, जो एक अप्रैल 2026 से लागू मानी जाएगी। यह फैसला हाई पावर कमेटी की सिफारिशों के बाद सोमवार

को आधी रात लिया गया। मंगलवार को हाई पावर कमेटी के अध्यक्ष औद्योगिक विकास आयुक्त व अपर मुख्य सचिव (एसोएस) वित्त दीपक कुमार ने बताया कि श्रमिकों को तीन श्रेणियों कुशल, अर्द्धकुशल और अकुशल में बांटा गया है। साथ ही जिलों को भी तीन श्रेणियों में रखा गया है। गौतमबुद्धनगर-गाजियाबाद, अन्य नगर निगम वाले जिले और अन्य जनपद। नोएडा-गाजियाबाद में अकुशल श्रमिकों की मजदूरी 11,313 से बढ़ाकर 13,690 रुपये की गई है। अन्य नगर निगम में यह 13,006 तथा अन्य जनपदों में 12,356 रुपये तय की गई है। इसी तरह अर्द्धकुशल श्रमिकों की मजदूरी नोएडा-गाजियाबाद में 15,059, अन्य नगर निगम में 14,306 और अन्य जनपदों में 13,591 रुपये कर दी गई है। कुशल श्रमिकों के लिए नोएडा-गाजियाबाद में मजदूरी बढ़ाकर

राहुल बोले- हर आवाज को अनसुना किया गया

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा कि नोएडा की सड़कों पर जो हुआ, वो देश के श्रमिकों की आखिरी सीख थी, जिनकी हर आवाज को अनसुना किया गया, जो मांगते-मांगते थक गए। नोएडा में काम करने वाले एक मजदूर की 12,000 महीने की तनखाह है और 4 हजार से 7 हजार किया। जब तक 300 की सालाना बढ़ोतरी मिलती है, मकान मालिक 500 किराया बढ़ा देता है। कहा कि तनखाह बढ़ने तक ये बेलगाम महंगाई जिनगी का गला घोट देती है, कर्ज की गहराई में डुबा देती है। यही है विकसित भारत का सच।

उपद्रवियों से होगी वसूली: डीजीपी

डीजीपी राजीव कृष्ण लखनऊ से हालात की निगरानी कर रहे हैं। कहा, उपद्रवियों से निजी व सार्वजनिक संपत्ति के नुकसान की भरपाई कराई जाएगी। किसी को बख्शा नहीं जाएगा।

बाहरी तत्व सक्रिय: आलोक कुमार

हाई पावर कमेटी के सदस्य आलोक कुमार ने कहा कि श्रमिकों का प्रदर्शन हिंसक हो गया, जो नहीं होना चाहिए था। इंटरलोजेस से सूचना मिली है कि श्रमिकों की आड़ में कुछ बाहरी तत्व माहौल बिगाड़ने का काम कर रहे हैं। प्रवेश में उद्योगों को लेकर जो सकारात्मक माहौल बना है, उसे बिगाड़ने की कोशिश की गई है।

सरकारी नौकरियों में समानता का पालन अनिवार्य

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण टिप्पणी में कहा है कि अगर सेवा नियमों में अनुभव, योग्यता या वरिष्ठता के आधार पर छूट का प्रावधान है तो किसी कर्मचारी को केवल डिग्री न होने की वजह से प्रमोशन से वंचित नहीं किया जा सकता।

शीर्ष कोर्ट ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के उस फैसले को रद्द कर दिया जिसमें एक कर्मचारी को पदोन्नति देने से इन्कार कर दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने माना कि जब अन्य कर्मचारियों

● सुप्रीम कोर्ट ने दी महत्वपूर्ण व्यवस्था- सिर्फ डिग्री न होने पर नहीं कर सकते प्रमोशन से वंचित

को समान छूट दी गई तो इस मामले में शैक्षिक योग्यता में रियायत न देना संविधान के अनुच्छेद 14 और 16 का उल्लंघन है। न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति एनवी अजंजिया की पीठ ने कहा कि भेदभाव अन्याय का ही दूसरा नाम है। अदालत ने जोर दिया कि सरकारी नौकरियों में समानता के अधिकार का पालन करना अनिवार्य है।

न्यायालय ने यह टिप्पणी एक कृषि सहकारी समिति के कर्मचारी से जुड़े मामले में की, जिसने लगभग तीन दशकों तक सेवा की थी।

समिति के निदेशक मंडल ने उनकी लंबी सेवा और वरिष्ठता के आधार पर शैक्षणिक योग्यता से छूट देते हुए सोसाइटी मैनेजर के पद पर पदोन्नत करने की सिफारिश की थी। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के एकल न्यायाधीश ने छूट का लाभ देने का निर्देश दिया था, हालांकि खंडपीठ ने इस निर्णय को पलटते हुए कहा था कि अप्रशिक्षित योग्यता न होने के कारण रजिस्ट्रार का छूट देने से इन्कार उचित है।

औद्योगिक क्षेत्रों में भी आउटसोर्स जैसा बने तंत्र

श्रम संगठनों का कहना है कि सभी निजी और पब्लिक लिमिटेड कंपनियों में नियोक्ताओं के शोषण से बचाव का सरकारी तंत्र ठीक से काम नहीं करता। श्रम विभाग में श्रम निरीक्षक से लेकर शीर्ष अधिकारी तक नियोक्ताओं के दबाव में रहते हैं। ऐसे में कानूनन तय वेतन भुगतान व सुविधाओं का पूरा लाभ नहीं मिल पाता। ऐसे में यूपी में प्रस्तावित आउटसोर्स नियम की तर्ज पर एक मजबूत तंत्र बनाया जाना चाहिए, जो वेतन-भत्ता-एचआर-चिकित्सा, पीएफ, पेंशन और अन्य सुविधाओं का ऑनलाइन पारदर्शी व समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित करे।



न्यूज़ ब्रीफ

आज टाटा मोटर्स प्लांट में 10 लाखवीं गाड़ी को झंडी दिखाएंगे योगी

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को लखनऊ स्थित टाटा मोटर्स प्लांट में निर्मित 10 लाखवीं कमर्शियल गाड़ी को हरी झंडी दिखाएंगे। इस अवसर पर टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन और डिप्टी सीएम ब्रजेश पाटक भी मौजूद रहेंगे। यह माइलस्टोन वाहन जीरो-एमिशन इलेक्ट्रिक बस है, जो ग्रीन मोबिलिटी और सतत विकास के प्रति प्रदेश की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। 1992 में स्थापित यह प्लांट करीब 8 हजार लोगों को रोजगार देता है और कोशल विकास के लिए विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करता है। यह उपलब्धि यूपी के औद्योगिक विकास, निवेश और ‘नेट-जीरो’ लक्ष्यों की दिशा में बड़ा कदम मानी जा रही है।

रेजिडेंट्स से लेकर संकाय तक करें अनुसंधान : धीमन

अमृत विचार, लखनऊ : संजय गांधी पीजीआई (एसजीपीजीआई) में अनुसंधान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित कार्यशाला में निदेशक डॉ. आरके धीमन ने संस्थान में मजबूत शोध संस्कृति विकसित करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि अनुसंधान की शुरुआत रेजिडेंट डॉक्टरों, शोधार्थियों और युवा संकाय सदस्यों के स्तर से ही होनी चाहिए, ताकि वैज्ञानिक सोच को शुरुआती चरण से ही मजबूती मिल सके। निदेशक ने सुझाव दिया कि संकाय सदस्य अपने कार्य समय का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा अनुसंधान गतिविधियों को समर्पित करें। उन्होंने युवा संकाय सदस्यों को व्यावहारिक सलाह देते हुए कहा कि वे आंतरिक अनुदानों के माध्यम से शोध कार्य प्रारंभ करें और उनके परिणामों के आधार पर बाह्य अनुदानों के लिए योजनाएं बनाएं। निदेशक ने यह भी कहा कि संस्थान के वरिष्ठ शोधकर्ता एक समय में कम से कम छह पीएचडी छात्रों का मार्गदर्शन करें, ताकि उच्च प्रशिक्षित शोधकर्ताओं का एक मजबूत समूह तैयार किया जा सके। इससे पीजीआई को उत्कृष्टता केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए आईसीएमआर, नई दिल्ली में प्रस्ताव भेजने में मदद मिलेगी। कार्यशाला में डॉ. अमित गोयल, डॉ. खलिकुर रहमान, डॉ. आलोक कुमार, डॉ. सी.पी. चव्वाँदे, डॉ. अतुल गंग और श्याम कुमार ने बहुविधयक अनुसंधान के लिए उपलब्ध अत्याधुनिक सुविधाओं और संभावनाओं की जानकारी दी।

14566 हेल्पलाइन पर शिकायतों का निस्तारण

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में पीड़ितों को त्वरित और प्रभावी न्याय दिलाने के लिए शुरू की गई 14566 अत्याचार एवं उपीड़न हेल्पलाइन अब मजबूत सहारा बनकर उभरी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में शासन-प्रशासन को संवेदनशील और जवाबदेह बनाने की दिशा में यह पहल जमीनी स्तर पर असर दिखा रही है। समाज कल्याण विभाग के अनुसार वित्तीय वर्ष 2025–26 में इस हेल्पलाइन पर दर्ज सभी शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण किया गया, जो सुशासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है। [आंकड़ों के मुताबिक 1 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 के बीच कुल 628 शिकायतें दर्ज हुईं। जांच में 75 शिकायतें डुल्टीकेट पाई गईं, जिन्हें अलग कर दिया गया। शेष सभी मामलों में संबंधित विभागों को कार्रवाई के निदेश देकर समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया गया। महीनेवार आंकड़ों में सितंबर (80) और अक्टूबर (79) में सबसे अधिक शिकायतें दर्ज हुईं, जबकि अन्य महीनों में भी लगातार शिकायतें आती रहीं— जो इस बात का संकेत है कि लोग अब इस हेल्पलाइन पर भरोसा जता रहे हैं।

अमृत विचार

श्रमिकों को राहत, उपद्रवियों पर एक्शन की तैयारी

वेतन बढ़ोतरी करने के साथ डबल ओवरटाइम देने, समय पर भुगतान और इकाईयों में श्रम कानून लागू करने के निर्देश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: नोएडा में श्रमिक आंदोलन के बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने एक साथ राहत और सख्ती की रणनीति अपनाई है। एक ओर न्यूनतम मजदूरी में बढ़ोतरी कर श्रमिकों को राहत दी गई है, वहीं दूसरी ओर हिंसा, आगजनी और तोड़फोड़ में शामिल उपद्रवियों पर कड़ा एक्शन लेने की तैयारी शुरू हो गई है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर गठित हाई पावर कमेटी जहां श्रमिकों से संवाद कर उन्हें काम पर लौटने के लिए प्रेरित कर रही है, वहीं गृह विभाग और पुलिस प्रशासन पूरे मामले की गहन जांच में जुटा है। डीजीपी राजीव कृष्ण और नोएडा पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने संकेत दिए हैं कि हिंसा में शामिल “हार्डकोर उपद्रवियों” पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून तक लगाया जा सकता है। प्रभावित इलाकों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली

● सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही जांच में लगी टीमें

एसटीएफ करेगी डिजिटल ट्रेल की जांच

■ नोएडा में श्रमिकों से जुड़े मुद्दे को लेकर सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहों के बीच बड़ा खुलासा हुआ है। यूपी पुलिस ने 50 से अधिक ऐसे बॉट हैंडल चिन्हित किए हैं, जिन्हें पिछले 24 घंटों के भीतर बनाया गया। जिनका इस्तेमाल भ्रामक नैरेटिव गढ़ने के लिए किया जा रहा था पुलिस के मुताबिक, ये सभी हैंडल संगठित तरीके से श्रमिकों से जुड़े मुद्दे पर अफवाह फैलाने और कानून-व्यवस्था को प्रभावित करने की कोशिश कर रहे थे। प्रारंभिक जांच में यह मामला एक सुनिश्चित साजिश की ओर इशारा करता है। डीजीपी राजीव कृष्ण ने बताया कि चिन्हित किए गए सभी हैंडल्स के डिजिटल ट्रेल की डिटेल जांच यूपी स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) द्वारा की जाएगी। जांच के दौरान यह पता लगाया जाएगा कि इन हैंडल्स को किसने और किस उद्देश्य से संचालित किया।अफवाह और दुष्प्रचार फैलाने वाले ऐसे सभी सोशल मीडिया हैंडल्स के खिलाफ कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे अप्रुष्ट खबरों पर भरोसा न करें और केवल आधिकारिक जानकारी पर ही विश्वास करें।

जा रही है और आगजनी व पुलिस पर हमले के सबूत जुटाए जा रहे हैं। प्रमुख सचिव हृदय संजय प्रसाद डीजीपी के साथ हालात पर नजर बनाए हुए हैं। सरकार ने गौतमबुद्ध नगर-गाजियाबाद में न्यूनतम मजदूरी में 3000 तक की बढ़ोतरी की है। इसके तहत अकुशल श्रमिकों का वेतन 11,313 से बढ़ाकर

● हिंसा में शामिल लोगों पर एनएसए लगाने की तैयारी

श्रम कानूनों का सख्ती से पालन होगा

■ मुख्यमंत्री के निर्देश पर बनी हाई लेवल कमेटी ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के दफ्तर में श्रमिकों से बात की है। बैठक में अपर मुख्य सचिव (एमएसएमई), प्रमुख सचिव (श्रम), श्रम आयुक्त, मंडलायुक्त मेरठ, जिलाधिकारी गौतम बुद्ध नगर और पुलिस-प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में श्रमिकों ने अपनी समस्याएं खुलकर रखीं। उन्होंने वेतन बढ़ाने, साप्ताहिक छुट्टी, ओवरटाइम का दोगुना भुगतान, श्रमिकों की सुरक्षा और बेहतर कामकाजी माहौल जैसी मांगें रखीं। कमेटी ने श्रमिकों को भरोसा दिलाया कि उनके हितों का पूरा ध्यान रखा जाएगा और सभी कंपनियों में श्रम कानूनों का सख्ती से पालन कराया जाएगा।

श्रम कानूनों का सख्ती से पालन होगा

■ मुख्यमंत्री के निर्देश पर बनी हाई लेवल कमेटी ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के दफ्तर में श्रमिकों से बात की है। बैठक में अपर मुख्य सचिव (एमएसएमई), प्रमुख सचिव (श्रम), श्रम आयुक्त, मंडलायुक्त मेरठ, जिलाधिकारी गौतम बुद्ध नगर और पुलिस-प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में श्रमिकों ने अपनी समस्याएं खुलकर रखीं। उन्होंने वेतन बढ़ाने, साप्ताहिक छुट्टी, ओवरटाइम का दोगुना भुगतान, श्रमिकों की सुरक्षा और बेहतर कामकाजी माहौल जैसी मांगें रखीं। कमेटी ने श्रमिकों को भरोसा दिलाया कि उनके हितों का पूरा ध्यान रखा जाएगा और सभी कंपनियों में श्रम कानूनों का सख्ती से पालन कराया जाएगा।

नोएडा हिंसा पर सरकार जिम्मेदार : अखिलेश यादव

■ अखिलेश यादव ने नोएडा में हाल में हुए श्रमिक आंदोलन और हिंसा को लेकर भी प्रदेश सरकार को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक विफलता के कारण हालात बिगड़े और सरकार अब इसे साजिश बताकर अपनी जिम्मेदारी से बचने की कोशिश कर रही है।

हिंसा में श्रमिक नहीं, बाहरी लोग शामिल : दीपक

■ अमृत विचार, लखनऊ/नोएडा : नोएडा में श्रमिक आंदोलन और हिंसा को लेकर बनीं हाई पावर कमेटी के अध्यक्ष औद्योगिक विकास आयुक्त दीपक कुमार ने मंगलवार को कहा कि श्रमिक प्रतिनिधियों ने खुद बताया है कि हिंसा में उनका कोई हाथ नहीं था, बल्कि बाहरी और असामाजिक तत्वों ने हालात बिगाड़े। प्रेसवार्ता में दीपक कुमार ने कहा कि कर्मचारियों के अनुसार उनका आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण था और उनकी मांगें वेतन वृद्धि, साप्ताहिक अवकाश तथा बेहतर कार्य परिस्थितियों से जुड़ी थीं। लेकिन कुछ लोगों ने इस आंदोलन की आड़ लेकर तोड़फोड़, आगजनी और एक्साव जैसी घटनाओं को अंजाम दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार इस इन्पुट को गंभीरता से ले रही है और अब जांच का फोकस उन बाहरी तत्वों की पहचान पर है, जिन्होंने औद्योगिक माहौल को बिगाड़ने की कोशिश की। इसके लिए सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी निगरानी और खुफिया सूचनाओं के आधार पर कार्रवाई की जा रही है। सरकार ने साफ किया है कि हिंसा और अराजकता किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

20,000 न्यूनतम वेतन की खबरें भ्रामक

■ दीपक कुमार ने यह भी बताया कि हाई पावर कमेटी की सिफारिशों के आधार पर नोएडा-गाजियाबाद में श्रमिकों के न्यूनतम वेतन में 3000 तक की अंतरिम वृद्धि लागू कर दी गई है, जो 1 अप्रैल 2026 से प्रभावी होगी। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर 20,000 न्यूनतम वेतन लागू होने की खबरें पूरी तरह भ्रामक हैं और श्रमिकों से अपील की कि वे ऐसी अफवाहों पर ध्यान न दें।



पार्टी कार्यालय पर डॉ . भीमराव अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण करती बसपा सुप्रीमो मायावती, साथ में अन्य ।

देश में बढ़ती सामंती सोच के कारण संविधान के लक्ष्य प्रभावित : मायावती

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर केंद्र और राज्य सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि देश में बढ़ती सामंती और जातिवादी सोच के कारण संविधान के मूल उद्देश्यों को पूरी तरह लागू नहीं किया जा सका है। इसके निदान के लिए देश व राज्यों में भी डा. आंबेडकर की ‘‘सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय’’ की नीति व सिद्धांत वाली उनकी अनुयायी पार्टी बसपा की सरकार जरूरी है।

मायावती ने मंगलवार को लखनऊ स्थित पार्टी मुख्यालय और अन्य स्थानों पर कार्यक्रमों में यह बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर

● **बाबा साहेब आंबेडकर जयंती पर बसपा सुप्रीमो मुखिया का सरकार पर निशाना**

श्रद्धांजलि अर्पित की। बसपा प्रमुख ने नौ माल एवेन्यू स्थित केंद्रीय कैप कार्यालय में डा. आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। कहा कि बहुजन समाज आज भी गरीबी, बेरोजगारी और सामाजिक भेदभाव जैसी समस्याओं से जूझ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत जैसे मजबूत संविधान वाले देश में भी अगर बहुजन समाज को सम्मान और न्याय नहीं मिल पा रहा है, तो यह चिंताजनक है। संविधान का उद्देश्य सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक समानता स्थापित करना था, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों में यह लक्ष्य अधूरा दिखाई देता है। मायावती

● **कहा-गरीबी, बेरोजगारी और जातिवाद खत्म किए बिना नहीं मिलेगा संविधान का पूरा लाभ**

ने अपने संदेश में कहा कि बाबा साहेब अंबेडकर ने जो संविधान देश को दिया, वह सभी वर्गों को समान अधिकार और अवसर प्रदान करने के लिए बनाया गया था। लेकिन आज भी समाज के कमजोर वर्गों को उनके अधिकारों के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। मायावती ने कहा कि केवल जयंती मनाने से काम नहीं चलेगा, बल्कि उनके सिद्धांतों को जमीन पर लागू करना जरूरी है। उन्होंने ‘सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय’ के सिद्धांत को अपनाने की अपील की। आरोप लगाया कि वर्तमान सरकारें बहुजन समाज के मुद्दों पर गंभीरता से काम नहीं कर रहीं।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की 135वीं जयंती पर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी ने स्टेट गेस्ट हाउस में महिलाओं के साथ बर्बर व्यवहार कर अपना वास्तविक चरित्र दिखाया था। कांग्रेस ने बाबा साहेब को चुनाव से वंचित रखने का प्रयास किया। उन्हें भारत रत्न न मिले, इसके लिए षडयंत्र रचे। कांग्रेस आज भले ही संविधान की प्रति लेकर घूम रही है, लेकिन उसकी असलियत को समझने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने मंगलवार को डॉ. आंबेडकर महासभा कार्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में स्मारिका का विमोचन किया और 75 जिलों में स्थापित बाबा साहेब की 75 मूर्तियों के सौंदर्यीकरण व संरक्षण कार्य का वर्चुअल शुभारंभ किया। इसके पहले हजरतगंज चौक स्थित डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि दलितों के लिए घड़ियाली आसू बहाने वाले गिनाएं कि बाबा साहेब के नाम पर



प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के बाद डॉ. आंबेडकर को नमन करते योगी।

बना रहे डॉ. आंबेडकर अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक व शोध केंद्र

■ मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि लखनऊ में हमारी सरकार ने तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को बुलाकर डॉ. भीमराव आंबेडकर अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक व शोध केंद्र के कार्य को बढ़ाया। इसके प्रथम चरण का काम लगभग पूरा हो चुका है, जुलाई तक द्वितीय चरण का कार्य कराने का निर्देश दिया है। यहां दलित बच्चों के लिए बाबा साहेब के दर्शन पर शोध करने का प्लेटफॉर्म उपलब्ध होगा। सामाजिक न्याय और जनचेतना के लिए केंद्र बनेगा, जिससे समाज महापुरुषों के बारे में जान सके। यहां छात्रावास, शोध केंद्र, ऑडिटोरियम, बाबा साहेब की भव्य प्रतिमा भी स्थापित हो रही है।

उन्होंने क्या किया और उनके दर्शन से क्या प्रेरणा ली? सब जानते हैं कि कौन मुख्यमंत्री बनने पर दलित महापुरुषों के स्मारक तोड़ने की धमकी देता था। कड़वा-कड़वा थू, मीठा-मीठा गप, नहीं-चलेगा और समाज यह स्वीकार भी नहीं करेगा, क्योंकि समाज असलियत जानता है। जाति के नाम पर समाज

को बांटने वाली ताकतें बताएं कि जब बांग्लादेश में दलित नौजवान को जलाया जा रहा था तो उनका मुंह क्यों सिला था।

इस अवसर पर आंबेडकर महासभा के अध्यक्ष एवं विधान परिषद सदस्य लालजी प्रसाद निर्मल ने अतिथियों का स्वागत किया। समारोह में कैबिनेट मंत्री

बाबा साहब की प्रतिमाएं तोड़ने वाले अब सुरक्षा का दे रहे बजट



लखनऊ में बाबा साहब को नमन करते अखिलेश यादव ।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती पर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। हजरतगंज स्थित आंबेडकर प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा चुनावी लाभ के लिए बाबा साहब के नाम का इस्तेमाल कर रही है।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा की सरकार में सबसे अधिक आंबेडकर प्रतिमाएं तोड़ी गईं, और अब वही लोग चुनाव से पहले उनकी सुरक्षा के नाम पर बजट देकर ‘छूटा

● **आंबेडकर जयंती पर सपा प्रमुख का भाजपा पर हमला**

संदेश” देने की कोशिश कर रहे हैं। उनका इशारा हाल ही में यूपी कैबिनेट के उस प्रस्ताव की ओर था, जिसमें आंबेडकर प्रतिमाओं की सुरक्षा के लिए कैनोपी लगाने का निर्णय लिया गया है। सपा प्रमुख ने कहा कि बाबा साहब का संविधान केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि “लोहे की तलवार” है, जो समय-समय पर समाज को सम्मान दिलाने का काम करता है। उन्होंने कहा कि संविधान दलितों, पिछड़ों और वंचित वर्गों के लिए ढाल और संजीवनी है, जो उन्हें न्याय और समान

अवसर प्रदान करता है। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया कि चुनाव के समय 400 सीटें जीतने के बाद संविधान बदलने की बातें कही गई थीं, लेकिन देश और प्रदेश की जनता ने लोकतंत्र और संविधान को बचाने का काम किया। सपा प्रमुख ने कहा कि आज भी समाज में दलितों और पिछड़ों के साथ भेदभाव की घटनाएं सामने आती हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि कई जगहों पर लोगों को शादी में घोड़ी पर चढ़ने या पानी खूने तक पर अपमानित किया जाता है। उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय की स्थापना के लिए यह संघर्ष लंबा है और समाजवादी पार्टी इसे लगातार आगे बढ़ाती रहेगी।

निषाद समाज को मिले अनुसूचित जाति का दर्जा

अमृत विचार, लखनऊ : एकलव्य समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर निषाद ने सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ मंगलवार को हजरतगंज चौराहे पर स्थित बाबा साहेब भीम राव अम्बेडकर की मूर्ति पर माल्यार्पण कर अम्बेडकर जयंती भूम-धाम से मनाई। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बताया कि निषाद समाज दिल्ली, महाराष्ट्र सहित 14 प्रदेशों में अनुसूचित जाति में आता है तथा सेंसेक्स ऑफ इंडिया 1961 में निषाद मल्लाह को लखनऊ, आगरा, इटावा और उन्नाव में अनुसूचित जाति में रखा गया है। परंतु उन्हें अनुसूचित जाति का प्रमाण पत्र जारी न करके पिछड़ी जाति का प्रमाण पत्र दिया जा रहा है। इस विसंगति को दूर करने के लिए एकलव्य समाज पार्टी निरंतर प्रयासरत है।

सुनिश्चित की जाएगी। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण को नई दिशा मिली है और यह अभियान उसी कड़ी को आगे बढ़ाने का प्रयास है।

नारी शक्ति दीवार बनेगी अभिव्यक्ति का मंच

■ अभियान के तहत महिला महाविद्यालयों और छात्रावासों में ‘नारी शक्ति दीवार’ स्थापित की जाएगी, जहां महिलाएं अपने विचार लिखकर और हस्ताक्षर कर भागीदारी निभाएंगी। इसके साथ ही मानव श्रृंखला बनाकर महिला सशक्तिकरण का संदेश दिया जाएगा। मंत्री ने निर्देश दिए कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से अभियान का व्यापक प्रचार किया जाए। साथ ही मिस्रड कॉल नंबर और स्टिकर के जरिए जनसमर्थन जुटाने पर भी जोर दिया गया।

अधिकारियों को सौंपी गई जिम्मेदारी

■ अभियान के सफल संचालन के लिए स्पष्ट जिम्मेदारियां तय की गई हैं। उच्च शिक्षा परिषद के सचिव निजी विश्वविद्यालयों से समन्वय करेंगे, कुलसचिव सरकारी व असुदानीत कॉलेजों से संपर्क रखेंगे, जेल क्षेत्रीय अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में कार्यक्रमों का संचालन सुनिश्चित करेंगे।

के प्रभावी क्रियान्वयन की जिम्मेदारी सौंपी गई। मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में इस अभियान को

जन-जन तक पहुंचाना प्राथमिकता है। यह अभियान 10 से 20 अप्रैल 2026 तक प्रदेशभर के उच्च शिक्षण संस्थानों में चलाया जाएगा। इसके तहत छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और आमजन की सक्रिय भागीदारी के साथ विभिन्न जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मंत्री ने बताया कि 15 और 16 अप्रैल को प्रत्येक लोकसभा क्षेत्र में ‘नारी शक्ति पदयात्रा’ आयोजित की जाएगी। इसमें समाज की प्रतिष्ठित महिलाओं को नेतृत्व देने के साथ पनसौरी, एनएसएस स्वेनकेरमों और ‘लखपति दीदी’ जैसी लाभार्थियों की भागीदारी

मशरूम उत्पादन से बदली जिंदगी

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में योगी सरकार की पहल अब जमीन पर असर दिखा रही है। भदोही जिले की पप्पू देवी इसका सशक्त उदाहरण बनकर उभरी हैं, जिन्होंने मशरूम उत्पादन के जरिए न केवल अपनी आर्थिक स्थिति बदली, बल्कि गांव की अन्य महिलाओं के लिए भी रोजगार के नए रास्ते खोल दिए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में संचालित उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (यूपीएसआरएलएम) आज ग्रामीण महिलाओं के लिए आर्थिक आजादी का मजबूत माध्यम बन रहा है। इसी मिशन की मदद से पप्पू देवी ने पारंपरिक खेती से अलग राह चुनते हुए मशरूम उत्पादन शुरू किया और आज उनकी सालाना आमदनी 8 से 10 लाख रुपए तक पहुंच चुकी है। पप्पू देवी ने शुरुआत में अपनी जमा-पूंजी से करीब ढाई लाख रुपए निवेश किए और 50 हजार रुपए का ऋण लेकर इस उद्यम की नींव रखी। सीमित संसाधनों और छोटे स्तर से शुरू हुआ यह काम आज एक सफल व्यवसाय में बदल चुका है।

अमृत विचार: प्रदेश के विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में ‘नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023’ के प्रचार-प्रसार के लिए व्यापक अभियान चलाया जाएगा। इस संबंध में उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने मंगलवार को वर्चुअल बैठक कर विभागीय अधिकारियों को विस्तृत निर्देश दिए। बैठक में उच्च शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों, निदेशालय के पदाधिकारियों और क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारियों को अभियान



डॉ. आंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण करती केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल व अन्य।

राहुल गांधी राजनीतिक पर्यटक : अनुप्रिया पटेल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: अपना दल (एस)

की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने लोकसभा में नेता विरोधी दल कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को ‘राजनीतिक पर्यटक’ करार देते हुए कहा कि उनके प्रचार से पश्चिम बंगाल की राजनीति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। उन्होंने दावा किया कि बंगाल में भाजपा की सरकार बनेगी और उत्तर प्रदेश में वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में एनडीए तीसरी बार सत्ता में लौटेगा। मंगलवार को गांधी भवन में आयोजित आंबेडकर जयंती समारोह के दौरान पत्रकारों से बातचीत में अनुप्रिया पटेल ने कहा कि बंगाल में कानून-व्यवस्था और महिला सुरक्षा की स्थिति चिंताजनक है, ऐसे में

वहां परिवर्तन तय है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकास केंद्रित सरकार का गठन होगा। यूपी चुनाव को लेकर उन्होंने कहा कि फिलहाल सीट बंटवारे पर कोई चर्चा नहीं है, बल्कि संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया जा रहा है। उन्होंने भरोसा जताया कि अपना दल (एस) आगामी चुनाव में बेहतर प्रदर्शन करेगा। इस दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे बाबा साहेब के सिद्धांतों पर चलते हुए सामाजिक न्याय को मजबूत करने और चुनावी तैयारियों में जुट जाएं। कार्यक्रम में आशीष पटेल और आरपी गौतम समेत कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

युवक को कुत्ते ने काटा
हालत गंभीर

मौदहा (हमीरपुर)। अपने निजी काम से तहसील आए युवक को आवारा कुत्ते ने काट लिया। खून से लथपथ युवक को अतिव्यवताओं में कस्बे के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। क्षेत्र बम्हरोली गांव निवासी युवक दिनेश (23) पुत्र श्याम बाबू अपने निजी काम से मंगलवार को तहसील आया हुआ था। कामकाज निपटने के उपरांत जैसे ही घर जाने को हुआ कि आवारा कुत्तो ने दिनेश को काट लिया।

करंट की चपेट में आने से
युवक की हालत बिगड़ी

मौदहा (हमीरपुर)। महोबा जनपद के खन्ना गांव निवासी निशा (20) पुत्री नसीम सोमवार की देर रात पंखे को मोड़ कर अपनी तरफ करते समय पंखे में उतरे करंट की चपेट में आ गई। परिजनों को जानकारी होने पर गंभीर अवस्था में आनन-फ़ानन उसे कस्बे के सरकारी अस्पताल लेकर गए। जहां प्राथमिक उपचार के उपरांत हालत में सुधार न होने पर चिकित्सकों ने सदर अस्पताल के लिए रेफर कर दिया।

मौदहा में तीन लोगों पर
मारपीट का मामला दर्ज

मौदहा (हमीरपुर)। कस्बे के मोहल्ला मरारीपुरा निवासी रावेन्द्र सिंह ने कोतवाली में दिए शिकायती पत्र में बताया कि बीते रविवार रात दस बजे वह मीरा तालाब एक तेरहवीं संस्कार में शामिल होने जा रहा था। तभी मस्जिद के निकट पहले से घात लगाए दंदन सिंह, नन्दन सिंह और सपना सिंह ने गाली गलौज करते हुए लाठी डंडे और धारदार हथियार से मारपीट कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। आसपास के लोगों के आने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देकर चले गए। पुलिस ने तीनों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की।

युवक के खिलाफ
मारपीट कर रिपोर्ट
दर्ज कराई

बिबॉर (हमीरपुर)। थानाक्षेत्र के उमरी गांव निवासी किसान मुन्नालाल पुत्र रामनाथ प्रजापति ने थाने में तहरीर देते हुए बताया कि दूसरे के थ्रेस से गेहूं की फसल की कतराई करा लेने से गांव का दीप पुत्र राम स्वर्ूपम यादव नाराज हो गया है। कतराई कराकर लाए गए गेहूं को घर के अंदर डालते समय युवक ने आकर लाठी से मारपीट कर दी। लोगों के बीच बचाव करने पर युवक जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गया। एसआई अंकित बैसला ने बताया कि तहरीर मिली है, युवक को हिरासत में लेकर जांच की जा रही है।

रोडवेज के चालक और
परिचालक को पीटा

हमीरपुर। इंगोहटा जा रही एक महिला का विवाद बस के चालक एवं परिचालक से हो गया। महिला ने परिजनों को बुला दोनो को दौड़ा दौड़ाकर पीटा। हमीरपुर डिपो की परिचालक आरती कुशवाहा ने बताया कि सोमवार शाम वह बस लेकर महोबा जा रही थी। चालक सचिन बस को चला रहा था। महिला संतोषी हमीरपुर से इंगोहटा के चंडी, गेट के पास खड़ी हो गई। जब उससे पीछे जाकर सीट में बैठने को कहा तो विवाद करने लगी। उसने चालक के साथ भी अश्रद्धा की। महिला ने इसी बीच अपने परिजनों को फ़ोन करके इंगोहटा बस स्टैंड में बुला लिया। बस के पहुंचते ही परिजनों ने उसके आगे बाइक लगा दी और चालक सचिन को उतार कर दौड़ा-दौड़ा कर पीटने लगे। जब परिचालक बीच बचाव को पहुंची तो महिला के परिजनों ने उसे भी डंडों से पीटा और नोटों से भरा बैग एवं टिकट भरीन छीन ली। संतोषी कुमारी, दसाराम उर्फ दस्सी रमा, कल्लू, कुलदीप के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

पहल

जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण, परखी संचालन की तैयारियां

30 तक टेस्टिंग के बाद शुरू होगा काऊ मिल्क प्लांट

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

अमृत विचार। उमर्दा क्षेत्र में लंबे समय से बंद पड़े काऊ मिल्क प्लांट की टेस्टिंग प्रक्रिया इस महीने की 30 तारीख तक पूरी कर ली जाएगी। इसके बाद इसका सुचारू रूप से संचालन मदर डेयरी द्वारा किया जाएगा। यह जानकारी निरीक्षण करने पहुंचे जिलाधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री को संबंधित अधिकारियों ने दी। इसके बाद जिलाधिकारी ने सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर वेंजिटेबल का भी जायजा लिया और आवश्यक निर्देश दिए।

मंगलवार को काऊ मिल्क प्लांट पहुंचे जिलाधिकारी ने अवगत कराया कि पूर्व में प्लांट पराग डेयरी के अधीन था जो अब मदर डेयरी संचालित करेगी। उन्होंने कंट्रोल



काऊ मिल्क प्लांट का निरीक्षण करते जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक व अन्य।

● सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर
वेंजिटेबल का भी लिया जायजा

रूम, मिल्क एवं घी पैकेजिंग कक्ष, पनीर अनुभाग, एम.सी.सी. रूम, बटर सेक्शन तथा बॉयलर कक्ष सहित विभिन्न इकाइयों का सूक्ष्मता

से निरीक्षण किया। अधिकारियों ने 30 अप्रैल 2026 तक टेस्टिंग का कार्य पूर्ण करने की जानकारी दी। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि टेस्टिंग प्रक्रिया पूरी तरह मानक अनुसूच, पारदर्शी एवं तकनीकी रूप से सुदृढ़ हो, ताकि संचालन

प्रारंभ होते ही गुणवत्तापूर्ण दुग्ध उत्पादों की आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि यह प्लांट जनपद के दुग्ध उत्पादकों, उपभोक्ताओं तथा स्थानीय रोजगार सृजन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध होगा। इसके बाद सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर वेंजिटेबल का निरीक्षण किया। इस दौरान मिर्च, बैंगन एवं टमाटर की रोपित फसलों के अलावा हाईटेक नर्सरी में तैयार हो रही टमाटर, शिमला मिर्च, गोभी आदि के पौधों को देखा। जिलाधिकारी ने बीज उत्पादन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश देते हुए कहा कि स्थानीय स्तर पर गुणवत्तापूर्ण बीज एवं पौध की उपलब्धता सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। इससे कृषि उत्पादकता बढ़ेगी और किसानों की आय में वृद्धि होगी।

अमृत विचार



घाटमपुर में बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के बाद मौजूद लोग।



अमृत विचार

बाबा साहब की जयंती पर निकली शोभायात्रा में शामिल लोग।



अमृत विचार

बाबा साहब की जयंती के अवसर पर केक काटते बच्चे।

अमृत विचार

बाबा साहब के बताये रास्ते पर चलने का लिया संकल्प

घाटमपुर नगर समेत विभिन्न जगहों पर डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती धूमधाम से मनाई, बाबा साहब की प्रतिमाओं पर किया माल्यार्पण

संवाददाता , घाटमपुर

अमृत विचार। नगर समेत विभिन्न जगहों पर डॉ भीमराव आंबेडकर की जयंती धूमधाम से मनाई गई। यहां पर ग्रामीणों व घाटमपुर विधायक सरोज कुरील के द्वारा आंबेडकर प्रतिमा पर माल्यार्पण कर बाबा साहब के जीवन पर प्रकाश डाला गया।

भारतीय लोकतंत्र के मजबूत स्तंभ, सामाजिक न्याय के प्रखर पुरोधा एवं संविधान के महान शिल्पकार डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती के पावन अवसर पर आज विधानसभा घाटमपुर के ग्राम धरमपुर बम्बा, ककरहया, जगन्नाथपुर, बनहरी, ओरिया, रार, मेहरअलीपुर, मदरस,

रतनपुर, तरगांव, चवर, मिरानपुर, बरादोलतपुर, गौरनपुर, गिरसी, अकबरपुर सवैया, उस्मानपुर, मढ़ा, बोरवल अकबरपुर, रडौली, कंधौली, घाटमपुर एवं इछौला में कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों में मुख्य रूप से घाटमपुर विधायक सरोज कुरील व कानपुर ग्रामीण जिलाध्यक्ष उपेन्द्र नाथ पासवान ने सहभागिता की। इस अवसर पर उन्होंने बाबा साहब की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। साथ ही कानपुर-सागर राष्ट्रीय राज्यमार्ग पर एक रैली भी निकाली गई। लोगों ने रैली में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।

बिल्हौर में भी बाबा साहब को किया यादः बिल्हौर/



बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते लोग।

अमृत विचार

ककवन। संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती रविवार को बिल्हौर तहसील क्षेत्र में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन हुआ, जिसमें जन

प्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

उत्तरीपुरा के डोड़वा जमोली गांव में क्षेत्रीय विधायक राहुल बच्चा सोनकर की अगुवाई में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विधायक ने बाबा साहब की प्रतिमा

आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर
और केक काटकर मनाई जयंती

बिदूर। क्षेत्र पंचायत कल्याणपुर की अध्यक्ष अनुराधा अवस्थी ने ग्राम सभा रामपुर भीमसेन में सामुदायिक शौचालय का लोकार्पण कर जनता को समर्पित किया। इस अवसर पर क्षेत्र वासियों ने डॉक्टर भीमराव आंबेडकर अमर रहे के जमकर नारे लगाये। साथ ही आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर और केक काटकर उनका जन्मदिन मनाया। इस अवसर पर मुख्य रूप से दिनेश अवस्थी उपस्थित रहे साथ ही मंडल अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह, योगेंद्र पांडे, बुजेंद्र सिंह, राजू यादव, , देशराज पासवान ,मुरलीधर आजाद ,सरवन कमल, मुंशीलाल कमल, सत्य प्रकाश कुरील आदि सैकड़ों लोग व्यक्ति उपस्थित रहे।

पर पुष्प अर्पित कर उनके पदचिह्नों पर चलने का आह्वान किया। वहीं, ककवन क्षेत्र में ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि विनय यादव ने विभिन्न गांवों का भ्रमण कर प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया। वहीं कस्बा ककवन में सैकड़ों वाहनों के साथ

विशाल रैली निकाली गई। नीले झंडों और 'जय भीम' के नारों से पूरा क्षेत्र गुंजता रहा। बिल्हौर नगर में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने भी भव्य कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें मुख्य रूप से जयप्रकाश कटियार, विक्रम

मिश्रा और मंडल अध्यक्ष सौरभ सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शिवराजपुर में भी मनाई आंबेडकर जयंतीः शिवराजपुर। मंगलवार को बाबा साहब डॉ.भीमराव आंबेडकर की जयंती धूमधाम से मनाई गई।

नगर पंचायत कार्यालय में नगर अध्यक्ष निर्मला कटियार ने डॉ भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर फूल अर्पित किये। क्षेत्र पंचायत कार्यालय में ब्लॉक प्रमुख शुभम वाजपेई ने आंबेडकर की प्रतिमा पर फूल माला अर्पित किये व उनके विचारों को व्यक्त किया। थाना प्रभारी अमित सिंह ने डॉ आंबेडकर की जयंती पर समस्त स्टाफ के साथ उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए।

थाना परिसर में साफ
सफाई रखने के निर्देश

संवाददाता, बिल्हौर

अमृत विचार। मंगलवार को पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) एसएम. कासिम आबिदी ने थाना ककवन और अरौल क्षेत्र के अंतर्गत चौकी मकनपुर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने थाना परिसर, मालखाना, शस्त्रागार और कार्यालय अभिलेखों की गहनता से जांच की। इस मौके पर एसडीएम मनीष कुमार, एसीपी मंजय सिंह के साथ अन्य पुलिस कर्मी मौजूद रहे।

निरीक्षण के दौरान पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) एसएम. कासिम आबिदी ने अभिलेखों का रख-रखाव देखा और



थाने का निरीक्षण करते एडीसीपी एसएम. कासिम आबिदी।

अभिलेखों को तत्काल अद्यतन करने के निर्देश दिये। साथ ही लॉबित मामलों का गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध समाधान करने के निर्देश दिये। उन्होंने थाना परिसर में साफ-सफाई बनाए रखने और पुलिसकर्मियों को ड्यूटी के दौरान पूर्ण सतर्कता व अनुशासन बरतने की हिदायत दी।

आंबेडकर जयंती पर स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

संवाददाता, चौबेपुर

अमृत विचार। भारत रत्न डॉ भीमराव आंबेडकर की जयंती के अवसर पर मंगलवार को नमो सेवा भारतीय, सेवा विभाग के करीब खाना खाकर सपरिवार सो गए। रात 1:00 बजे करीब गांव का लक्ष्मी प्रसाद पुत्र रामकुमार पीछे की दीवार को फांदकर घर के अंदर घुस आया और पुत्री के पैर में पहने पायल को खोलने लगा। तभी पुत्री की नींद खुल गई। उसके शोर मचाने पर परिजनों की भी नींद खुल गई। परिजनों ने पुत्री के कमरे में जाकर उसको पकड़ लिया। वह युवक के पिता को बुलाने के लिए चला गया।

क्षेत्र के इंदलपुर शिवराजपुर ग्राम पंचायत की सेवा बस्ती में आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य



बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण करते लोग।

अमृत विचार

शिविर का शुभारंभ जिला प्रचारक बिल्हौर धीरेंद्र, जिला सेवक प्रमुख

संदीप व जिला बौद्धिक प्रमुख अमरनाथ ने संयुक्त रूप से दीप

मजदूर के हत्यारोपियों
को पुलिस ने भेजा जेल

घाटमपुर। सजेंती थाना क्षेत्र के बांध गांव में बीते दिन शराब के लिए पैसे न देने पर हुई मारपीट में घायल मजदूर की एक दिन बाद मौत हो गई थी। पुलिस ने परिजनों की तहरीर पर मारपीट के मुकदमे में गैर इरादान हत्या की धारा बढ़ाने के साथ चार हत्यारोपियों को जेल भेज दिया है।

सजेंती थाना क्षेत्र के बांध गांव निवासी धर्मेन्द्र संखवार (50) मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते थे। परिजनों के अनुसार कुछ समय पहले उनकी एक किडनी का ऑपरेशन हुआ था, जिससे वह पहले से ही कमजोर थे। बीती शुक्रवार शाम उनका बेटा रत्नेश गांव में ही मौजूद छोटे बउआ के संपर्क में आया, जहां शराब के लिए पैसे मांगने को लेकर विवाद शुरू हो

गया था। पैसे न देने पर आरोपी ने गाली-गलौज करते हुए रत्नेश के साथ मारपीट शुरू कर दी। जान बचाकर रत्नेश घर की ओर भागा तो आरोपी छोटे बउआ ने अपने पिता अनिल, भाई पोल् समेत गांव के सिद्ध और धूल्लू को बुला लिया। इसके बाद सभी ने मिलकर रत्नेश, उसके पिता धर्मेन्द्र और भाई साजन को घेरकर बेरहमी से जमकर पीटा। मारपीट में धर्मेन्द्र को गंभीर चोटें आई थीं। घटना के बाद परिजन घायल धर्मेन्द्र को लेकर सजेंती थाने पहुंचे। पुलिस ने मुकदमा दर्जकर मॉडिकल के बाद धर्मेन्द्र रात में घर लौट आए, बीती शनिवार शाम अचानक उनकी हालत बिगड़ गई। परिजन उन्हें अनूप मोड़ स्थित डॉक्टर के पास लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया था।

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु

अमृत विचार अखबार के
कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना
मैंने अपना नाम SINGH SAGAR SUNIL SINGH रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/O-SUNIL SWAMINATH SINGH ADD- PLOT No-1 KHASRA No-84, OPPOSITE KASTURI VIHAR COLONY UATTARDHONA CHINHAT PS&B-D DIST- LUCKNOW-226028 (U.P)

सूचना
मैं MASOOM KHAN पुत्र SHARIFULLAH, निवासी ग्राम-महुआढार, पो0-महदेइया स्टेट बलरामपुर, उ0प्र0, सबको सूचित करता हूँ कि मैंने अपना नाम बदलकर MASOOM RAZA SHAIKH रख लिया है, अतः आज से मुझे MASOOM RAZA SHAIKH के नाम से जाना पहचाना व लिखा जाये।

सूचना
सूचित हो कि मैंने अपने पुत्र विशाल और उसकी पत्नी उषा को उनके खराब आचरण, व्यवहार व प्रताड़ना से तंग आकर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेवखल कर सम्बन्ध विच्छेद कर लिया है। विशाल और उषा के किसी कृत्य व लेन-देन से मेरा कोई सम्बन्ध नहीं है। सम्बन्ध पाण्डेय पुत्र स्व. सूर्यनारायण पाण्डेय ग्राम- पूरे रघुनाथ पाण्डेय मजरे भांटी थाना धम्मौर परगना मीरानपुर तहसील सदर जिला सुलतानपुर

सूचना
मेरे बेटे का नाम आधार कार्ड में त्रुटिवश मंगल यादव (MANGAL YADAV) जन्मतिथि 14-06- 2011 अंकित है। जबकि उसका वास्तविक नाम आदविक यादव (ADVIK YADAV) जन्मतिथि 14-06-2013 है उसके आधार कार्ड व समस्त दस्तावेजों में आदविक यादव (ADVIK YADAV) जन्मतिथि 14-06-2013 अंकित की जाय। सुरेश कुमार यादव निवासी सराय मकरकोला पोस्ट अर्जुनपुर जनपद सुलतानपुर उत्तर प्रदेश

सूचना
सूचित किया जाता है, कि सुनीता मनशा राम यादव पत्नी मनशा राम यादव निवासी 67/16 पत्थर नगर भारत नगर शिवाजी मुखर्डी वर्तमान पता कुतुबगंज बाजार पूर तेंडुआ, गोंडा शपथिनी के बैंक पास बुक में सत्यवती पत्नी मनशा राम यादव जो कि आधार कार्ड में सुनीता मनशा राम यादव पत्नी मनशा राम यादव दोनो नाम एक ही व्यक्ति का है. भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए।

सूचना
मैंने अपना नाम SINGH SAGAR SUNIL SINGH रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/O-SUNIL SWAMINATH SINGH ADD- PLOT No-1 KHASRA No-84, OPPOSITE KASTURI VIHAR COLONY UATTARDHONA CHINHAT PS&B-D DIST- LUCKNOW-226028 (U.P)

सूचना
मैंने अपना नाम ममता देवी से बदलकर ममता शर्मा कर लिया है भविष्य में मुझे ममता शर्मा पत्नी श्री इन्द्रजीत शर्मा निवासी- ए / 132 विजयनगर हंसनगर कानपुर नगर उ0प्र0 नाम से जाना / पहचाना / अभिलेखों में दर्ज किया जाये।

सूचना
मैं लालमणि पुत्र बंशराज निवासी अशरफपुर भुआ-मैनपुर थाना व तहसील जलालपुर जनपद अम्बेडकर नगर यह घोषणा करता हूँ कि मेरे पुत्र नैतिक यादव के आधार कार्ड में त्रुटिवश उसका सही नाम नैतिक यादव की जगह निटिल तथा सही जन्मतिथि 13-03-2009 को सही 01-01-2010 अंकित हो गया है। अतः न्याय हित में इसे शुद्ध किया जाना आवश्यक है।

सूचना
मैं ज्योति भोला पत्नी राज कुमार भोला निवासी- नि0 4033 स्ट्रीट नं0 6 निकट सिंह सभा गुरुद्वारा साहिब गोविन्द कालीनी जगलपुर फोकल वाईट लुधियाना 141010, यह कि मेरी पुत्री के आधारकार्ड में मेरी पुत्री का नाम श्रेया भोला सुनार लिखा है जबकि मैंने अपनी पुत्री का नाम बदलकर अनुष्का भोला रखा दिया है। अतः मेरी पुत्री को अनुष्का भोला के नाम से जाना व पहचाना जाय। मेरी पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र में भी मेरी पुत्री का नाम अनुष्का भोला लिखा है।



जब तक आप सामाजिक स्वतंत्रता नहीं हासिल कर लेते, कानून आपको जो भी स्वतंत्रता देता है, वो आपके किसी काम की नहीं।

- डॉ. भीमराव आंबेडकर

अमृत विचार

कानपुर महानगर

कानपुर के प्रमुख समाचार

- 7 वर्षीय बच्ची को लालच देकर ले गया घर, दुष्कर्म कर छोड़ा-III
- जीएसटीएम में मानसिक रोगियों की अब इलेक्ट्रोकन्वल्सिव थेरेपी -III
- महान विचारक और समाज सुधारक थे आंबेडकर-IV

कानपुर, बुधवार, 15 अप्रैल 2026



आयुर्वेद को दुनिया की मान्यता दिलाएगा आईआईटी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर



- केंद्र में आयुर्वेद दवाओं को प्रदान किया जाएगा अंतराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त क्लीनिकल प्रमाणीकरण
- सरकार की मदद से आईआईटी में खुलेगा विश्वस्तरीय आयुर्वेद अनुसंधान केंद्र

किया जाएगा। इस तरह का यह देश का पहला केंद्र होगा, जो पारंपरिक आयुर्वेदिक ज्ञान को आधुनिक वैज्ञानिक मान्यता और तकनीक के साथ जोड़ेगा। जानकारी के मुताबिक आईआईटी के प्रस्ताव में इस केंद्र की स्थापना पर लगभग 50 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान लगाते हुए, इसे राज्य सरकार द्वारा वहन करना प्रस्तावित किया गया है।

प्रस्ताव को राज्य सरकार से हरी झंडी मिलने के बाद संस्थान ने केंद्र के लिए परिसर में स्थान चयनित करने की कार्यवाही आरंभ

कर दी है। संस्थान निदेशक का कहना है कि केंद्र की स्थापना के लिए परिसर में पर्याप्त स्थान उपलब्ध है। अभी आयुर्वेद दवाओं के संबंध में वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी प्रमाणिकता की समस्या सामने आती है, संस्थान की लैब में इस संबंध में प्रयोग करके दवा की वैधता, उपचार, प्रभाव का अध्ययन करके साइंटिफिक वैलिडेशन किया जाएगा। संस्थान में सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल का काम पहले ही तेजी से चल रहा है, यह केंद्र उसके बेहतर संचालन में भी मददगार बनेगा।

50 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान लगाते हुए इसे राज्य सरकार द्वारा वहन करना प्रस्तावित किया गया है

हर्बल गार्डन में उगाई जाएंगी विभिन्न दुर्लभ जड़ी-बूटियां, स्टार्टअप का मिलेगा मौका

- केंद्र की स्थापना के साथ आयुर्वेदिक दवाओं के लिए हर्बल गार्डन भी बनाया जाना है, जिसमें विभिन्न प्रकार की दुर्लभ जड़ी-बूटियां उगाई जाएंगी। आइआईटी में लघु वन उपज का उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने पर भी काम चल रहा है। इसमें छात्र-छात्राएं तो लघु वन उपज से संबंधित शोध व प्रयोग करने के साथ अपना स्टार्टअप भी शुरू कर सकेंगे।

संस्थान में आयुर्वेद अनुसंधान केंद्र की स्थापना पर राज्य सरकार ने सहमति जताई है, अब इस संबंध में वित्तीय और प्रशासनिक मंजूरी के लिए विस्तृत प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। केंद्र में आयुर्वेदिक दवाओं का वैज्ञानिक प्रमाणीकरण किया जाएगा, इससे देश की प्राचीन आयुर्वेद पद्धति को उपचार की दृष्टि से वैश्विक मान्यता मिलेगी।



-प्रो .मणिन्द्र अग्रवाल, निदेशक, आईआईटी, कानपुर



200 मीटर दूर बनेगा पुराने पुल से

50 लाख रुपये खर्च करेगा लोक निर्माण विभाग

इसी टूटे पुल के विकल्प के रूप में होना है पीपा पुल का निर्माण।

अमृत विचार

पीडब्ल्यूडी के दावे हवाहवाई, अभी नहीं बन सका पीपा पुल

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कानपुर शहर से

शुक्लागंज जाने के लिए लोगों की राह को आसान बनाने के लिए गंगा नदी पर पीपा पुल का निर्माण फरवरी माह में शुरू किया जाना था, लेकिन अफसोस की बात ये है कि ऐसा अभी तक हो नहीं सका है। न ही अभी तक लोक निर्माण विभाग द्वारा पीपे शहर लाए गए हैं। क्योंकि लोक निर्माण विभाग के अधिकारी अभी तक यह सोच रहे हैं कि पुल के लिए पीपों को प्रयागराज से शहर कैसे लाया जाए और पुराने शुक्लागंज पुल के पास तक कैसे पहुंचाए, जिससे पुल का निर्माण आसान हो, इसके बाद उसपर सड़क बनाई जा सके।

कानपुर नगर और शुक्लागंज उन्नाव आने व जाने में क्षेत्र के लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि इधर शहर की तरफ गोलाघाट के पास जाम की काफी स्थिति बनी रहती है और पुल पार शुक्लागंज की साइड पर कोतवाली के सामने तक जाम लगता है। इस वजह से पुल पर वाहन कई बार रंग-रंग तक चलते हैं, जिसकी वजह से वाहन सवार लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है और धूप में लोग जाम में फंसकर पसीने से तरबतर हो जाते हैं।

जाम से निजात दिलाने और पुल पर लोड कम करने के लिए शासन ने शुक्लागंज पुराने पुल के पास पीपा पुल बनाने के निर्देश दिए थे, जिसपर लोक निर्माण विभाग ने सर्वे किया और टेंडर प्रक्रिया भी जारी की। तय किया कि पुराने शुक्लागंज से करीब 200 मीटर की दूरी पर पीपा पूल (पैटून) का निर्माण कराया

- पुल निर्माण के लिए प्रयागराज से कानपुर लाए जाने हैं पीपे

नया पुल बनने के बाद हटा दिया जाएगा अस्थाई पीपा पुल

- पीपा पुल के निर्माण के बाद इसपर पैदल, साइकिल या बाइक सवार गुजर सकते हैं। अधिक भारी वाहन प्रतिबंधित होंगे। पीपा पुल का निर्माण पानी पर तेरने वाले बड़े, खोखले लोहे के डिब्बों को एक साथ जोड़कर किया जाएगा। यह अस्थाई पुल की तरह काम करेगा। इसे गंगा नदी के तल में फिक्स कर दिया जाएगा। इसके बाद लकड़ी के तख्ते और एंगल लगाकर ऊपर सड़क बनाई जाएगी। ताकि वाहनों और लोगों की आवाजाही संभव हो सकेगी। जब शुक्लागंज पुल का निर्माण पूरा हो जाएगा तो इसे बुरा हटा दिया जाएगा।

जाएगा, जिसके लिए लोक निर्माण विभाग एक करोड़ 50 लाख रुपये खर्च करेगा। यह पीपा पुल ऑर्डिनेंस फैक्ट्री के बगल से शुरू होगा और मिश्रा कॉलोनी घाट के पास खत्म होगा। फरवरी माह में पुल बनकर तैयार हो जाएगा और इसके बाद लोग इसपर आवागमन कर सकते हैं, लेकिन लोक निर्माण विभाग के यह दवे हवाहवाई ही साबित हो रहे हैं। क्योंकि अब अप्रैल का आधा माह बीत गया है, लेकिन पीपा पुल का निर्माण अभी तक शुरू नहीं हो सका है। लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता अनूप कुमार मिश्रा के मुताबिक टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद पीपा पुल का निर्माण किया जाएगा।

सिटी ब्रीफ

चौराहों पर ट्रैफिक मार्शल तैनात

कानपुर। यातायात विभाग ने शहर को जाम निजात दिलाने के लिए शहर के 14 प्रमुख पर फुटपाथ के दोनों ओर रस्सी लगाकर दुकानदारों एवं वाहनों की सीमा तय कर दी है और ट्रैफिक मार्शल को तैनात किया गया है।

आज इन इलाकों में नहीं रहेगी बिजली

कानपुर। शहर के धनकुंडी, चावल मंडी, जनरलगंज, हालसी रोड, मेस्टन रोड, मनीराम बगिया में बिजली बुधवार को सुबह 11 बजे से दोपहर तीन बजे तक नहीं रहेगी। विजय नगर में सुबह 10 बजे से शाम चार बजे तक, पांडू नगर व लाजपत नगर में सुबह 11 बजे दोपहर दो बजे तक और आवास विकास, दलनपुर, लालपुर गांव, हनुमंत विहार, संजय गांधी नगर, मछरिया, राजीव विहार, बाबा नगर व पाल चौराहा क्षेत्र में बिजली दोपहर 12 बजे से शाम को चार बजे तक गुल रहेगी।

ओसीबी बॉक्स खराब होने से गुल हुई बत्ती

कानपुर। विकास नगर उपकेंद्र के 11केवी एचबीटीआई कॉलोनी फीडर से जुड़े आवासों की बिजली मंगलवार सुबह 10 बजे आउटडोर कैबिल बॉक्स क्षतिग्रस्त होने की वजह से गुल हो गई। सूचना पर मरम्मत के लिए दोई केरको कर्मियों ने फॉल्ट को खोजकर मरम्मत कार्य शुरू किया, तब जाकर 12 बजे तक क्षेत्र में बिजली आ सकी। इस बीच लोगों को गर्मी का सामना करना पड़ा।

10 दिन घर के नलों में नहीं पहुंचेगा पानी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शहर के करीब दो लाख लोगों को 17 अप्रैल से 26 अप्रैल तक पानी संकट से जूझना पड़ेगा। इस बीच जल निगम गंगा बैराज से फूलबाग की तरफ डाली गई नई मुध्द पेयजल लाइन को चुन्नीगंज मेट्रो स्टेशन के पास में कैराबटगंज में जोड़ेगा। 10 दिन तक करीब दो करोड़ लीटर पानी की आपूर्ति बंद रहेगी, जिसकी वजह से करीब 50 माहेल्लों के लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

गंगा बैराज से फूलबाग और रावतपुर होते हुए शास्त्री चौक तक जल निगम ने 15वें वित्त आयोग में जो मुख्य पाइप लाइन डाली थी। जल निगम के मुताबिक वह घंटिया होने के कारण फेल हो गई है। इस वजह से गंगा बैराज से जलापूर्ति प्रेशर से नहीं हो पा रही है। 40 करोड़ लीटर की जगह सिर्फ छह करोड़ लीटर पानी ही 50 मुहल्लों को पाने के लिए मिल पा रहा है। नगर निगम ने 15वें वित्त आयोग से 15 किलोमीटर घंटिया मुख्य पाइप लाइन बदलने के लिए धनराशि जारी की है। उत्तर प्रदेश जल निगम (नगरीय) के अधिशाषी अभियंता प्रवीण यादव के मुताबिक 15वें वित्त आयोग के तहत शहर में जीआरपी फीडरगेन पाइप लाइन घंटिया निर्माण कार्य के चलते बेकार हो गई। इसकी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कल्याणपुर-शिवली रोड के चौड़ीकरण का काम तेजी पकड़ गया है। काफी समय से जर्जर हालात में इस टू लेन मार्ग को अब फोरलेन किया जा रहा है। इसके लिए सड़क के दोनों तरफ अतिक्रमण पहले ही हटाए जा चुके हैं। जल्द ही इस फोरलेन रोड पर फरॉटा भरने का मौका मिलेगा।

इस मार्ग पर बारासिरोही तक गेस्ट हाऊस और अस्पतालों के कारण न सिर्फ वाहन सवारों को जाम की समस्या का सामना करना पड़ता था, बल्कि कई बार एंबुलेंस को रास्ता नहीं मिलने से मरीजों को परेशान होना पड़ता था। लोक निर्माण विभाग अब पनकी रोड चुंगी से न्यू शिवली रोड पर नहरिया तक ढाई किमी लंबी सड़क का चौड़ीकरण और सुंदरीकरण करा रहा है। कल्याणपुर से शिवली मार्ग पर नहरिया तक 2.5 किमी लंबी सड़क को फोरलेन करने पर

- गेस्ट हाऊस और अस्पतालों के कारण लगने वाले जाम से मिलेगा छुटकारा, सुगम होगा यातायात

शिवराजपुर की ओर से भी सड़क निर्माण

- कल्याणपुर-शिवली-शिवराजपुर मार्ग के भी चौड़ीकरण को शासन की ओर से हरी झंडी दिखाई जा चुकी है। 12 किमी से अधिक लंबे इस मार्ग का निर्माण कार्य शुरू करने के लिए लोक निर्माण विभाग ने टेंडर कराए हैं। इस मार्ग के बनने से बड़ी आबादी को बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी।



जल्द ही सरपट दौड़ने के लिए तैयार होगी शिवली फोरलेन रोड।

अमृत विचार

23.74 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

के अनुसार 30 जून तक निर्माण कार्य पूरा करने का लक्ष्य रखा

धुआं निकला, आँडी बनी आग का गोला

कानपुर। गंगा बैराज से सरैया पुल की ओर जाने वाले मुख्य मार्ग पर ट्रॉस गंगा सिटी के पास हाईकोर्ट के अधिवक्ता की आँडी कार में भीषण आग लग गई। उन्होंने किसी तरह अपनी जान बचाई।

इलाहाबाद हाईकोर्ट के अधिवक्ता रविकांत राणा लखनऊ से कानपुर आ रहे थे। उनकी लक्जरी कार के इंजन से अचानक धुआं निकलने लगा तो उन्होंने कार किनारे रोकी। नीचे उतरे, तब तक कार लपटों में धिर गई। अधिवक्ता का बाल झुलस गया। शार्टसर्किट का अंदेशा है।

एयरपोर्ट पर उतरीं मात्र दो फ्लाइट, रौनक घटी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कानपुर एयरपोर्ट पर विमानों की संख्या बढ़ने के बजाए धीरे धीरे सीमित होती जा रही हैं। पिछले माह कानपुर एयरपोर्ट पर जितनी रौनक दिखाई दे रही थी, शायद उतनी रौनक नहीं है। वैसे अहमदाबाद, कोलकाता, जेवर चंडीगढ़ जैसे स्थानों के लिए कानपुर से फ्लाइट देने की बात की जा रही है लेकिन जो फ्लाइट उड़ान भर रही

हैं, उन्हीं पर संकट दिखाई दे रहा है।

मंगलवार को कानपुर में मात्र दो फ्लाइट ने कदम रखा जिसमें यात्रियों की संख्या में भी दिन प्रतिदिन कमी दिखाई दे रही है। दिल्ली से कानपुर आइ फ्लाइट में कुल 182 यात्री आए जबकि 141 यात्रियों ने कानपुर से दिल्ली के लिए उड़ान भरी। इसी प्रकार मुंबई की फ्लाइट में कुल 192 यात्री कानपुर आए लेकिन कानपुर से मुंबई मात्र 124 यात्रियों ने ही मुंबई के लिए उड़ान भरी।

सुबह 9:30 तक लखनऊ की ट्रेनें

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। लखनऊ रेलमार्ग

पर गंगा पुल पर स्लोपर बदलने का कार्य तेजी से चल रहा है, जिसके लिए सुबह 8:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक ट्रेनों के आवागमन पर रोक लगी थी, लेकिन जैसे जैसे काम आगे बढ़ रहा है, अब यह समय एक घंटे कम कर दिया गया है।

सेंट्रल स्टेशन से लखनऊ तक 20 हजार से अधिक दैनिक यात्री हैं, जिन्हें मेगा ब्लाक से दिक्कत है। उनकी परेशानियों को देखते हुए सुबह 8:30 बजे के बजाय सुबह



9:30 बजे कर दिया गया है। अब 9:30 बजे के पहले जितनी ट्रेनें लखनऊ से आने जाने वाली हैं, उनके संचालन में कोई दिक्कत नहीं आएगी। इसी प्रकार कानपुर सेंट्रल स्टेशन से प्रतापगढ़ जाने वाली इंटरसिटी एक्सप्रेस सेंट्रल स्टेशन से सायं 5:35 बजे छूटती है, लेकिन

- लखनऊ रूट पर 42 दिन के मेगा ब्लाक में 8:30 बजे तक गुजर रही थीं ट्रेन
- प्रतापगढ़ इंटरसिटी एक्सप्रेस समेत कई ट्रेन अब अपने समय पर चलने लगीं

मेगा ब्लाक के कारण यह ट्रेन रोज लेट हो रही थी। अब इस ट्रेन को अपने निर्धारित समय से चलाया जा रहा है। इसी प्रकार कई ऐसी ट्रेनें हैं। बताते चलें कि लखनऊ रेलमार्ग पर 42 दिनों का मेगा ब्लाक लिया गया है। यह मेगा ब्लाक 13 मई को समाप्त होगा।

बैठक में चर्चा

यूपीसीडा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विजय किरण आनंद ने औद्योगिक क्षेत्रों का किया निरीक्षण

मॉडल के रूप में विकसित होंगे शहर के औद्योगिक क्षेत्र

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। यूपीसीडा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विजय किरण आनंद ने मंगलवार को शहर के विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों का व्यापक निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद आईआईए भवन में उद्योग प्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ बैठक कर समस्याओं पर मंथन किया।

बैठक में सीईओ ने कहा कि कानपुर के औद्योगिक क्षेत्रों को "मॉडल इंडस्ट्रियल एरिया"के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके लिए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी

किए। उन्होंने उद्योगों से जुड़ी समस्याओं के तुरंत समाधान का भरोसा भी दिलाया।

इस दौरान इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील वैश्य ने कॉमन फैसिलिटी सेंटर (सीएफसी) की स्थापना के लिए आईआईए के निकट खाली व्यावसायिक भूखंड उपलब्ध कराने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित ट्रेड सेंटर से स्थानीय उत्पादों के प्रदर्शन और विपणन को नई दिशा मिलेगी। वहीं राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष आलोक अग्रवाल ने शहरी सीमा से बाहर स्थित औद्योगिक क्षेत्रों पर लगाए जा रहे मेंटेनेंस शुल्क में



उद्यमियों के साथ चर्चा करते यूपीसीडा के सीईओ।

अमृत विचार

कमी की मांग उठाई।

कानपुर चैटर अध्यक्ष आरके अग्रवाल ने समायोजन शुल्क की समस्या प्रमुखता से रखी। इस

पर सीईओ ने जानकारी दी कि समायोजन शुल्क में 50 प्रतिशत की कटौती कर दी गई है और अन्य मुद्दों पर भी तत्काल कार्रवाई के निर्देश

दिए गए हैं। बैठक में निर्माण खंड के सीनियर मैनेजर सलिल यादव, क्षेत्रीय प्रबंधक आशीष नाथ आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जय

हेमराजानी, दिनेश बरासिया, नवीन खन्ना, विशाल नड्डा, अरुण भाटिया व आनंद भाटिया समेत अनेक उद्योगपति व पदाधिकारी मौजूद रहे।

सिटी ब्रीफ

होली में विवाद, एक माह बाद रिपोर्ट

कानपुर। नौबस्ता के राजेंद्रपुरम में दस मार्च की रात होली के दौरान रंग खेलने को लेकर हुए विवाद का एक माह बाद रिपोर्ट हुई। राजेंद्र पुरम निवासी सुभाष कुमार के अनुसार पड़ोसी दीवान सिंह, निष्ठ सिंह सेंगर, राहुल सिंह सेंगर, आरबी सवान, रमा सवान, आशुष सवान, राहुल और शिवम राजपुत रंग खेल रहे थे। उनकी पत्नी ने एलर्जी की बात कहकर दूर रहने को कहा तो भड़क गए और गाली-गलौज करते हुए घर में घुसने का प्रयास किया। दरवाजा तोड़ने की कोशिश की। जिंदा जलाने की धमकी दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने समझौता करा दिया, जबकि आरोपी लगातार धमकी देते रहे थे। बाद में पुलिस कमिश्नर से शिकायत की। उनके आदेश पर नौबस्ता पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की है।

शॉर्ट सर्किट से लगी आग, गृहस्थी जली

कानपुर। वंकेरी के सनिगवां सराय गांव में सोमवार को शॉर्ट सर्किट से मकान में आग लग गई। सूचना पाकर दमकल की एक गाड़ी पहुंची और आग पर काबू पाया। लेकिन गृहस्थी का सामान जल गया। मंगलवार को फिर से आग धधक उठी। जिस पर लोगों ने पानी डालकर आग बुझाई। सराय गांव निवासी किसान जगमोहन लाल के अनुसार सोमवार दोपहर वह परिजनों के साथ खेत पर थे। घर पर 65 वर्षीय वृद्धा थी। भीती शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। लपटे देखकर वह शोर मचाते घर से निकली। सूचना पाकर पहुंची दमकल ने मशकतकर आग पर काबू पाया, लेकिन 80 हजार रुपये समेत पूरी गृहस्थी जल गई। वहीं मंगलवार को एक मकान में अविजल, रोहन और इमरान ने कांस्थ पदक जीता। पिस्टल के टीम वर्ग में अविजल, रोहन और इमरान ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर स्वर्ण पदक जीता। वहीं, पैरा शूटर अपूर्वी ने पैरा रायफल वर्ग में स्वर्ण पदक और पिस्टल सब यु्थ वर्ग में कांस्य और मेधांश ने कांस्थ पदक जीतकर शहर का मान बढ़ाया। एकद विजेता खिलाड़ी अब अयोध्या में होने वाली प्री स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप का हिस्सा बनेंगे।

शहर के 5 निशानेबाजों ने 9 पदक जीते

कानपुर। ओपन शूटिंग चैंपियनशिप प्रयागराज में शहर की द परफेक्ट शूटिंग अकादमी के पांच निशानेबाजों ने नौ पदक अपने नाम किए। कोच अमर निगम ने बताया कि पिस्टल वर्ग में अविजल ने स्वर्ण, रोहन ने रजत और इमरान ने कांस्थ पदक जीता। पिस्टल के टीम वर्ग में अविजल, रोहन और इमरान ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर स्वर्ण पदक जीता। वहीं, पैरा शूटर अपूर्वी ने पैरा रायफल वर्ग में स्वर्ण पदक और पिस्टल सब यु्थ वर्ग में कांस्य और मेधांश ने कांस्थ पदक जीतकर शहर का मान बढ़ाया। एकद विजेता खिलाड़ी अब अयोध्या में होने वाली प्री स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप का हिस्सा बनेंगे।

कंडक्टर बस में सोया, कैश बैग चोरी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। बाबूपुरवा स्थित झकरकटी बस अड्डे पर रोडवेज बस में सोते समय परिचालक का कैश बैग चोरी हो गया। बैग में करीब 14 हजार रुपये, टिकट समेत अन्य जरूरी दस्तावेज थे। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की है। परिचालक शैलेश कुमार ने दी तहरीर में बताया कि अकबरपुर डिपो में कार्यरत हैं। उन्होंने बताया कि वह रविवार रात अकबरपुर-आजमगढ़ वाया कानपुर रूट पर ड्यूटी पर थे। रविवार रात बस झकरकटी बस अड्डे पर नाइट हॉल्ट में खड़ी थी। वह बस में ही सो गए। थोर पहर तीन से चार बजे के बीच किसी ने उनका बैग पार कर दिया। सुबह

बीएससी के छात्र ने फंदालगा दी जान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कल्याणपुर में मंगलवार को बीएससी द्वितीय वर्ष के छात्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पड़ोसी कमरे में रहने वाला छात्र सुबह जब जगाने आया तो दरवाजा अंदर से बंद था। खटखटाते पर कोई जवाब नहीं मिला तो खिड़की से झांककर देखा। छात्र का शव फंदे पर लटका था। एसीपी कल्याणपुर फोर्स के साध पन्हूजे ने

वर्ष कि पढ़ाई कर रहा था। सोमवार रात करीब 9 बजे उसने फोन पर बात की थी। तबियत खराब बताई थी। सुबह दो बार उसे फोन किया, लेकिन कॉल रिसीव नहीं हुई। इसके बाद दूसरे कमरे में रहने वाले उसके दोस्त रोहन को फोन किया। वह भी दरवाजा खटखटाता रहा, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। खिड़की से झांकने पर शव लटका दिखा। उसने मकान मालिक को बताया। मकान मालिक

ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने जांच-पड़ताल कर परिजनों के आने का इंतजार किया। कल्याणपुर प्रभारी आईपीएस सुमेध मिलिंद जाधव ने बताया कि परिजनों का कोई आरोप नहीं है। पोस्टमार्टम नहीं चाहते थे, शव लेकर चले गए।

एसआईएस गार्ड ने तीमारदार को जड़ थप्पड़, फोन छीना

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के अस्पताल में एक बार फिर तीमारदार के साथ मारपीट का वीडियो सामने आया है, जिसमें एसआईएस का एक सुरक्षा गार्ड जीएसवीएसएस पीजीआई परिसर में तीमारदार को अंगुली दिखाते हुए बोलते और दूसरा गार्ड थोड़ी देर बात करने के बाद थप्पड़ मारते हुए और मोबाइल फोन छीनते हुए दिख रहा है। आरोप है कि गार्डों ने लात व घुसों से तीमारदार की पीटाई की। हालांकि अमृत विचार इस वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। कल्यानपुर निवासी अभय द्विवेदी के मुताबिक मां लीवर की बीमारी से पीड़ित हैं और गंभीर हालत में उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

7 वर्षीय बच्ची को लालच देकर ले गया घर, दुष्कर्म कर छोड़ा

जूही इलाके में बच्ची के कपड़ों में खून दिखने के बाद पूरे मामले का हुआ खुलासा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। जूही में सात वर्षीय बच्ची को लालच देकर दुष्कर्म करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। घर के बाहर खेल रही बच्ची को बहाने से आरोपी अपने घर ले गया और फिर दुराचार करने के बाद उसे धमकाकर उसके घर भेज दिया। अगले दिन सुबह मां ने जब बेटी के कपड़ों में खून लगा देखा तो उससे पूछताछ की। इस पर बच्ची रो पड़ी और आपबीती बताई। घटना की जानकारी होने पर मां सन्न रह गई। परिजन बच्ची को लेकर थाने पहुंचे और पुलिस से शिकायत की। रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

पीड़िता के पिता ने बताया कि शनिवार उनकी सात बर्षीय बेटी घर के बाहर खेल रही थी। इसी बीच इलाके का रहने वाला 50 वर्षीय अधेड़ आरोपी बच्ची को लालच देकर बहाने से अपने घर

- तीमारदार ने गार्डों पर लात-घुसों से मारपीट का लगाया आरोप**
- नोडल अधिकारी बोले, कैमरे चेक करने के बाद होगी कार्रवाई**

अभय कुछ देर के लिए घर चले गए थे, तभी उन्हें मां की तबीयत बिगड़ने की सूचना मिली और वह आनन-फानन में जीएसवीएसएस पीजीआई पहुंचे। यहां पहुंचने पर गार्डों से उनकी बाइक खड़ी करने को लेकर बहस हो गई। आरोप है कि बहस के बाद गार्डों ने कई थप्पड़ जड़ दिए। साथ ही उनका मोबाइल फोन भी छीन लिया। मारपीट की घटना के समय मौके पर मौजूद एडवोकेट विनीत मिश्रा और एडवोकेट देवेंद्र सिंह ने गार्डों की इस हरकत का विरोध किया।

विनीत मिश्रा के मुताबिक अभय

ने डायल 112 नंबर पर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस गेट पर खड़ी रही, लेकिन गार्डों ने दरवाजा नहीं खोला। बाद में संबंधित थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल की। एडवोकेट विनीत मिश्रा के मुताबिक गार्डों ने मरीज के परिजनों के साथ मारपीट की और मोबाइल छीन लिया। गार्डों के खिलाफ शिकायत दर्ज कर मुकदमा दर्ज कराने के लिए पुलिस अधिकारियों से मुलाकात की जाएगी। जीएसवीएसएस पीजीआई के नोडल अधिकारी डॉ.मनीष सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जाएगी और संबंधित से पूछताछ कर गलती पाए जाने पर कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही परिसर में लगे सीसीटीवी भी चेक किए जाएंगे।

- घर के बाहर खेल रही मासूम को बहाने से अपने घर ले गया अधेड़ रोई तो धमकाकर घर आ गया**
- नहलाते समय कपड़ों में खून लगा देखकर मां ने पूछा तो बच्ची ने पूरी दास्तान बताई, आरोपी गिरफ्तार**

ससुर-नंदोई पर दुष्कर्म के प्रयास का आरोप

- कानपुर। क़िदवईनगर में विवाहिता ने दहेज उरीइन व दुष्कर्म के प्रयास का आरोप लगाते हुए सात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। जूही पीली कालोनी निवासी पीड़िता के अनुसार एक वर्ष पहले उसका विवाह लखनऊ के अलीगंज निवासी युवक से हुआ था। आरोप है कि शादी के कुछ दिन बाद से ही ससुराल पक्ष के लोग कार व तीन लाख रुपये की मांग को लेकर उसे प्रताड़ित करने लगे थे। आरोप है कि उसका पति समलैंगिक है और विवाह के बाद से ही उससे दूरी बनाकर रहता था। कुछ समय बाद उसे नोएडा ले गया, जहां खर्च का आधा हिस्सा देने का दबाव बनाया। जब उसने ससुराल में उसके समलैंगिक की बताई तो उसे चुप रहने की धमकी दी गई। अगस्त में उसे बैंगलुरु ले गए, जहां नंदोई ने अकेला पाकर दुष्कर्म का प्रयास किया। विरोध पर धमकाया। लखनऊ लौटने पर अकेला पाकर ससुर ने भी दुष्कर्म का प्रयास किया। खुद को बचाकर वह मायके आ गई और परिजनों को जानकारी दी। क़िदवई नगर थाना प्रभारी धर्मंद कुमार राम के अनुसार मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की है।

ले गया, जहां उसने बच्ची के साथ पहले अश्लील हरकतें कीं और फिर उसके साथ दुराचार किया। बच्ची को अनुसार उसके रोने पर आरोपी ने

उसे डराया-धमकाया और किसी से कुछ भी बताने के लिए रोका। इसके बाद आरोपी बच्ची को शांत कराकर चुपके से उसे घर के

विक्रमशिला में प्रसव पीड़ा, सेंद्रल में गूंजी किलकारी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। विक्रमशिला एक्सप्रेस में एक गर्भवती महिला दर्द से कराहती रही, जिसकी सूचना कानपुर सेंट्रल स्टेशन को दी गई। सेंद्रल स्टेशन पर आरपीएफ ने महिला को सहारा दिया और फिर महिला ने बच्ची को जन्म दिया।

दिल्ली के आनंद विहार टर्मिनल से भागलपुर जा रही गाड़ी संख्या 12368 विक्रमशिला एक्सप्रेस में नालंदा बिहार के बिंद इब्राहिमपुर निवासी मुन्ना रविदास की पत्नी सीता देवी को प्रसव पीड़ा शुरू हो गई। यात्रियों ने इसकी जानकारी टीटीई को दी तो टिकट निरीक्षक ने सेंद्रल स्टेशन के अधिकारियों को अवगत कराया। फिर आरपीएफ को इसकी जानकारी दी गई। कानपुर सेंद्रल स्टेशन पर तैनात मेरी सहेली स्टाफ की कांस्टेबल रश्मि सचान



प्रसव के बाद मासूम को दुलार करती आरपीएफ की सिपाही।

अमृत विचार

एवं विनीता ने मातृशक्ति के तहत विक्रमशिला एक्सप्रेस से सेंद्रल

स्टेशन पर महिला को नीचे उतारा। उस समय महिला अत्यधिक

बुजुर्ग ने पांडु नदी में कूदकर दी जान

कानपुर। सेन पश्चिम पारा स्थित पांडुनदी में मंगलवार सुबह बुजुर्ग का शव मिला। इयूटी से घर नहीं पहुंचने पर परिजनों ने रातभर तलाश की, लेकिन कुछ पता नहीं चला। पुलिस के अनुसार तनाव के चलते बुजुर्ग ने नदी में कूदकर जान दी है। वहीं परिजन वजह ढूंढ रहे हैं।

गोविंदनगर के दबौली निवासी मनोज कुमार उर्फ राजू भाटिया (63)अपने छोटे भाई हरीश कुमार की नौबस्ता खराद कारखाना में नौकरी करते थे। पत्नी मीनू व बेटा निखिल हैं। छोटे भाई बाँबी ने बताया कि वह शाम छह बजे घर के लिए निकले थे। रोज एक घंटे में घर पहुंच जाते थे, लेकिन सोमवार को रात नौ बजे तक नहीं पहुंचे। परिजन रात तीन बजे तक खोजते रहे, लेकिन कुछ पता नहीं चला। बाँकी के अनुसार वह एक ही रास्ते से साइकिल पर आते-जाते थे। मंगलवार सुबह फिर खोजबीन शुरू की, इसी बीच पांडुनदी में शव मिलने की खबर मिली। परिजनों ने मौके पर पहुंचकर शव की शिनाख्त की। परिजनों में कोहराम मच गया। घरवालों के अनुसार उन्हें कम दिखाई देता था, दिमागी रूप से भी कमजोर थे। स्पष्ट बोल भी नहीं पाते थे। जिस कारण तनाव में रहते थे।



पकड़े गए चोर और बरामद बाइकें।

अमृत विचार

चोरी की दो बाइकों संग चोर हत्थे चढ़े

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- पकड़े गए शातिरों में एक फतेहपुर दूसरा रायबरेली का रहने वाला**

अमृत विचार। गोविंद नगर पुलिस ने शराब ठेके के बाहर से बाइके चोरी करने वाले अंतरजनपदीय दो चोरों को गिरफ्तार किया है। निराला नगर रेलवे ग्राउंड से पकड़े गए शातिर सीटीआई के पास रहकर घटनाओं को अंजाम देते थे। इनमें एक रायबरेली और दूसरा फतेहपुर का रहने वाला है। गोविंद नगर थाना प्रभारी रिकेश कुमार सिंह ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों के पास से रामआसरे नगर निवासी अरुन प्रजापति की बाइक बरामद हुई है, जिसे शातिरों ने नवंबर माह में चोरी की थी। अरुन उस दिन रतनलाल नगर

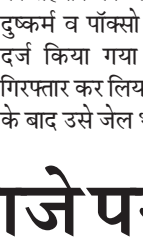
ट्रेन के दरवाजे पर बैठे युवक की गिरकर मौत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। पनकी स्टेशन के पास चलती ट्रेन से गिरकर युवक की मौत हो गई। वह पिता की दवा लेने इटावा से कानपुर आ रहा था। ट्रेन में सीट न होने के कारण दरवाजे के पास बैठा था, तभी हवा के झोंके में गिरकर उसकी जान चली गई।

इटावा के गादीपुरा पुरवानगर निवासी राकेश का बेटा नीरज (30) नगर पालिका परिषद में ठेके पर सफाई कर्मी था। पिता सांस की बीमारी से पीड़ित है, जिसका कानपुर के डॉक्टर का इलाज चल रहा है। तीन भाइयों में सबसे बड़ा था। छोटे भाई राजीव ने बताया कि वह भी सोमवार सुबह नीरज के

- पिता की दवा लेने के लिए इटावा से कानपुर आ रहा था युवक**



नीरज।

मां भाऊपुर से पनकी के बीच नीरज नीचे जा गिरा। अगले स्टेशन पर ट्रेन रुकने पर उसने जीआरपी को सूचना दी। जीआरपी ने शव पोस्टमार्टम भिजवाया। राजीव ने हादसे की जानकारी परिजनों को दी। खबर से परिजनों में कोहराम मच गया।

सिटी ब्रीफ

पेंशनर्स आज धरना देकर करेंगे प्रदर्शन

कानपुर। ईपीएस-95 राष्ट्रीय संघर्ष समिति उम के निर्देश पर बुधवार को पेंशनर सर्वोदय नगर स्थित ईपीएमओ मुख्यालय में महाधरना प्रदर्शन करेंगे, जिसमे वह सरकार से न्यूनतम पेंशन 7500 रुपये और महंगाई भत्ता मंजूर करने, पेंशनरों व उनके परिवार को मुफ्त चिकित्सा सुविधा आदि की मांग करेंगे। इसकी तैयार समिति के सदस्यों ने पूरी कर ली है।

योगा एसोसिएशन की चेयरमैन बनीं नीतू सिंह
कानपुर। योगा एसोसिएशन ऑफ उत्तर प्रदेश ने संगठन को नई दिशा देने के उद्देश्य से नीतू सिंह को चेयरमैन नियुक्त किया है। महासचिव शोभित पांडेय ने बताया कि नीतू सिंह वीएसएसडी कॉलेज कानपुर में बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट की सचिव भी हैं। योग के क्षेत्र में उनके अग्रभूय और नेतृत्व क्षमता को देखते हुए यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। पदाधिकारियों ने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में संगठन को नई पहचान मिलेगी और योग के प्रचार-प्रसार के साथ प्रशिक्षण व प्रतियोगिताओं को भी बढ़ावा मिलेगा।

डिप्टी सीटीएम गोविल आज संभालेंगे चार्ज
कानपुर। सेंट्रल स्टेशन पर उप मुख्य यातायात प्रबंधक आकांशु गोविल बुधवार को चार्ज संभालेंगे। श्री गोविल अभी तक प्रयागराज में तैनात थे जिन्हें कानपुर का डिप्टी सीटीएम तैनात किया गया है। कानपुर के डिप्टी सीटीएम आशुतोष सिंह का तबादला लखनऊ ट्रेनिंग सेंटर में किया गया है।

अजमते मुस्तफा कांफ्रेंस 19 को
कानपुर। अंजुमन फैजाने हुसैन वारसी की ओर से तलाक महल स्थित ग्रीन वुड स्कूल में 19 अप्रैल को अजमते मुस्तफा कांफ्रेंस आयोजित की जाएगी जिसमें बरेली शरीफ के शहजद आलम मिरबाही विशेष तौर पर शिरकत करेंगे। मीडिया इंचार्ज हाफिज व कारी सैयद मोहम्मद फैसल जाफरी ने जानकारी दी।

भाजपा का नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम 17 को
कानपुर। भाजपा के नारी शक्ति वंदन अधिनियम अभिषेक के अंतर्गत 17 अप्रैल को टाउन हॉल कार्यक्रम होगा। क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल ने बताया कि इसका उद्देश्य महिलाओं के सशक्तिकरण पर संवाद स्थापित करना है। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक मुख्य अतिथि होंगे।

ब्राह्मण सम्मेलन में उठी उपेक्षा की टीस

विशेष संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। दो दिन पहले कल्याणपुर विधानसभा क्षेत्र के नवाबगंज में फिर एक ब्राह्मण संगठन की ओर से सम्मेलन हुआ। इसमें एकता की बातें हुईं। ब्राह्मण महापुरुषों की महिमा और इतिहास की गाथा बताते हुए भविष्य का खाका खींचा गया।

कहने को तो यह अखिल भारतीय संगठन था, लेकिन ज्यादातर चेहरे कानपुर और कल्याणपुर क्षेत्र के ही दिखे। राजनेताओं की खिंचाई की गई और कहा गया कि इस दौर में ब्राह्मण उपेक्षित है। आरक्षण पर भी विरोध के स्वर गूंजे। ब्राह्मण के त्याग, तपस्या, बुद्धि, बल, पराक्रम, बलिदान का बखान हुआ। संगठित होने पर बल दिया गया। इस दौरान भाजपा पार्षद, पूर्व पार्षद के साथ कुछ संघ और भाजपा से जुड़े नेता और कारोबारी भी मौजूद रहे।

चर्चा रही कि इसमें कुछ नेता क्षेत्रीय विधायक के कट्टर समर्थक हैं, जो अब विधानसभा चुनाव में पार्टी टिकट के दावेदार हैं। इसमें एक भगवाधारी सन्यासी भी मौजूद थे, जो दावेदार बताए जाते हैं। पिछले चुनाव में भी इनका नाम खूब चला था। एक गुट यह भी कहता है

कि ब्राह्मण समाज का यह आयोजन विधायक के समर्थकों का है और उन बैठकों का जवाब है, जो पिछले दिनों कुछ दूसरे ब्राह्मण संगठनों ने और नेताओं ने किया था। दूसरा पक्ष यह भी कहता है कि विधायक के कट्टर समर्थक अब उनसे किनारा करके खुद अपने राजनीतिक रास्ते बना रहे हैं और इसलिए नवाबगंज के ब्राह्मण सम्मेलन में शामिल हुए ताकि अपनी विरादरी के वोट पक्के कर सकें औरतलवार है कि इस आयोजन में उन ब्राह्मण नेताओं, कारोबारियों, पार्षदों, ब्राह्मण नेताओं

परीक्षा के बाद परिणाम का बच्चों में सताने लगा डर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। बोर्ड परीक्षा देने वाले परीक्षार्थी अपने अंकों और भविष्य के अनुसार योजना बनाने से परेशान हो रहे हैं। अत्यधिक चिंता की वजह से बच्चों में तनाव, अनिद्रा और अवसाद जैसे लक्षण सामने आने लगे हैं। ऐसे में मनोवैज्ञानिक अभिभावकों को भी बच्चों पर नजर रखने को सलाह दे रहे हैं।

परीक्षा परिणाम के डर की वजह से रोजाना दो से तीन केस मनोवैज्ञानिकों के पास आ रहे हैं।

पिछले 15 से 20 दिन के भीतर शहर के विभिन्न मनोवैज्ञानिकों के पास लगभग 150 से 170 केस आ चुके हैं। मनोवैज्ञानिकों ने बताया कि सबसे अधिक समस्या 12वीं के परीक्षार्थियों को हो रही है। मनोवैज्ञानिक डॉ. एलके सिंह ने सुझाव दिया कि अभिभावक बच्चों के बदल रहे व्यवहार को समय रहते समझें।

बच्चों का तनाव मनोवैज्ञानिक तक पहुंच रहा, अब तक 120 से अधिक मामले

बच्चों की चिंता

- परीक्षा में कम अंक आने पर आगे प्रवेश में समस्या होगी
- क्या रिजल्ट में आने वाले अंक से मुझे बेहतर कॉलेज मिल सकेगा
- मेरे पेपर सभी बेहतर हुए हैं फिर भी लगता है कि नंबर

कम आएंगे

- मेरे पापा मुझे विदेश भेजना चाहते हैं, अब मुझे डर लग रहा है
- यदि मैं फेल हो गया तो मेरे सभी दोस्त मेरे से बहुत आगे निकल जाएंगे

अभिभावकों को सुझाव

- परिवार में बहुत अधिक परीक्षा परिणाम पर चर्चा न करें
- बच्चे यदि तनाव व अनिद्रा से ग्रसित हो रहे हैं तो काउंसिलिंग कराएं
- बच्चों के साथ हमेशा खुशनुमा माहौल में बात करें

दिख रहे लक्षण

- रात तक नींद नहीं आना
- परिवार से बातचीत बंद होना
- पहले के मुकाबले देर तक अकेला रहना
- भोजन में कमी आ जाना, परिवार में ज्यादातर समय परीक्षा परिणाम पर चर्चा करना

जीएसवीएम में मानसिक रोगियों की अब इलेक्ट्रोकन्वल्सिव थेरेपी

गंभीर अवसाद, बाइपोलर डिसऑर्डर आदि के मरीजों को मिलेगा खासा लाभ

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज में आने वाले मानसिक रोगों से ग्रस्त मरीजों के लिए राहत भरी खबर है। यहां पर आने वाले ऐसे मानसिक रोगी, जिनपर दवाएं असर नहीं करती हैं और मामूली थेरेपी काम नहीं आती है, उनको अब जल्द ही इलेक्ट्रोकन्वल्सिव थेरेपी की सुविधा मिलेगी। जिससे मस्तिष्क के रसायनों में न्यूरोट्रांसमीटर संतुलित होंगे और रोगी को राहत मिलेगी।

जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के मानसिक रोग विभाग की ओपीडी में प्रतिदिन 20 से 25 मरीज ऐसे पहुंचते हैं, जो गंभीर अवसाद, बाइपोलर डिसऑर्डर, कैटाटोनिया और स्किजोफ्रेनिया ग्रस्त होते हैं, जिनकी दवाएं लंबी चलती है, जिसकी वजह से कुछ मरीजों के शरीर में दवाएं असर करना बंद कर देती है, ऐसे में काउंसलिंग भी काम नहीं आती है। तब इन मरीजों को इलेक्ट्रोकन्वल्सिव थेरेपी की सख्त जरूरत होती है।

इसकी सुविधा मरीजों को अब जल्द ही जीएसवीएम मेडिकल

22 करोड़ से बनेगा मानसिक रोग विभाग

20 से 25 मरीज पहुंचते हैं प्रतिदिन

तीन से आठ सप्ताह तक चलती थेरेपी

डॉ. धनंजय चौधरी ने बताया कि आमतौर पर तीन से आठ सप्ताह की अवधि में सप्ताह में दो से तीन बार कुल 6 से 12 सत्र दिए जाते हैं। प्रक्रिया से पहले मरीज के स्वास्थ्य की गहन जांच में ईसीजी, ब्लड टेस्ट किया जाता है। मरीज को जनरल एनेस्थीसिया दिया जाता है, जिससे वह सो जाता है और उसे कोई दर्द या झटके महसूस नहीं होते। मांसपेशियों को आराम देने वाली दवा दी जाती है, ताकि दौरे के समय शरीर में झटके कम से कम आए और हड्डियों को कोई नुकसान न हो।

30 से 60 सेकेंड तक पड़ता है दौरा

डॉ. धनंजय चौधरी के मुताबिक रोगी के सिर पर विशेष स्थानों (सिर के एक या दोनों तरफ) पर इलैक्ट्रोड लगाए जाते हैं। मस्तिष्क में बहुत कम समय (कुछ सेकंड) के लिए नियंत्रित विद्युत धारा प्रवाहित की जाती है, जिससे मस्तिष्क में लगभग 30-60 सेकेंड तक का दौरा पड़ता है। पूरी प्रक्रिया के दौरान ईईजी और ईसीजी मशीनों द्वारा मस्तिष्क की गतिविधि और हृदय गति की निगरानी की जाती है। प्रक्रिया के लगभग 5-10 मिनट बाद, एनेस्थीसिया का असर खत्म होने पर रोगी को जगाया जाता है। मरीज को रिकवरी रूम में ले जाया जाता है, जहां उसे होश आने तक देखा जाता है।

कॉलेज के नवनिर्माणाधीन मानसिक रोग विभाग में मिलेगी, जिसके लिए यहां पर अत्याधुनिक मशीन लगाई जाएगी। मानसिक रोग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. धनंजय चौधरी ने बताया कि 22 करोड़ रुपये की लागत से मानसिक रोग विभाग का निर्माण लगभग पूरा हो गया

है। निर्माण कंपनी जैसे ही कॉलेज प्रशासन को बिल्डिंग हैंडओवर करेगी, वैसे ही यहां पर मानसिक रोगियों का इलाज अत्याधुनिक मशीनों की मदद से शुरू कर दिया जाएगा। इलेक्ट्रोकन्वल्सिव थेरेपी की सुविधा भी यहां पर मरीजों को मिलेगी। यह एक सुरक्षित

80 फीसदी तक प्रभावी हो सकती है थेरेपी

ऐसी स्थिति में दी जाती है यह थेरेपी

जब गंभीर अवसाद में दवाएं और काउंसलिंग काम न करें। गंभीर आत्महत्या का जोखिम के केस में जब तुरंत सुधार की जरूरत हो। कैटाटोनिया यानी जब मरीज हफ्तों तक हिल-डुल या बोल न पा रहा हो। बाइपोलर डिसऑर्डर के कारण अत्यधिक उत्तेजना होने पर। मनोविकृति यानी वास्तविकता से संबंध टूटना। अवसाद के कारण खाना-पीना छोड़ देना।

और अत्यधिक प्रभावी उपचार है। यह गंभीर अवसाद, बाइपोलर डिसऑर्डर, स्किजोफ्रेनिया और कैटाटोनिया के लिए उपयोगी है, विशेष रूप से तब जब दवाएं कारगर न हों। यह थेरेपी गंभीर अवसाद के मामलों में लगभग 80 फीसदी तक प्रभावी हो सकती है।

शहर में होगी फिल्म की शूटिंग अभिनय का मिलेगा पूरा मौका

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शहर में जल्द ही एक बेहतरीन फिल्म की शूटिंग की जाएगी, जिसमे कानपुर के लोकप्रिय जगहों को बखूबी से दर्शाया जाएगा। इस फिल्म में शहर के लोगों को भी हुनार के हिसाब से अभिनय करने का मौका मिलेगा, जिसकी जानकारी मंगलवार को शहर आए भारतीय सिनेमा के एक्टर प्रोड्यूसर रविंद्र टुटेजा ने दी।

इसके साथ शहर में लोकप्रिय टीवी शो भाबीजी घर पर हैं.. में प्रेम चौधरी का किरदार निभाने वाले अभिनेता विश्वजीत सोनी भी आए। यह शो में विभूति नारायण मिश्रा के एक अमीर और जुगाडू दोस्त के रूप में दिखाई देते हैं, जिनका मुख्य काम



शहर पहुंचे अभिनेताओं का स्वागत किया गया।

अमृत विचार

ऊटपटांग बिजनेस आइडियाज और पार्टियां आयोजित करना है। रविंद्र टुटेजा व विश्वजीत सोनी ने पनकी मंदिर में दशन किए और शूटिंग की लोकेशन देखी। कहा कि कानपुर बहुत अच्छा शहर है और यहां के

समस्याओं पर चर्चा सुझावों पर मंथन

कानपुर। सिविल डिफेंस प्रखंड कृष्णानगर की एक महत्वपूर्ण बैठक एक गेस्ट हाउस में आयोजित की गई। बैठक की शुरुआत भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर उनके चित्र पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि अर्पित कर की गई।

कार्यक्रम में स्टायफ ऑफिसर सुखवीर सिंह मलिक ने मुख्य अतिथि चीफ वार्डन राजीव सिंह, विशिष्ट अतिथि स्टायफ ऑफिसर नगर स्तर सतीश अरोड़ा व वरिष्ठ समाजसेवी शरद प्रकाश अग्रवाल का स्वागत किया। बैठक की अध्यक्षता डिवीजन वार्डन नगर सीमा अग्रवाल जागृति ने की, जबकि संचालन सहायक उप नियंत्रक प्रवीण वर्मा ने किया। बैठक के दौरान उपस्थित वार्डनों ने अपने-अपने क्षेत्र से जुड़े सुझाव दिए।

खुशी के पल

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) के स्कूल ऑफ आर्ट्स, ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज द्वारा भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उनके जीवन, संघर्ष और संवैधानिक मूल्यों पर विस्तृत चर्चा हुई। कार्यक्रम का संयोजन निर्देशिका डॉ. किरण झा एवं सह-निर्देशक डॉ. मानस उपाध्याय ने किया।

मुख्य वक्ता के रूप में पूर्व सदस्य, अनुसूचित जनजाति आयोग उत्तर प्रदेश सरकार किशन लाल सुदर्शन, समाज कल्याण सेवा



कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक को सम्मानित करते समिति के सदस्य। अमृत विचार

समिति के सचिव धनीराम पैंथर और वरिष्ठ प्रो. डॉ. आशुतोष सक्सेना ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि डॉ. अंबेडकर का जीवन सामाजिक

शिक्षा और सामाजिक चेतना के क्षेत्र में योगदान के लिए किया गया सम्मानित

कुलपति को ‘ अंबेडकर रत्न ’ का मिला सम्मान

न्याय, समानता और शिक्षा के प्रति समर्पण की प्रेरणादायक मिसाल है। इस अवसर पर समाज कल्याण सेवा समिति द्वारा विश्वविद्यालय के



नानाराव पार्क के हनुमान मंदिर परिसर में कार्यक्रम हुआ।

अमृत विचार

आतंकवाद के अंत का संकल्प दोहराया

कानपुर। ऐतिहासिक नानाराव पार्क स्थित हनुमान मंदिर परिसर में मंगलवार को हनुमान शौर्य पीठ द्वारा विशेष ध्वज अवतरण पर्व का आयोजन किया गया। कार्यक्रम करीब एक घंटे चला, जिसमें दैवीय शक्तियों की स्तुति और सामूहिक राष्ट्रगान किया गया। पुलवामा हमले

के बाद शहीदों की स्मृति में इस पीठ की स्थापना हुई थी और आतंकवाद के अंत तक ध्वज न उतारने का संकल्प लिया गया था। प्रवीण शोध संस्थान के अध्यक्ष पी दीक्षित ने वैश्विक स्तर पर आतंकवाद के कमजोर पड़ने का उल्लेख करते हुए संकल्प की पूर्णता के बारे में बताया।

बोर्ड ने डीआईओएस से मांगा परीक्षा खर्च का पूरा ब्योरा

कानपुर। माध्यमिक शिक्षा परिषद ने डीआईओएस से बोर्ड परीक्षा संबंधी खर्च का विस्तृत ब्योरा तत्काल मांगा है। परिषद ने स्पष्ट किया है कि समय से सही जानकारी न देने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी।

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद ने वर्ष 2026 की हाईस्कूल व इंटरमीडिएट परीक्षाओं को लेकर निर्देश जारी किए हैं। परिषद के रिजल्ट वित्त एवं लेखाधिकारी ने जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) को पत्र भेजकर परीक्षा से जुड़े खर्च का विस्तृत विवरण तत्काल उपलब्ध कराने को कहा है। निर्देशों में स्पष्ट कहा गया है कि परीक्षा केंद्रों, संकलन केंद्रों और मूल्यांकन केंद्रों पर नियुक्त सभी कार्मिकों की संख्या का पूरा ब्यौरा दिया जाए। इसमें केंद्र व्यवस्थापक, अतिरिक्त केंद्र व्यवस्थापक, कक्ष निरीक्षक, लिपिक, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी सहित अन्य स्टाफ शामिल हैं।

इसके अलावा संकलन केंद्रों पर मुख्य नियंत्रक, उप नियंत्रक और सहयोगी कार्मियों व मूल्यांकन केंद्रों पर परीक्षक, उप परीक्षक सहित अन्य कर्मचारियों का भी विवरण मांगा गया है। परिषद ने इन सभी कार्मिकों को दिए जाने वाले यात्रा भत्ता और पारिश्रमिक पर होने वाले कुल व्यय का वास्तविक आंकड़ा भी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

सेवानिवृत्ति पर 300 दिन का करें भुगतान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद कर्मचारी संगठन ने उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या से मुलाकात की और उन्हें जापान सौंपते हुए परिषदीय लिपिक एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के उपरांत अवशेष लेखी में 300 दिन का उपार्जित अवकाश का भुगतान करने की गुहार लगाई।

उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद कर्मचारी संगठन के मंडल अध्यक्ष मोहम्मद परवेज आलम ने बताया कि कर्मियों की समस्याओं के निराकरण के लिए उप मुख्यमंत्री को जापान सौंपा गया। इससे पूर्व संगठन पदाधिकारियों ने उप मुख्यमंत्री को पुष्प गुच्छ भेंट किया

और अपनी मांगें रखी। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष तापस कुमार मिश्रा, महामंत्री शहाब सरताज, सुधीर मिश्रा इंद्रमणि मिश्रा शमशाद अहमद आदि मौजूद रहे। जापान में मांग रखी गई है कि परिषदीय लिपिक एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के उपरांत अवशेष लेखी में 300 दिन का उपार्जित अवकाश का भुगतान किया जाए। परिषदीय लिपिकों का प्रधान सहायक पद है व संशोधन किया जाए। चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों का 1800 ग्रेड पे को इन्नोर करते हुए 1900 ग्रेड पे संशोधन किया जाए। मुख्यमंत्री द्वारा घोषित कैशलेस शिक्षा एवं सुविधा में परिषदीय लिपिकों एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को भी सम्मिलित किया जाए।

भाषण प्रतियोगिता में मिले पुरस्कार

अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित भाषण प्रतियोगिता में कर्तिकेश सिंह, कृष साहू, आस्था विश्वकर्मा एवं रितचल भौरा को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का संवादन अनुष्का व हंसराज ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन सहायक आचार्य संजीत द्वारा किया गया। बड़ी संख्या में शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी कार्यक्रम में शामिल हुए।

कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक को शिक्षा एवं सामाजिक चेतना के क्षेत्र में योगदान के लिए ‘अंबेडकर रत्न’ से सम्मानित किया गया। कुलपति

● आंबेडकर जयंती पर सीएसजेएमयू में कार्यक्रम का हुआ आयोजन

ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि डॉ. अंबेडकर के आदर्शों को अपनाकर ही समाज का समग्र विकास संभव है। उन्होंने विद्यार्थियों से आपसी मतभेद भुलाकर समाज हित में कार्य करने का आह्वान किया तथा महान गणितज्ञ आर्यभट्ट को भी स्मरण किया। प्रति-कुलपति प्रो. सुधीर कुमार अवस्थी ने शिक्षा के महत्व पर बल देते हुए छात्रों को अंबेडकर के पदचिह्नों पर चलने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में कुलसचिव राकेश कुमार मिश्र, वित्त अधिकारी अशोक त्रिपाठी एवं अधिष्ठाता प्रशास्त्र पो. नीरज कुमार सिंह आदि उपस्थित रहे।

अमृत विचार

बुधवार, 15 अप्रैल 2026

असंतोष का उफान

नोएडा में मजदूरों-कर्मचारियों का हालिया उग्र प्रदर्शन भारत के औद्योगिक ढांचे में गहरे पैठे असंतोष का लक्षण है। यह घटना उद्योग और श्रम संबंधों के उस लंबे समय से दमित और तनावपूर्ण असंतुलन की ओर इशारा करती है, जो अब फूट पड़ा है। सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इस प्रदर्शन का कोई स्पष्ट पारंपरिक नेतृत्व नहीं था। तथाकथित ‘जेनजी’ श्रमिकों की अग्रिम भूमिका यह संकेत देती है कि पारंपरिक यूनियन ने अप्रासंगिक नहीं हुईं हों, पर ट्रेड यूनियनों का प्रभाव कमजोर अवश्य हुआ है। नई पीढ़ी जिस तरह अधिक त्वरित, डिजिटल और स्वतः स्फूर्त संगठन की ओर बढ़ रही, उससे श्रम आंदोलन अधिक अनिश्चित और असंगठित हो गया है, जहां संवाद के औपचारिक मंच कमजोर पड़ते हैं और टकराव की संभावना बढ़ती है। प्रदर्शन के उग्र होने में प्रशासनिक विफलता स्पष्ट दिखती है। पांच दिन से चल रहे विरोध-प्रदर्शन के बावजूद पुलिस और प्रशासन आकलन नहीं कर पाया।

खुफिया निगरानी में कमी, श्रमिक असंतोष की गहराई को न समझ पाना और समय रहते संवाद स्थापित न करना, ये सभी कारण इस विफलता के साफ संकेत हैं। घटना का मूल कारण श्रमिकों की आर्थिक और सामाजिक स्थिति में निहित है। दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश जैसे सटे राज्यों में अकुशल श्रमिकों के न्यूनतम वेतन में भारी अंतर है, दिल्ली में अकुशल श्रमिक को लगभग 20 हजार रुपये, हरियाणा में 15 हजार से अधिक और उत्तर प्रदेश में 11,313 रुपये मिनना अस्मान श्रम बाजार की तस्वीर प्रस्तुत करता है। सवाल यह है कि क्या इनमें से कोई भी वेतन आज की महंगाई, निजी शिक्षा-स्वास्थ्य और शहरी जीवन यापन की लागत के अनुरूप है ? एक छोटे परिवार के लिए किराया, राशन, शिक्षा, स्वास्थ्य और परिवहन का खर्च जोड़ें तो वर्तमान न्यूनतम वेतन जीवनयापन के न्यूनतम मानकों को भी पूरा नहीं करता। ऐसे में 12 घंटे काम, ओवरटाइम का उचित भुगतान न होना, सुरक्षा मानकों की अनदेखी और श्रमिक कल्याण योजनाओं का अभाव, यह सब मिलकर असंतोष को विस्फोटक बनाते हैं। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उच्च स्तरीय समिति और न्यूनतम वेतन संशोधन जैसे कदम स्वागतयोग्य हैं, परंतु यह केवल तात्कालिक राहत हैं। जब तक श्रम कानूनों का कठोर क्रियान्वयन, निरीक्षण तंत्र की मजबूती और उद्योगों की जवाबदेही सुनिश्चित नहीं होगी, तब तक स्थिति में स्थायी सुधार संभव नहीं है।

न्यूनतम वेतन निर्धारण का आधार केवल ‘जीवित रहने’ की लागत नहीं, बल्कि उसमें ‘सम्मानजनक जीवन’, सामाजिक सुरक्षा भी शामिल हो। राज्यों के बीच वेतन असमानता को कम करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर एक संतुलित ढांचा बने। श्रमिक आंदोलन की हिंसा से दूर रहे। हिंसा से न केवल वैध मांगें कमजोर होती हैं, बल्कि श्रमिक खुद कानूनी और प्रशासनिक दबाव में आ जाते हैं। यदि कोई बाहरी तत्व हिंसा भड़काने का प्रयास करता है, तो उसे सख्ती से अलग करना होगा। कुल मिलाकर यह घटना सरकार, उद्योग और समाज— तीनों के लिए चेतावनी है कि यदि श्रमिक असंतोष को समय रहते संवाद, न्यायपूर्ण वेतन और सुरक्षित कार्यस्थल के माध्यम से शांत नहीं किया गया, तो बड़े संकट का रूप ले सकता है।

प्रसंगवश

नारी सशक्तिकरण के बीच पुरुष संवेदनाओं की अनदेखी

देश के विभिन्न हिस्सों विशेषकर दिल्ली, गुरुग्राम और जयपुर से ऐसी खबरें सामने आई हैं, जहां पुरुषों ने मानसिक तनाव, आर्थिक दबाव और वैवाहिक विवादों के कारण कठोर कदम उठाए। ये घटनाएं केवल व्यक्तिगत त्रासदी नहीं हैं, बल्कि समाज की उस सोच को दर्शाती हैं, जहां पुरुषों को अपनी भावनाएं व्यक्त करने का अवसर नहीं मिलता। वर्तमान समय में भारतीय समाज एक गहरे परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। नारी सशक्तिकरण ने महिलाओं को नई पहचान, आत्मनिर्भरता और निर्णय लेने की क्षमता प्रदान की है, जो एक सकारात्मक और आवश्यक सामाजिक बदलाव है, किंतु इस परिवर्तन के साथ एक और पहलू उभर कर सामने आ रहा है, पुरुषों की बदलती सामाजिक और मानसिक स्थिति, जिस पर अपेक्षित गंभीरता से विचार नहीं किया जा रहा।

रिसर्चगेट पर उपलब्ध कई हालिया शोध (2020–2024) बताते हैं कि 25–35% पुरुष मानसिक या भावनात्मक प्रताड़ना का सामना करते हैं। इंडियन फैमिली फाउंडेशन की रिपोर्ट्स में भी पुरुषों के उत्पीड़न और आत्महत्या के मामलों को एक गंभीर सामाजिक मुद्दा बताया गया है। देश में हाल ही में वैवाहिक विवादों और तलाक के मामलों में बढ़ोतरी चर्चा का विषय बनी है। पारिवारिक अदालतों में आने वाले मामलों से यह स्पष्ट होता है कि पति-पत्नी के बीच संवाद की कमी, आर्थिक दबाव और आपसी समझ की कमी रिशतों को कमजोर कर रही है। तलाक के बाद पुरुषों को न केवल आर्थिक जिम्मेदारियों जैसे गुजारा भत्ता का बोझ उठाना पड़ता है, बल्कि अपने बच्चों से दूर रहने की पीड़ा भी सहनी पड़ती है।

क्या एक समाज सच में इस तरह सशक्त कहलाया जा सकता है, अगर वह केवल एक पक्ष की आवाज सुनता हो ? नारी सशक्तिकरण का मूल उद्देश्य महिलाओं को समान अधिकार और अवसर प्रदान करना है। आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी क्षमता का प्रदर्शन कर रही हैं। यह परिवर्तन समाज के संतुलित विकास के लिए आवश्यक है। महिला और पुरुष, दोनों मिलकर समाज की आधारशिला हैं, लेकिन समानता का वास्तविक अर्थ केवल एक वर्ग को आगे बढ़ाना नहीं, बल्कि दोनों वर्गों के बीच संतुलन स्थापित करना है।

आज भी समाज में पुरुषों के लिए एक तय छवि बनाई गई है उन्हें मजबूत रहना है, जिम्मेदार बनना है और अपनी भावनाओं को दबाकर रखना है। बचपन से ही उन्हें सिखाया जाता है, ‘मर्द बनो, रोते नहीं’। यही वाक्य उनके पूरे जीवन की दिशा तय कर देता है। वे अपने दर्द को छुपाना सीख जाते हैं, अपनी कमजोरी को स्वीकार करने से डरते हैं और धीरे-धीरे एक ऐसी खामोशी में जीने लगते हैं, जो बाहर से मजबूती दिखती है, लेकिन अंदर से उन्हें तोड़ती रहती है।

एक उदाहरण के रूप में देखें, एक व्यक्ति का वैवाहिक विवाद तलाक तक पहुंच गया। कानूनी प्रक्रिया के बाद उसे हर महीने आर्थिक सहायता देनी पड़ी और बच्चों से मिलने का समय भी सीमित हो गया। बाहर से वह सामान्य जीवन जीता हुआ दिखाई देता था, लेकिन अंदर से वह अकेलेपन और मानसिक तनाव से जूझ रहा था। उसने अपनी भावनाएं किसी से साझा नहीं कीं, क्योंकि उसे डर था कि समाज उसे कमजोर समझेगा। यह स्थिति केवल एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि हजारों ऐसे पुरुषों की है जो रिशतों की टूटन के बाद खामोशी में जी रहे हैं। (यह लेखिका के निजी विचार हैं।)



नजरिया एक छोटी सी चीज है, जो बड़ा फर्क पैदा करती है।

–विस्टन चर्चिल, इंग्लैंड के पूर्व प्रधानमंत्री

नदियां: आर्थिक लाभ बनाम पर्यावरणीय हानि



प्रो. नीलिमा गुप्ता

पूर्व कुलपति

भारत की नदियां देश की जीवनरेखा मानी जाती हैं। भारत में गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र, नर्मदा, गोदावरी, कृष्णा और कावेरी जैसी प्रमुख नदियां न केवल जल का स्रोत हैं, बल्कि हमारी संस्कृति, आस्था और अर्थव्यवस्था का आधार भी हैं। इन नदियों के किनारे सभ्यताओं का विकास हुआ और आज भी करोड़ों लोगों की आजीविका इन पर निर्भर है, किन्तु वर्तमान समय में बढ़ते हुई शहरीकरण के कारण नदियों का प्रदूषण एक गंभीर समस्या बन चुका है। औद्योगिकीकरण, शहरीकरण और बढ़ती जनसंख्या के कारण नदियों में अपशिष्ट पदार्थों का अत्यधिक प्रवाह हो रहा है।

कारखानों से निकलने वाले रासायनिक कचरे, सीवेज का बिना शोधन के सीधे नदियों में प्रवाह, कृषि में उपयोग होने वाले रसायनों का बहाव तथा धार्मिक गतिविधियों में प्लास्टिक और अन्य अपशिष्टों का विसर्जन, ये सभी कारक नदियों के जल को दूषित कर रहे हैं। इससे न केवल जल की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है, बल्कि जलीय जीव-जंतुओं का जीवन भी संकट में पड़ गया है और मानव स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

भारत की नदियां देश की अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कृषि क्षेत्र में सिंचाई का प्रमुख स्रोत नदियां ही हैं, जिससे खाद्यान्न उत्पादन बढ़ता है और देश की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित होती है। आर्थिक दृष्टि से देखें तो भारत के कृषि क्षेत्र का सकल उत्पादन (Gross Value Added – GVA) लगभग 20–25 लाख करोड़ रुपये (हाल के वर्षों के अनुमान अनुसार) है, जिसमें सिंचाई की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। अनुमानतः इस कृषि उत्पादन का 55–60% हिस्सा सीधे या परोक्ष रूप से नदी-आधारित सिंचाई से जुड़ा हुआ है। इसका अर्थ है कि नदियों के माध्यम से होने वाली सिंचाई से ही लगभग 12–15 लाख करोड़ रुपये के कृषि उत्पादन की समर्थन मिलता है।

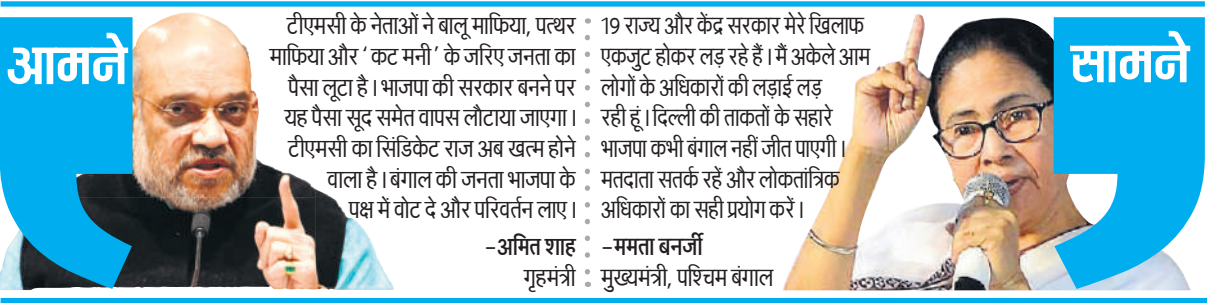
इसके अतिरिक्त, जलविद्युत उत्पादन में भी नदियों का विशेष योगदान है, जो

स्वच्छ ऊर्जा का एक प्रमुख स्रोत है।

भारत में स्थापित कुल जलविद्युत क्षमता लगभग 45–50 गीगावाट (GW) के आसपास है। नेशनल हाइड्रोलिक पॉवर कॉर्पोरेशन (NHPC) तथा विभिन्न राज्य विद्युत बोर्डों द्वारा संचालित परियोजनाएं नदियों पर आधारित हैं, जैसे कि टेहरी डैम, भाखड़ा नांगल डैम और सरदार सरोवर डैम। आर्थिक दृष्टि से देखें तो भारत में जलविद्युत उत्पादन से प्रतिवर्ष लगभग 1.5 से दो लाख करोड़ यूनिट (kWh) बिजली उत्पन्न होती है। यदि प्रति यूनिट औसत दर 4–5 मानी जाए, तो जलविद्युत से होने वाला वार्षिक राजस्व लगभग 60,000 करोड़ से 1,00,000 करोड़ के बीच आंका जा सकता है। यह राजस्व केंद्र और राज्य सरकारों, बिजली वितरण कंपनियों तथा निजी क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण आय का स्रोत है।

कई उद्योग नदियों के जल पर निर्भर करते हैं, जैसे वस्त्र, कागज, चीनी और रासायनिक उद्योग। नदियां अंतर्देशीय जल परिवहन का भी माध्यम हैं, जिससे माल ढुलाई सस्ती और सुगम होती है। नदियों से संबंधित उद्योग भारत की अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण आधार हैं और इनके माध्यम से बड़े पैमाने पर राजस्व अर्जित होता है। गंगा, यमुना और कृष्णा जैसी नदियों के किनारे अनेक उद्योग विकसित हुए हैं, जो जल पर प्रत्यक्ष रूप से निर्भर हैं।

भारत में वस्त्र (टेक्सटाइल), कागज (पेपर), चीनी (शुगर), रासायनिक (केमिकल), खाद्य प्रसंस्करण (फूड प्रोसेसिंग) और चमड़ा (टेनरी) उद्योग मुख्यतः नदी जल का उपयोग करते हैं। अनुमानतः देश के लगभग 30–40% मध्यम और बड़े उद्योग किसी न किसी रूप में नदी जल पर निर्भर हैं। केवल वस्त्र उद्योग ही भारत में लगभग 10–12 लाख करोड़ के वार्षिक कारोबार का प्रतिनिधित्व करता है, जिसमें एक बड़ा हिस्सा नदी तटीय क्षेत्रों में स्थित इकाइयों से आता है। यदि समग्र रूप से देखा जाए, तो नदी-आधारित औद्योगिक गतिविधियों से भारत



–अमित शाह
गृहमंत्री

–ममता बनर्जी
मुख्यमंत्री, पश्चिम बंगाल

वैश्विक स्तर पर रणनीतिक धातु बनती चांदी



ऋषभ मिश्रा

असिस्टेंट प्रोफेसर

कानपुर आईआईटी

चांदी ने सिर्फ पिछले 12 महीनों में करीब 180 फीसदी की जबरदस्त छलांग लगाकर उद्योग निवेशकों और नीति निर्माताओं तीनों का ध्यान खींचा है।

बीते एक साल में अगर किसी धातु ने सबसे ज्यादा चौकाया है, तो वह चांदी है। कभी गरीब का ‘सोना’ कही जाने वाली चांदी ने सिर्फ पिछले 12 महीनों में करीब 180 फीसदी की जबरदस्त छलांग लगाकर उद्योग निवेशकों और नीति निर्माताओं तीनों का ध्यान अपनी तरफ खींचा है। हरित ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहनों और सोलर पैनलों में बढ़ते उपयोग ने चांदी को भविष्य की रणनीतिक धातु के रूप में स्थापित कर दिया है। इसकी तेजी में मांग एवं आपूर्ति (डिमांड-सप्लाई) का अंतर (गैप) प्रमुख वजह है ही साथ ही जियो-पॉलिटिक्स भी बड़ी भूमिका निभा रहा है। वहीं दूसरी तरफ, दुनिया में चांदी के दूसरे सबसे बड़े उत्पादक देश चीन द्वारा इस साल इसके निर्यात पर लगे अनेक प्रतिबंधों के चलते माना जा रहा है कि आने वाले महीनों में भी चांदी की दमक बरकरार रहेगी। वैसे चांदी में यह बढ़त केवल हालिया नहीं है, बीते 45 सालों में इसके दामों में करीब 88 गुना तक की बढ़ोतरी हो चुकी है।

वस्तुतः पहले चांदी का ज्यादातर इस्तेमाल केवल आभूषणों व बर्तनों इत्यादि तक ही सीमित था, लेकिन अब जैसे-जैसे ग्रीन एवं क्लीन एनर्जी की तरफ देश आगे बढ़ रहा है, इससे संबंधित उद्योगों जैसे इलेक्ट्रिक कारों की बैटरियों और सोलर पॉवर के पैनल्स में चांदी की खपत तेजी से बढ़ रही है। यह चांदी की मांग और इसके फलस्वरूप कीमतों की वृद्धि में सबसे मजबूत कारक (फैक्टर) बन गया है। एक अध्ययन के अनुसार ग्रीन एवं क्लीन एनर्जी तथा इसके अन्य उपकरणों में 59 फीसदी तक चांदी का उपयोग होने लगा है।

चांदी के खनन में बीते दस सालों में गिरावट देखी गई है। ‘वर्ल्ड सिल्वर सर्वे’

की ताजा रिपोर्ट के अनुसार 2015 में चांदी का वैश्विक उत्पादन 89 करोड़ आउंस था, जो कि 2024 में गिरकर 82 करोड़ आउंस रह गया। यानी कि इसके उत्पादन में 8.6 फीसदी की गिरावट आई है, जबकि इसी अवधि में मांग में 17 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। मांग एवं आपूर्ति में यह अंतर (गैप) भी कीमतों को बढ़ा रहा है। लगभग 6300 टन उत्पादन के साथ मेक्सिको चांदी का सबसे बड़ा उत्पादक देश है।

बाजार के विशेषज्ञों व निवेशकों ने भी समझ लिया है कि चांदी की पर्याप्त आपूर्ति नहीं है, इसलिए निवेशकों ने भी इसमें निवेश करना शुरू कर दिया है। इसके अतिरिक्त सेंट्रल बैंकों की नजर भी अब चांदी पर टिक गई है और उन्हें यह प्रतीत होता दिखाई दे रहा है कि वे अपने रिजर्व में चांदी भी रख सकते हैं। इससे बाजार में चांदी की और भी अतिरिक्त मांग बढ़ने की उम्मीद है। एक रिपोर्ट के अनुसार साल 2025 में चांदी पर किए गए निवेश में 150 से 180 फीसदी तक का रिटर्न मिला है।

चांदी के दाम बढ़ने के पीछे भू-राजनीतिक वजहें भी हैं। ट्रंप कैंप का मानना है कि भविष्य की जंग तेल नहीं बल्कि टेक्नोलॉजी और मेटल्स पर लड़ी जाएगी। इसी के चलते अमेरिका ने हाल ही में चांदी और तांबे को ‘रेयर मेटल’ (दुर्लभ धातुओं) की श्रेणी में डाल दिया है। इसके मद्देनजर चीन ने भी चांदी के निर्यात पर सख्ती करनी शुरू कर दी है। इससे भी चांदी की कीमतों पर असर पड़ा है। एक रिपोर्ट के अनुसार चीन की निर्यात संबंधी सख्ती की वजह से वैश्विक स्तर पर चांदी की आपूर्ति 60 फीसदी तक घट सकती है। वस्तुतः चांदी की मांग को पूरा करने में दो बड़ी तकनीकी समस्याएं हैं। पहला चांदी

को प्रतिवर्ष लगभग 15–20 लाख करोड़ तक का आर्थिक योगदान (टर्नओवर स्तर पर) प्राप्त होता है। इसमें प्रत्यक्ष उत्पादन, निर्यात और सहायक सेवाएं शामिल हैं। उदाहरण के लिए, कागज उद्योग का आकार लगभग 80,000 करोड़ से अधिक है, जबकि चीनी उद्योग भी एक लाख करोड़ से अधिक के स्तर पर योगदान देता है और ये दोनों ही उद्योग जल पर अत्यधिक निर्भर हैं।

मत्स्य पालन (फिशरीज) के माध्यम से भी लाखों लोगों को रोजगार मिलता है। भारत विश्व के अग्रणी मत्स्य उत्पादक देशों में से एक है। कुल मत्स्य उत्पादन (समुद्री+आंतरिक) हाल के वर्षों में लगभग 160–180 लाख टन प्रतिवर्ष तक पहुंच चुका है। इसमें से लगभग 70–75% हिस्सा आंतरिक जल स्रोतों, जैसे- नदियों, झीलों, तालाबों और नहरों से आता है। इसका अर्थ है कि केवल नदी एवं संबंधित जल स्रोतों से ही लगभग 110–130 लाख टन मत्स्य उत्पादन होता है।

नदियों के प्रदूषण को रोकने के लिए कई प्रभावी उपाय किए जा सकते हैं। सबसे पहले, औद्योगिक अपशिष्टों के निस्तारण के लिए कड़े नियमों का पालन सुनिश्चित करना आवश्यक है। प्रत्येक उद्योग को अपने अपशिष्ट जल का शोधन करना अनिवार्य होना चाहिए। इसके साथ ही, नगरों में आधुनिक सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (STP) स्थापित किए जाने चाहिए, ताकि गंदा पानी साफ करके ही नदियों में छोड़ा जाए।

दूसरा महत्वपूर्ण उपाय है जनजागरूकता। जब तक आम जनता को नदियों के महत्व और उनके संरक्षण के प्रति जागरूक नहीं किया जाएगा, तब तक कोई भी प्रयास पूर्ण रूप से सफल नहीं हो सकता। लोगों को यह समझाना आवश्यक है कि वे प्लास्टिक, कचरा और अन्य हानिकारक पदार्थ नदियों में न डालें। धार्मिक आयोजनों में भी पर्यावरण के अनुकूल सामग्री का उपयोग किया जाना चाहिए। (यह लेखक के निजी विचार हैं।)

का लगभग 70-80 फीसदी उत्पादन अन्य धातुओं जैसे लेड, जिंक कॉपर या सोने की खदानों से ‘बाय-प्रोडक्ट’ के रूप में होता है। जब कोई धातु बाय-प्रोडक्ट होती है, तो उसका उत्पादन केवल उसकी अपनी मांग के हिसाब से नहीं बढ़ाया जा सकता है। दुनिया में बहुत कम खदानें ऐसी हैं जो केवल चांदी निकालती हैं।

दूसरा, चांदी का बड़ा हिस्सा सोलर पैनल, सेमीकंडक्टर और मेडिकल उपकरणों अथवा डिवाइसेस में इस्तेमाल किया जाता है। सोने के उलट इसका अधिकांश हिस्सा इन उत्पादों में स्थाई रूप से खप जाता है। साथ ही इसकी ‘रिसाइक्लिंग’ करना आर्थिक रूप से महंगा होता है। इसी वजह से यह एक तरह से बाजार से स्थाई रूप से बाहर निकल जाती है। यानी कि हर बार प्रोडक्ट में इस्तेमाल के लिए नई चांदी की जरूरत पड़ती है। फोटोवोल्टिक सोलर पैनलों पर भी सिल्वर पेस्ट का उपयोग किया जाता है। गौरतलब है कि चांदी में सूर्य की रोशनी से उत्पन्न इलेक्ट्रॉनों को बेहद कम हानि के साथ प्रवाहित करने की क्षमता होती है। एक सोलर पैनल में 15 से 20 ग्राम चांदी लगती है। वहीं विशेषज्ञों के अनुसार दुनिया भर में 2030 तक सोलर क्षमता के 170 फीसदी तक बढ़ने का अनुमान है।

एक इंचों में औसतन 25 ग्राम तक चांदी लगती है। यह चांदी बटरियों, वायरिंग पावर, इलेक्ट्रॉनिक्स कंट्रोल यूनिट्स और चार्जिंग स्टेशनों में इस्तेमाल होती है। ईवी के चलन के साथ ही चांदी की भी मांग बढ़ती जा रही है। अमेरिका में ही 2030 तक 2.8 करोड़ ईवी चार्जिंग पोर्ट्स लगाने की योजना है, जिनमें चांदी की बड़ी खपत होगी। (यह लेखक के निजी विचार हैं।)

वैचारिकी | 10

सोशल फोरम

फारसी के लफ्ज

ईरानी सिनेमा देखते समय बार-बार ये भी एहसास होता है कि फ़ारसी ज़बान के कितने लफ़्ज़ आज हमारी भाषा में चले आए हैं और यूं रूच-बस गए हैं कि ख़याल भी नहीं आता ये पराये हैं। इधर मैंने यही प्रयोग किया कि ईरान की एक शॉर्ट फिल्म लगा ली और गिनने लगा कि इसमें ऐसे कितने लफ़्ज़ आते हैं, जिन्हें हम पहचानते हैं। एक दर्जन के बाद मैंने गिनना छोड़ दिया।



सुशोभित

लेखक

हिंदी खुद एक फ़ारसी लफ़्ज़ है। हिंदू और हिंदुस्तान भी। ऋग्वेद में जो सप्त-सिंधु है, वही अवेस्ता ग्रंथों में हप्त-हिंदू करके आया है। हिंदू लफ़्ज़ की एंटमोलॉजी अगर आप खोजते-खोजते अतीत में चलते चले जाएं, तो फ़ारस की सरज़मीं पर खुद को पाएंगे। इस शब्द का अरबी ज़बान से भी रिश्ता है। हिंदा-अरबी औरतों का एक प्रचलित नाम रहा है। इस्लामिक इतिहास की क़द्दावर शख्सियत अबू-सूफ़यान की बीवी का नाम हिंदा ही था। बेशक, ईरानी फिल्मों में इन लफ़्ज़ों का उच्चारण थोड़ा फ़र्क़ होता है। जैसे युद्ध के लिए जंग शब्द हम अकसर इस्तेमाल करते हैं, उसको वो लोग ‘जैज’ की तरह बोलते हैं। ईसानियत हमारा एक जाना-पहचाना शब्द है, इसे हम ‘सा’ पर हल्का-सा बलाघात देकर मोनोसिलेबिक अंदाज़ में बोल देते हैं, ईरानी लोग इसे थोड़ा खींचकर बोलेंगे- ‘ईसासnissysst’, लेकिन शब्द वही है। इसे बोलने का संगीत और मिठास फ़ारसी में थोड़ा चूयादा है। दारिउश मेहरजुई की फिल्म है- ‘गाव’। यह वास्तव में ‘गाय’ शब्द है, जो गाय और काऊ के बीच एक सेतु बनाता है। इसी तरह माजिद माजिदी की फिल्म है- ‘पेदार’। यह ‘पिता’ शब्द है- पितृ और फ़ादर के बीच सेतु बनाने वाला। इस तर्ज़ में सोचें तो आप इंडो-यूरोपियन ज़बानों के बीच एक लंबा तारतम्य पा सकते हैं। बीसियों ऐसे शब्द खोज सकते हैं।

आज बोलचाल की हिंदी में ऐसे कितने शब्द हैं, जो फ़ारसी ज़बान से आए हैं ? कोई गिनती ही नहीं। सैकड़ों लफ़्ज़ हैं। कुछ तो ऐसे, जिनके बारे में हमें कभी ख़याल भी नहीं आता कि ये हमारे नहीं हैं। जैसे कि- कि, अगर, शहर, शुक़्रिया, अंदर, दरवाज़ा, कुर्सी, दीवार, बाज़ार, सरकार, सच्ची, दुनिया, ख़ुशी, हमेशा। हम इन शब्दों को रोज़ बोलते चले जाते हैं। वक़्त, ख़बर, अख़बार, माफ़ी, परेशानी, इम्तिहान, तक़दीर, ख़याल, अदालत, ज़िला, मेहरबानी- ये तमाम फ़ारसी के लफ़्ज़ हैं। भाषाएं जड़ नहीं होतीं। वो आपस में लड़ती नहीं। लगातार बहती और एक-दूसरे में घुलती-मिलती जाती हैं- पानी की तरह। –**फैसबुक वॉल से**



सामयिकी

वर्क कल्चर: समर्पण या छिपा हुआ प्रेशर

हाल ही में सोशल मीडिया पर शादी के दिन दूल्हा और दुल्हन के काम करने वाले ऐसे कई मामले वायरल हो रहे हैं, जिन्होंने वर्क लाइफ बैलेंस पर नई बहस छेड़ दी है। एक कंपनी के सीईओ ने गर्व के साथ बताया कि उनकी टीम का एक कर्मचारी अपनी शादी के दिन भी ऑनलाइन आकर काम के मैसेज का जवाब दे रहा था। सीईओ ने इसे समर्पण बताया, लेकिन इंटरनेट यूजर इस बात से सहमत नहीं दिखाई दे रहे हैं। लोगों ने सवाल उठाया कि अगर छुट्टी थी, तो काम के लिए मैसेज क्यों किया गया ? क्या ये सच में समर्पण है या छिपा हुआ प्रेशर ? कई यूजर्स ने कहा कि शादी जैसा खास दिन जिंदगी में बार-बार नहीं आता। ऐसे समय पर काम करना नहीं, बल्कि काम करवाना समस्या है। कुछ ने इसे टॉक्सिक वर्क कल्चर का उदाहरण भी बताया।

इसके बाद इस मुद्दे पर सीधी बहस छिड़ गई है। सवाल यह उठ रहा है कि काम जरूरी है, लेकिन क्या हर कीमत पर ? असल में यह मामला सीधा-सादा नहीं है। सच कहा जाए, तो समर्पण बनाम दबाव की बहस में दोनों पक्षों में कुछ सच्चाई है, हालांकि पूरी तस्वीर समझने के लिए हमें इरादा, माहौल और सिस्टम तीनों को देखना पड़ेगा। कुछ लोग अपने काम को लेकर इतने समर्पित होते हैं कि वे खुद ही जुड़ाव बनाए रखते हैं। उन्हें लगता है कि जवाब दे देना कोई बड़ी बात नहीं है। वे अपनी टीम और प्रोजेक्ट को लेकर जवाबदेह महसूस करते हैं। अगर यह पूरी तरह स्वेच्छा है, तो इसे समर्पण कहा जा सकता है। सोशल मीडिया की प्रतिक्रिया इसलिए नकारात्मक थी, क्योंकि ऐसे मामलों में अक्सर बाँस या कंपनी की चाहत रहती है कि हर समय उपलब्ध रहो। न कहने पर कंरियर पर प्रभाव पड़ने का डर रहता है।

कुछ लोगों का कहना है कि छुट्टी टेक्निकली होती है, पर व्यावहारिक नहीं। ऐसे में कर्मचारी खुद जवाब देना दिखता है, लेकिन निर्णय पूरी तरह उसका नहीं होता। सवाल यह उठता है कि शादी जैसा दिन क्यों मायने रखता है ? असल में शादी कोई सामान्य दिन नहीं है। यह जिंदगी का दिन है, जो केवल एक बार आता है। ऐसे दिन काम करना इच्छा कम और कल्चर का प्रभाव ज्यादा लगता है, इसलिए लोगों ने इसे समर्पण नहीं, बल्कि बाउंड्री फेल्थीयर माना है। इन सब बातों के बीच असली मुद्दा वर्क कल्चर है। यह घटनाएं एक बड़े सवाल की तरफ इशारा करती हैं।

क्या कंपनी सच में कर्मचारियों को डिस्कनेक्ट करने की आजादी देती है या हमेशा उपलब्ध रहना ही सफलता का रास्ता बना दिया गया है ? असल में हैल्दी वर्क कल्चर में छुट्टी का विकल्प होता है। जरूरी काम के लिए बैकअप सिस्टम होता है। कर्मचारी की व्यक्तिगत जिंदगी का सम्मान किया जाता है। कंपनी में काम करते समय कर्मचारी को छुट्टी मिलना एक जिम्मेदारी होती है।

सोशल मीडिया पर बहस इस बात पर भी छिड़ गई है कि काम जरूरी है, लेकिन हर कीमत पर नहीं। अगर छुट्टी वाले दिन भी कर्मचारी खुद खुशी से जुड़ा है, तो यह ठीक है। पर अगर सिस्टम ऐसा है कि उसे जुड़ना पड़ता है, तो यह समस्या मानी जानी चाहिए। असल में यह घटना किसी एक कर्मचारी की नहीं, बल्कि पूरे वर्क ईको सिस्टम की कहानी है। समर्पण तब तक अच्छा है, जब तक वह स्वतंत्रता से आता है, न कि किसी डर या दबाव की वजह से। वर्क कल्चर कोई सजावटी शब्द नहीं है। यह तय करता है कि नौकरी सिर्फ काम है या जिंदगी का हिस्सा। अच्छा वर्क कल्चर वह है, जहां काम प्रमुख है, लेकिन इंसान उससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण है। (यह लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, प्लॉट नं.-42, निकट बट्टी नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-यू, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित।
संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह * 0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amrutvichar.com, आर.एन.आई नं०-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एकट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा।)

अमृत विचार रंगोली



भारतेंदु नाट्य अकादमी के स्वर्ण जयंती समारोह में एक शाम मालिनी अवस्थी के नाम से भी सजी। खचाखच भरे राज बिसारिया प्रेक्षागृह में प्रख्यात लोक गायिका पद्मश्री मालिनी अवस्थी ने अभिनय, नृत्य और गायिकी में गुंथी जिंदगी के सफर की स्क्रिप्ट को इस अंदाज में पेश किया कि देखने वाले ठगे से रह गए। मालिनी अवस्थी ने अपने इस दो घंटे के शो में यह साबित किया कि जिंदगी में कोई बड़ा मुकाम हासिल करने के पीछे न जाने कितने बरसों की जद्दोजहद होती है। एक बड़े परिवार में जन्म लेने या बड़े परिवार में शादी हो जाने से मंच तो हासिल हो सकते हैं, लेकिन उन मंचों पर टिके रहने के लिए लगातार कई बरस तक किए गए संघर्ष और अच्छे उस्तादों से हासिल की गई शिक्षा ही काम आती है।

—शबाहत हुसैन विजेता लखनऊ

शालू के मालिनी अवस्थी में बदलने का सफर



सुपरहिट शो और पद्मश्री सम्मान

रेलिया बैरिन पिया को लिए जाए रे जैसे गीतों के जरिए मालिनी ने तमाम सुपरहिट शो दिए। उनकी कला साधना ने उन्हें पद्मश्री से पहले यशभारती सम्मान, कालिदास सम्मान और अवध सम्मान दिलाए। उनकी साधना ने उन्हें ऐसी पहचान दी कि पति अपर मुख्य सचिव रहे हों या मौजूदा समय में मुख्यमंत्री के सलाहकार हैं, लेकिन यह आरोप नहीं लगता कि बड़े अफसर की बीवी हैं, इसलिए सफल हैं, जिसने उनके सुपरहिट शो देखे हैं, वो जानता है कि यह सफलता सिफारिश वाली नहीं जबरदस्त रियाज वाली है।

लंदन में अंत्याक्षरी के शो ने बदल दिए दिन

टेलीविजन पर गजेन्द्र सिंह अंत्याक्षरी का संचालन कर रहे थे, उन्होंने बुलाया। लंदन में शो हुआ, तो मालिनी अवस्थी और भोजपुरी गायक बालेश्वर ने समां बांध दिया। इसके बाद पीछे मुड़कर देखने का मौका नहीं मिला।

संगीत की दुनिया में शुरु की दूसरी पारी

जो स्लेट कोरी हो गई थी, उसे फिर से लिखने के लिए संवारा, संगीत की दुनिया में फिर से घुटनियों चलना शुरू किया। फिर से आकाशवाणी में काम मिलने लगा। संस्कृति विभाग कार्यक्रम देने लगा। अदनीश जब ललितपुर में डीएम थे, तो अस्मारी बाई से मिलने कालपी गई थीं। अस्मारी बाई ने समझाया था कि गाती थीं, तो गाती रहो।

कला साधना के दौरान उस्ताद राहत अली खान न मिले होते, उस्ताद नगीना साहब का आशीर्वाद न मिला होता, गिरिजा देवी जैसी गुरु न मिली होतीं, तो कन्नौज के एक डॉक्टर के घर जन्मी शालू आईएएस अफसर अदनीश अवस्थी से शादी होकर भी शालू ही रह जातीं, मालिनी अवस्थी न बन पातीं। उन्हें ऐसे उस्ताद मिले, जिन्होंने कहा कि गजल सीखनी है, तो शीन काफ दुरुस्त होना चाहिए। वो सवाल उठाती हैं कि कहां हैं ऐसे उस्ताद जो शागिर्द की डायरी पर गजल लिखकर दें। वो बताती हैं कि ईसाई स्कूल में पढ़ीं, घर में उस्ताद आते थे मुसलमान। गोरखपुर में रहकर संस्कृत सीखी। संस्कृत बीए तक साथ रही। उन्होंने माना कि अनुभव, जज्बात और किस्से कहानियों में भी शिक्षा होती है।

पिता मुख्य चिकित्सा अधीक्षक थे, उस्ताद राहत अली खां से उनके दोस्ताना रिश्ते थे, उन्होंने कहा कि मेरी बेटी को भी सिखा दें, एक दिन वो घर आए भी सिखाने, सबक भी दे गए, लेकिन तीन महीने तक वो लौटे नहीं और शालू वही सबक तीन महीने तक दोहराती रही। उनकी मां ने समझाया कि प्यासे के



पास कुआं नहीं आता, प्यासे को जाना पड़ता है कुएं के पास। मां गाड़ी चलाकर रोज बेटी को ले जातीं राहत अली खां के घर। वो भजन गाते तो लगता मंदिर में बैठे हैं। राम के भजन ऐसे सुनाते वैसे क्या कोई राम भक्त सुनाएगा।

एक तरफ संगीत की शिक्षा चल रही थी, तो दूसरी तरफ मां-बाप को कभी कहना नहीं पड़ा कि पढ़ लो। पढ़ाई ऐसी कि पूरी क्लास में अव्वल आती थीं। लाइट अक्सर गायब हो जाती थी, तो कुप्पी में बैटकर पढ़ाई करती थीं। स्कूली शिक्षा और संगीत देने के ट्रैक की तरह साथ-साथ चले एक जैसी रफ्तार में। पिता का

लखनऊ ट्रांसफर हो गया, तो भातखंडे में तालीम ली, रवींद्रालय में पहली बार गाया, तब धर्मनाथ मिश्र ने हारमोनियम पर संगत की, आज भी वही करते हैं। लखनऊ से हर शनिवार-रविवार गोरखपुर जाकर राहत अली खां से सीखने का क्रम चलता रहा। उस्ताद राहत अली लखनऊ में कार्यक्रम में आए तो उन्होंने अपने कार्यक्रम में शिष्या मालिनी से गवाया। वो उन्हें उस्ताद नगीना साहब का आशीर्वाद दिलाने ले गए। बड़ी हुई तो घर वालों को चिंता हुई कि गाती हैं, देशभर में कार्यक्रम करने जाती हैं, शादी कैसे होगी? हालांकि मां हर जगह साथ में जाती थीं, लेकिन उन्हें कैसर हो गया था। किसी ने कहा कि पड़ोस वाले अवस्थी जी का लड़का आईआईटी में पढ़ रहा है। उनसे बात चलाओ। बात हुई और मारुती वैन में सवार होकर अवस्थी परिवार मालिनी के घर पहुंच गया। उन्हें भातखंडे में क्लास से बुलाकर घर भेजा गया।



अदनीश अवस्थी से हुई शादी

मुलाकात के बाद अदनीश अवस्थी अपने ममेरे भाई के साथ मालिनी से मुलाकात करने आए। रिश्ता पक्का हो गया। उन्होंने कहा कि मेरी और मालिनी की पढ़ाई पूरी हो जाए, तब शादी होगी। इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी हुई, तो अदनीश सिविल सर्विस की तैयारी करने लगे। वो आईएएस में सिलेक्ट हुए, सेलेक्शन के बाद अदनीश ने कहा—“सेवा के भाव से आईएएस में जा रहा हूँ। हो सकता है, तुम्हें वो सुख न दे पाऊं, जो आईएएस की पलियों को मिलता है।” मालिनी ने कहा—“तुम सबसे सम्मान से मिलना, फिर इसके बाद शादी हो गई।” शादी से पहले के दो साल दोनों ने एक दूसरे को खूब चिढ़िया लिखी। चिढ़ियां इसलिए लिखीं, क्योंकि पहले महीने इतनी बात की कि 42 हजार रुपये का बिल आ गया। दूसरे महीने भी ऐसा ही

होता, तो परिवार जान जाता कि दोनों हरदम बतियाते हैं। शादी के बाद लोगों को लगता था कि आईएएस की पत्नी है, इसलिए कार्यक्रम मिलते हैं। लोगों की यह सोच ऐसी बुझी कि घर में ही घुसी रह गई। अपने दोनो बच्चों के पालन-पोषण में लग गई। वो कहती हैं कि जीवन आनंद से भरा था, लेकिन अदनीश के पास समय नहीं था, मेरी स्थिति चांद तन्हा है आसमां तन्हा... और शाम वादा था ढल गया सारा... जैसी स्थिति हो गई। प्यार करने वाला पति, दो-दो बच्चों से भरी गोद, फिर भी बहुत कुछ खो गया था। गाना छूट गया था। पिताजी ने आकाशवाणी से बात की फिर से गाने की शुरुआत हुई।

अनौखी परंपरा



हैदराबाद की शाम: रूहानियत खुशबू और सुकून का संगम

आधुनिकता की चमक-दमक और ऊंची-ऊंची इमारतों के बीच भी हैदराबाद का पुराना शहर अपनी परंपराओं को संजोए हुए है। यहां की तंग गलियां और ऐतिहासिक हवेलियों में आज भी एक पुरानी रस्म जीवित है, जो हर शाम मगरिब की अजान के साथ निभाई जाती है। यह परंपरा है घर के दरवाजे खोलना और लोबान या अगरबत्ती की खुशबू से पूरे वातावरण को महकाना। जैसे ही मगरिब की अजान की आवाज गुंजाती है, पुराने शहर में एक खास तरह की शांति छा जाती है। दिनभर की हलचल मानो थम जाती है और घरों में एक अलग ही माहौल बन जाता है। इस समय घर की महिलाएं या बुजुर्ग खिड़कियां और मुख्य द्वार खोल देते हैं। साथ ही, मिट्टी के धुएंदान में सुलगते कोयलों पर लोबान डाला जाता है या अगरबत्ती जलाई जाती है, जिससे उठने वाला सुगंधित धुआं पूरे घर को एक रूहानी एहसास से भर देता है।

स्थानीय लोगों के लिए यह केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि घर में सकारात्मक ऊर्जा और सुकून लाने का माध्यम है। कुछ लोगों का मानना है कि दिन और रात के संधिकाल में वातावरण में एक विशेष परिवर्तन होता है, जिसे शुभ माना जाता है। इसी कारण खुले दरवाजे उस सकारात्मकता के स्वागत का प्रतीक माने जाते हैं। हालांकि इसका कोई ठोस धार्मिक आधार नहीं है, बल्कि यह सांस्कृतिक विश्वास और जीवनशैली का हिस्सा है। यह प्रथा केवल हैदराबाद तक सीमित नहीं है। भारत के कई हिस्सों में शाम के समय अगरबत्ती जलाना या दीपक जलाने की परंपरा है, जिसे शांति और सकारात्मकता से जोड़ा जाता है। दिलचस्प बात यह है कि यह रिवायत गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल भी पेश करती है। जिस समय मुस्लिम परिवारों में लोबान जलाया जाता है, उसी समय हिंदू परिवारों में संध्या के दौरान दीप जलाकर पूजा की जाती है। दोनों ही परंपराओं में शाम का समय पवित्र और शुभ माना गया है।

हालांकि इस्लामी मान्यताओं के अनुसार मगरिब के समय दरवाजे बंद रखने की सलाह दी जाती है, क्योंकि इसे संवेदनशील समय माना गया है। ऐसे में दरवाजे खोलने की यह परंपरा अधिकतर सांस्कृतिक रूप में प्रचलित है। इस रस्म के पीछे कुछ व्यावहारिक कारण भी हैं। लोबान का धुआं वातावरण को शुद्ध करने और कीटाणुओं व मच्छरों को दूर रखने में सहायक माना जाता है। वहीं, दरवाजे और खिड़कियां खोलने से घर में ताजी हवा का प्रवाह होता है, जिससे दिनभर की घुटन कम हो जाती है। हैदराबाद की यह परंपरा न केवल सांस्कृतिक विरासत को जीवित रखे हुए है, बल्कि जीवन में सुकून और संतुलन का संदेश भी देती है।

लोकायन रूप बदलने वाले बहुरूपि

एक बार बादशाह अकबर के दरबार में एक बहुरूपिया आया। उसने दरबार में चुनौती दी कि वह ऐसा भेष बदल सकता है कि उसे कोई पहचान नहीं सकता। अगर कोई उसके भेष में कमी निकाल दे, तो वह उसे अपना गुरु बना लेगा। शर्त मान ली गई। एक दिन बादशाह के दरबार में एक बेल घुस आया। सभी दरबारी इधर-उधर भागने लगे। बेल, बादशाह के सिंहासन के पास आकर पंगुराने लगा। तभी बीरबल ने एक कंकड़ बेल की पीठ पर मारा। बेल ने पीठ हिलाई। बस बीरबल बोल पड़ा—“शहंशाह, यह बेल नहीं बहुरूपिया है।” बेल



शिवचरण चौहान लेखक

चोट लगने से उधर की खाल हिलता है, जिधर उसे चोट लगती है, किंतु बहुरूपि ने धोखे से दूसरी तरफ की खाल हिला दी। एक छोटी-सी गलती से वह पकड़ा गया। एक समय था जब रूप बदलना एक महत्वपूर्ण कला थी। बहुरूपियों का समाज में सम्मान था। वे राजदरबारों में आदर पाते, इनाम-इकराम हासिल करते थे। जयपुर, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, मध्य प्रदेश के बहुरूपि विख्यात थे। आज बहुरूपियों के परिवार संकट में हैं। बहुरूपियों की कला को सम्मान देने वाला कोई नहीं बचा। बहुरूपियों का इतिहास बहुत प्राचीन है। बहुरूपि राजा, फकीर, साधु, देवी-देवता, डाकू, पागल, विद्वान, राजसैनिक, सिपाही, हरकारा, वैद्य, हकीम, गुजरी, महिला, बेल, बंदर आदि का रूप धारण कर लोगों का मनोरंजन करते थे। आज भी कुछ शहरों में बहुरूपियों को कभी-कभार हाट-बाजारों में घूमते देखा जा सकता है। रूप बदलने के लिए बहुरूपिया मिट्टी, सिंदूर, बाल आदि से लेकर आधुनिक साधनों का प्रयोग करते हैं।

प्राचीन वैश्विक संपर्कों के साक्ष्य : मिस्र की समाधियों में तमिल शिलालेख

अक्सर देखा जाता है कि पर्यटक किसी ऐतिहासिक इमारत या स्थल पर अपना नाम अंकित कर देते हैं। सामान्यतः इसे अनुचित और विरासत के प्रति असंवेदनशील व्यवहार माना जाता है। किंतु विद्वाना यह है कि कभी-कभी ऐसी ही लिखावटें इतिहास के कुछ अनजाने अध्यायों को उजागर करने का माध्यम भी बन जाती हैं। हाल के दिनों में सामने आई एक महत्वपूर्ण खोज इसी का उदाहरण है, जिसमें लगभग 2,000 वर्ष पूर्व एक भारतीय पर्यटक सिकाई कोरेंट द्वारा मिस्र के प्रसिद्ध ‘वैली ऑफ द किंग्स’ में प्राचीन तमिल भाषा में अपना नाम आठ बार अंकित किए जाने के प्रमाण मिले हैं। यह खोज न केवल भारतीय उपमहाद्वीप और मिस्र के बीच प्राचीन संपर्कों को रेखांकित करती है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि सांस्कृतिक और व्यापारिक आदान-प्रदान की परंपरा कितनी गहरी और व्यापक रही है।

भारतीय उपमहाद्वीप और मिस्र के बीच प्राचीन संपर्कों को रेखांकित करता यह महत्वपूर्ण शोध फ्रांसीसी विद्वान चार्लोट शिम्ड और स्विस् प्रोफेसर इंगो स्ट्रॉच द्वारा प्रस्तुत किया गया है। उनके अनुसार, मिस्र की विभिन्न समाधियों में प्राप्त भारतीय भाषाई शिलालेखों में से लगभग एक-तिहाई अकेले सिकाई कोरेंट द्वारा अंकित हैं। यह तथ्य इस खोज को और भी अधिक विशिष्ट बनाता है, क्योंकि यह किसी एक व्यक्ति की उपस्थिति और उसके सांस्कृतिक हस्ताक्षर का प्रमाण प्रस्तुत करता है। यह शोध “तमिल एपिग्राफी : चार दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (11-14 फरवरी 2026)”, कार्यवाही खंड 1” शोधक पुस्तक में प्रकाशित हुआ है और इसे फरवरी 2026 में चैन्नई में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया। इस सम्मेलन में तमिल अभिलेखों,



उनके ऐतिहासिक संदर्भों और वैश्विक प्रसार पर गंभीर विमर्श हुआ।

विशेषज्ञों का मानना है कि सिकाई कोरेंट संभवतः एक व्यापारी, यात्री या तीर्थयात्री रहे होंगे, जो उस समय के समुद्री व्यापार मार्गों के माध्यम से भारत से मिस्र पहुंचे। स्पष्ट है कि प्राचीन काल में दक्षिण भारत, विशेषकर तमिल क्षेत्र, रोमन साम्राज्य और मिस्र के साथ सक्रिय व्यापारिक संबंध रखता था। मसाले, वस्त्र, मोती और हाथी-दांत जैसी वस्तुएं भारत से निर्यात होती थीं, जबकि सोना, चांदी और अन्य विलासितापूर्ण वस्तुएं आयात की जाती थीं। मिस्र के मकबरों में तमिल लिपि में अंकित नाम इस बात के प्रमाण हैं कि भारतीय व्यापारी या यात्री न केवल वहां पहुंचते थे, बल्कि उन्होंने अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए स्थानीय स्मारकों पर लेखन भी किया। यह प्रवृत्ति आज के “फ्रैफिटी” के समान है, जहां व्यक्ति किसी स्थान



सुमन कुमार सिंह कलाकार/कला लेखक



पर अपने अस्तित्व का चिह्न छोड़ता है। हालांकि प्राचीन संदर्भ में यह केवल व्यक्तिगत अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि सांस्कृतिक उपस्थिति का भी संकेत है। इस खोज का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि यह भारतीय भाषाओं विशेषतः तमिल-की प्राचीनता और उसके अंतर्राष्ट्रीय प्रसार को रेखांकित करती है।

तमिल विश्व की सबसे प्राचीन जीवित भाषाओं में से एक है और इस प्रकार के शिलालेख उसके ऐतिहासिक विस्तार के ठोस प्रमाण प्रस्तुत करते हैं। इतिहासकारों और पुरातत्वविदों के लिए यह खोज अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह वैश्विक इतिहास के उस पक्ष को उजागर करती है, जिसमें विभिन्न सभ्यताओं के बीच संपर्क और संवाद स्थापित था। यह केवल व्यापार तक सीमित नहीं था, बल्कि सांस्कृतिक, भाषाई और मानवीय स्तर पर भी सक्रिय था। अंततः सिकाई कोरेंट द्वारा छोड़े गए ये तमिल शिलालेख हमें यह समझने में मदद करते हैं कि प्राचीन विश्व उतना अलग-थलग नहीं था, जितना अक्सर माना जाता है। बल्कि, यह एक जीवंत, परस्पर जुड़ा हुआ संसार था, जहां लोग, भाषाएं और संस्कृतियां सीमाओं को पार कर एक-दूसरे से संवाद कर रही थीं। यह खोज न केवल अतीत की एक रोचक कहानी है, बल्कि वर्तमान में वैश्विक सांस्कृतिक संवाद की जड़ों को समझने का एक महत्वपूर्ण माध्यम भी है।

किसी साधु का मिलना मुश्किल था। उसके बेटे वाग्भट्ट के दिमाग में एक बात आई। वह तुरंत एक बहुरूपि के पास पहुंचा। धन देने का लालच देकर उसे साधु बनाकर ले आया। उदयन ने सामने मुनिराज को देखा तो बहुत प्रसन्न हुआ। चरण-स्पर्श के लिए मुनिराज को पास बुलाया और उसी के चरणों में अपने प्राण त्याग दिए।

वाग्भट्ट जब उसे पैसे देने लगा तो उसने लेने से इंकार कर दिया। बोला—“जिस रूप को देखकर महामंत्री ने परम प्रसन्न व श्रद्धावानत होकर प्राण त्यागे, अब वह रूप नहीं बदलेगा।” सचमुच वह बहुरूपिया साधु बनकर वन में चला गया। बहुरूपियों का कहना है कि नाटक, नौटंकी और टीवी के कारण उनका पेशा लगभग समाप्त हो रहा है। अब लोग आदर नहीं देते। बच्चे जरूर हंसते हैं, पर बड़े लोग भगा देते हैं। उन्हें दुकान-दुकान, मकान-मकान भटकना पड़ता है, तब कहीं शाम को रोटी नसीब होती है। समाज व सरकार यदि बहुरूपियों को पुरस्कार, सम्मान या पेंशन देने लगे तो लुप्त होती इस कला को बचाया जा सकता है।



हुई आंखें नम
रात की खामोशी में ‘चांदनी’ मुस्कुराती है, कहीं दूर से उनकी आवाज चली आती है। कभी-‘पिया तू अब तो आजा...’ की धुन, ये दिल को मचलाने लगती ‘गीत’ को सुन। कभी ‘दम मारो दम’ की जबरदस्त मस्ती, रूह में रंग भर जाती है आशा ताई हस्ती। हर युग, हर दौर में उनका ‘जादू’ है कायम, सदियों गुंगा ये सुर हर पीढ़ी को नाचव।

जो उन्होंने हमें दिया है गजल या हो दुमरी, देखी फ़िल्मी गीतों की ‘रंग-रंगीली’ झुमरी। मधुर स्वर की छाया हर दिल को छू जाती, ‘संगीत’ की रंगीन दुनिया में सबको रमाती। आशाजी ने लिखा है संगीत में अपना नाम, कोई जब गीत बजे दिल को रख लेते थाम। उनकी मीठी तान सुन के हर दद जो जाता हुई आंखें नम हमारी तोड़ गई जैसे माता।

—संजय एम तराणकर, कवि

वर्ल्ड वीफ

तुर्किये में स्कूल में की

गोलीबारी, 16 घायल

अंकारा। दक्षिणपूर्वी तुर्किये के एक वोकेश्नल हाई स्कूल में मंगलवार को एक पूर्व छात्र ने अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें कम से कम 16 लोग घायल हो गए। हमलावर ने बाद में खुद को भी गोली मारकर जान दे दी। सानलिउर्फा के राज्यपाल हसन सिल्दाक ने बताया कि 18 वर्षीय हमलावर के पास एक शॉटगन थी और उन्होंने सानलिउर्फा प्रांत के सिवेरेक स्थित इस स्कूल में अंधाधुंध गोलीबारी की और फिर उसी इमारत के अंदर छिप गया। उन्होंने बताया कि हमलावर ने बाद में उसी बंदूक से खुद को गोली मारकर अपनी जान ले ली। सिल्दाक ने बताया कि इस हमले में 10 छात्र, चार शिक्षक, कैंटीन का एक कर्मचारी तथा एक पुलिस अधिकारी घायल हो गए।

स्पेन ने तेहरान में फिर से खोला दूतावास

मॉस्को। अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम के बाद स्पेन ने तेहरान में अपना दूतावास फिर से खोल दिया है। स्पेन के राजनयिक मिशन ने यह जानकारी दी है। दूतावास ने सोमवार को एक्स पर कहा, “हम तेहरान लौट रहे हैं। संघर्ष विराम के बाद ईरान में स्पेनिश दूतावास फिर से खुल रहा है। राजदूत एंटोनियो सांजेज़-बेनेडिओ गैस्पेर, राजनयिक टीम और स्थानीय कर्मचारियों के साथ, शांति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से काम पर लौट रहे हैं। स्पेन के दूतावास को सात मार्च को खाली करा लिया गया था।

बांग्लादेशी पर मानव तस्करी का आरोप

न्यूयॉर्क। सेंट्रल अमेरिका के रास्ते कई लोगों को अवैध तरीके से अमेरिका लाने की साजिश में शामिल होने के आरोप में एक बांग्लादेशी नागरिक को ब्राजील से प्रवर्णित किया गया है। सैंफ उल इस्लाम (39) को टेक्सास के लारेडो में अदालत में पेश किया गया। टेक्सास के सदर्न डिस्ट्रिक्ट में एक अन्धश्रोणीय में इस्लाम पर एक व्यक्ति को गैर-कानूनी तरीके से अमेरिका लाने की साजिश रचने और वित्तीय लाभ के लिए लोगों को सेंट्रल अमेरिका के रास्ते अमेरिका लाने के कई मामलों में आरोप लगाया गया है।

जेलेंस्की ने की जर्मन चांसलर से मुलाकात बर्लिन

।यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने मंगलवार को बर्लिन में जर्मन चांसलर फ्रेडरिख मर्ज से मुलाकात की। यूक्रेन-रूस युद्ध में कीव का समर्थन करने वाले देशों में जर्मनी प्रमुख है। यह युद्ध अब पांचवें वर्ष में प्रवेश कर चुका है। जर्मनी के रक्षा मंत्री बोरिस पिय्टोरीयस ने भी अपने यूक्रेनी समकक्ष मिखाइलो फेडोरोव के साथ बातचीत की है।

राजदूत ने बाबासाहेब को दी श्रद्धांजलि

पेरिस। संयुक्तराष्ट्र संघ के पेरिस स्थित संगठन यूनेस्को में भा रत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत विशाल दी शर्मा ने अंबेडकर जयंती पर भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर को पुष्पांजलि अर्पित की। राजनयिक ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में इसकी जानकारी दी। शर्मा ने यूनेस्को की कार्यकारी परिषद के 224वें सम्मेलन के दौरान अलग से आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में डॉक्टर अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

पाकिस्तानी राजदूत ने भारत की सराहना की

मॉस्को। रूस में पाकिस्तान के राजदूत ने नई दिल्ली और इस्लामाबाद के परमाणु सुरक्षा रिकॉर्ड की सराहना करते हुए दावा किया कि दोनों देशों ने एक-दूसरे की परमाणु सुविधाओं पर हमला न करने की पारस्परिक गारंटी दी है। राजदूत फैसल नियाज तिरमिजी ने निजी समाचार पोर्टल आरटीवीआई डॉट कॉम में कहा कि पश्चिम एशिया में वर्तमान संघर्ष के महदेनजर ऐसी गारंटी का विशेष महत्व है।

पश्चिम एशिया संकट

भारत में 25 लाख लोगों के गरीबी की चपेट में आने का खतरा

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

पश्चिम एशिया में संघर्ष से भारत में 25 लाख लोगों के गरीबी में धकेल दिए जाने का खतरा है और देश के मानव विकास की प्रगति में कुछ कमी आने की आशंका है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई।

संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) ने पश्चिम एशिया में सैन्य वृद्धि: एशिया एवं प्रशांत क्षेत्र में मानव विकास पर प्रभाव शीर्षक वाली रिपोर्ट में कहा कि यह संघर्ष एशिया तथा प्रशांत क्षेत्र में मानव

स्किन केयर प्रोडक्ट :

आज के दौर में ‘ग्लोइंग स्किन’ की चाहत ने ब्यूटी इंडस्ट्री को अरबों डॉलर का साम्राज्य बना दिया है। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स और विज्ञापनों के दबाव में आकर लोग बिना सोचे-समझे अपनी त्वचा पर रसायनों का प्रयोग कर रहे हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि जिस क्रीम को आप अपनी सुंदरता निखारने के लिए लगा रहे हैं, वह आपके हॉर्मोन्स को बिगाड़ सकती है या कैंसर का कारण बन सकती है?

महिला आरक्षण कानून लागू होने पर और मजबूत बनेगा लोकतंत्र

महिलाओं के नाम लिखे पत्र में प्रधानमंत्री ने कहा-तेज होगी विकास यात्रा

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि यदि 2029 में लोकसभा और विभिन्न विधानसभाओं के चुनाव महिला आरक्षण के पूर्ण रूप से लागू होने के साथ कराए जाते हैं तो भारतीय लोकतंत्र और अधिक मजबूत तथा जीवंत बनेगा।

देश की महिलाओं को लिखे एक पत्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह भी कहा कि जब महिलाएं नीति-निर्माण और निर्णय लेने की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी करेंगी तब विकसित भारत की यात्रा और अधिक सशक्त एवं तेज होगी। इसलिए यह अनिवार्य है कि हम अपने विकास की गति को तेज करने के लिए हर संभव प्रयास करें और इसके लिए महिलाओं की सक्रिय भागीदारी अपरिहार्य है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इसी सिद्धांत पर 2023 में नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित हुआ था और इसी सिद्धांत के कारण यह संविधान संशोधन समय की आवश्यकता बन गया है। उन्होंने कहा कि कई क्षेत्रों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी को देखते हुए



स्किन केयर में छिपे खतरनाक रसायन

- पैराबेन्स : ये प्रिजर्वेटिव्स के रूप में इस्तेमाल होते हैं, शरीर में हार्मोनल असंतुलन पैदा कर सकते हैं, जिसे स्तन कैंसर के जोखिम से जोड़ा गया है।
- सल्फेट : ये झाग बनाने में उपयोग

किए जाते हैं, ये त्वचा की प्राकृतिक नमी छीन लेते हैं, जिससे खुजली, सूखापन, आंखों में जलन हो सकती है।

- हाइड्रोक्विनोन : गोरा बनाने वाली क्रीमों में मौजूद यह क्लीयरिंग एजेंट त्वचा को बहुत पतला कर देता है। लंबे समय में नीला-काला पिगमेंटेशन पैदा कर सकता है।

- पैरा (मर्करी) : गोरा बनाने वाले उत्पादों में इसकी मात्रा निर्धारित सीमा से 100 गुना अधिक तक पाई गई है, जिससे किडनी फेलियर और दिमाग संबंधी बीमारियां हो सकती हैं।

- थैलेट्रेस : खुशबू और बनावट सुधारने के लिए उपयोग किए जाने वाले ये रसायन प्रजनन विषैलेपन से जुड़े हैं।



संघर्ष टालने को चीन ने पेश किया शांति का प्रस्ताव

बीजिंग। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने पश्चिम एशिया युद्ध में मध्यस्थ की भूमिका में दिलचस्पी दिखाते हुए कहा है कि उन्होंने क्षेत्र में शांति एवं स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए यहां अबू धाबी के युवराज जायेद अल नहयान के साथ बैठक में चार-सूत्री प्रस्ताव रखा है। शी ने शांति पर जोर देते हुए कहा कि पश्चिम एशिया और खाड़ी क्षेत्र के लिए एक साझा, विस्तृत, सहयोगपूर्ण और टिकाऊ सुरक्षा व्यवस्था बनाई जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि सभी देशों की संप्रभुता, सुरक्षा और क्षेत्रीय अखंडता का भी पूरी तरह सम्मान होना चाहिए। साथ ही नागरिकों एवं अवसंरचनाओं की भी सुरक्षा सुनिश्चित होनी चाहिए। शी ने कहा कि दुनिया को जंगल बनाने से बचाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय कानून का सम्मान किया जाना चाहिए। उन्होंने सभी पक्षों से साथ आकर क्षेत्रीय विकास के लिए अनुकूल माहौल बनाने अनुरोध किया।

महाराष्ट्र में टैक्सी चालकों के लिए मराठी भाषा अनिवार्य

ठाणे। महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री प्रताप सरनाइक ने मंगलवार को कहा कि राज्य में एक मई से सभी लाइसेंस प्राप्त रिक्शा और टैक्सी चालकों के लिए मराठी जानना अनिवार्य होगा और मोटर परिवहन विभाग के कार्यालयों के माध्यम से एक राज्यव्यापी अभियान चलाया जाएगा। अपने कार्यालय द्वारा जारी एक बयान में सरनाइक ने चेतावनी दी कि जिन चालकों को मराठी का बुनियादी ज्ञान नहीं है, उनके लाइसेंस रद्द कर दिए जाएंगे। मंत्री ने कहा, एक मई से सभी लाइसेंस प्राप्त रिक्शा और टैक्सी चालकों के लिए मराठी जानना अनिवार्य होगा। मोटर परिवहन विभाग के 59 क्षेत्रीय और उप-क्षेत्रीय कार्यालयों के माध्यम से राज्यव्यापी निरीक्षण अभियान चलाया जाएगा ताकि यह सत्यापित किया जा सके कि चालक मराठी पढ़ और लिख सकते हैं या नहीं। सरनाइक ने कहा कि लाइसेंस जारी करने के लिए स्थानीय भाषा के ज्ञान की आवश्यकता वाला नियम पहले से ही लागू है।

विशेष चुनाव में जीत से कार्नी सरकार को बहुमत

टोरंटो, एजेंसी

- कानून पास करने को नहीं लेना होगा अब विपक्ष का समर्थन**



कारण जनता में उपजे गुस्से के बीच पिछले साल कनाडा में जीत हासिल की थी। तब से, मुख्य विपक्षी कंजर्वेंटिव पार्टी के चार सदस्यों सहित विपक्षी दलों से पांच सदस्यों ने दल-बदल किया है और कार्नी की लिबरल पार्टी को बहुमत तक पहुंचा दिया। कार्नी ने मार्टिन और बेगम को बधाई दी। मार्टिन ने कहा, आज रात, मार्क कार्नी और लिबरल टीम ने एक बेहतर कनाडा के निर्माण के लिए मजबूत जनादेश प्राप्त कर लिया है।

टोरंटो में, लिबरल पार्टी उम्मीदवार डेनियल मार्टिन ने यूनिवर्सिटी रोजडेल जिले से चुनाव जीता और लिबरल पार्टी उम्मीदवार डॉली बेगम ने स्कारबोरो साउथवेस्ट जिले से जीत हासिल की। क्यूबेक जिले के परिणाम बाद में आने की उम्मीद है। नतीजों के बाद लिबरल पार्टी 2029 तक सत्ता में बनी रह सकती है। कार्नी ने अ मेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की विलय की धमकियों के

हड़ताल के चलते लुपथांसा की 700 से अधिक उड़ानें रद्द

मॉस्को। जर्मनी की सबसे बड़ी एयरलाइन समूह लुपथांसा में हड़ताल के चलते पहल 700 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गईं। यह जानकारी वेरनिगुंग कॉकपिट यूनियन ने दी। जर्मन ट्रेड यूनियन वेरनिगुंग कॉकपिट ने इससे पहले 13-14 अप्रैल को लुपथांसा पायलटों की तीसरी हड़ताल का आह्वान किया था। पायलटों और फ्लाइट अटेंडेंटों की हड़ताल की पहली और दूसरी लहर फरवरी और मार्च 2026 में हुई थी, जिसके कारण जर्मनी के प्रमुख शहरों के हवाई अड्डों पर सैकड़ों उड़ानें रद्द हो गई थीं।

नियामक खामियां

- नियंत्रण : भारत में सौंदर्य प्रसाधन इस् एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 के तहत नियंत्रित होते हैं।
- खामी : नियामक संस्थाएं बाजार में आने से पहले हर उत्पाद के लेबल को मैनुअली चेक नहीं करती, जिससे कंपनियों को सामग्री छिपाने का मौका मिल जाता है।
- अनिवार्य लेबलिंग : लेबल पर सभी सामग्रियों की सूची, निर्माता का नाम, बैच नंबर और समाप्ति तिथि होना अनिवार्य है।

गोरा बनाने के दावों की हकीकत

- विज्ञापनों का स्कैम : कई कंपनियां तीन हफ्ते में गोरापन जैसे झूठे दावे करती हैं, जिनके लिए उपभोक्ता फोरम उन पर भारी जुर्माना भी लगा चुके हैं।
- छिपे हुए स्टेरॉयड : कई सस्ती या बिना लेबल वाली क्रीमों में स्टेरॉयड होते हैं। ये शुरुआत में चेहरा साफ दिखाते हैं, लेकिन बंद करने पर चेहरा काला पड़ने लगता है।

भारत से चीन के संबंध बेहतर नीति में नहीं किया है बदलाव

- अरुणाचल में नाम बदलने के कदम का चीन ने किया बचाव**

बीजिंग, एजेंसी

चीन ने अरुणाचल प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों के लिए नए नाम प्रकाशित करने के अपने कदम का बचाव करते हुए मंगलवार को कहा कि भारत के साथ संबंधों को बेहतर बनाने की उसकी नीति में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

भारत ने चीन द्वारा भारतीय क्षेत्र को काल्पनिक नाम देने के प्रयासों को रविवार को सिरे से खारिज कर दिया और कहा कि इस तरह के बेबुनियाद विमर्श गढ़ने की कोशिशें वास्तविकता को नहीं बदल सकतीं और द्विपक्षीय संबंधों को सामान्य बनाने के प्रयासों को पटरी से उतार सकती हैं। भारत की तीखी प्रतिक्रिया बीजिंग द्वारा अक्साई चिन में एक तीसरा नया प्रशासनिक क्षेत्र स्थापित करने की पृष्ठभूमि में आई है। इस इलाके

TSDF महामारी

- भारतीय इम्टोलॉजिस्ट्स के अनुसार, भारत में Topical Steroid-Dependent Face (TSDF) एक गंभीर समस्या बन चुका है।
- उत्तर प्रदेश के एक सरकारी अस्पताल (GIMS) में 2025 में किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि गोरा बनाने वाली क्रीमों के दुरुपयोग के कारण 87.5% मरीजों में त्वचा का पतला होना और 87.5% में स्फेद धब्बे देखे गए।

को भारत अपना संप्रभु क्षेत्र मानता है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि चीन की ओर से भारत के क्षेत्रों का काल्पनिक नाम देने के किसी भी प्रयास को भारत सिरे से खारिज करता है। जायसवाल की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए, चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने यहां कहा कि जांगनान चीन का क्षेत्र है, और चीन ने कभी भी तथ्यांकित अरुणाचल प्रदेश को मान्यता नहीं दी है। जांगनान अरुणाचल प्रदेश का चीनी नाम है। चीन अरुणाचल प्रदेश को दक्षिणी तिब्बत का हिस्सा होने का दावा करता है। गुओ ने अरुणाचल प्रदेश के लिए नाम प्रकाशित करने के बीजिंग के कदम का बचाव करते हुए कहा कि जांगनान क्षेत्र में कुछ स्थानों के नामों को मानकीकृत करना पूरी तरह से चीन की संप्रभुता के अंतर्गत आता है। कहा कि वर्तमान में चीन-भारत संबंध सामान्यतः स्थिर हैं।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन	
 मेष	आज किसी पारिवारिक उत्सव में सम्मिलित हो सकते हैं। कानूनी विवादों में सफलता मिल सकती है। दूसरों से अपनी तुलना न करें।
 वृष	आज उच्च अधिकारी आपके काम में हस्तक्षेप कर सकते हैं। आलोचनाओं से दुःखी न हो। दूसरों के भरोसे में न रहें।
 मिथुन	आज कार्यक्षेत्र में प्रगति होगी। आपकी बुद्धि और संचार क्षमता मजबूत रहेगी। नए संपर्क बनेंगे और लाभ के अवसर मिलेंगे।
 कर्क	आज काम की अधिकता के कारण आपको ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। परिवार में मांगलिक कार्यक्रम हो सकते हैं।
 सिंह	आज रचनात्मक कार्यों में मन लगेगा। दूरस्थ स्थानों की यात्रा हो सकती है। नौकरी में विवाद शांत होंगे।
 कन्या	व्यावसायिक संबंधों में प्रगढ़ता बढ़ेगी। नए प्रेम संबंध विकसित हो सकते हैं। अधिकारी वर्ग के साथ आपको अवसर रखने चाहिए।

आज का पंचांग		सुअंशुर्द पांडेय astrompandey@gmail.com		सुअंशुर्द -119 का हल									
शु.	सू.	गु.	श.	क.	रा.	च.	5	8	1	2	3	7	4
2	1	श. मं.	11	10			4	7	3	9	1	6	8
			12				6	9	2	5	8	4	7
							8	6	5	4	7	2	9
							9	3	7	6	5	1	2
							1	2	4	8	3	6	5
							7	4	8	3	6	5	1
							2	5	9	1	4	8	3
							3	1	6	7	2	9	5
सुअंशुर्द -120													
							3					9	
			4	8				3				5	7
									7			6	
							6			1	5		7
							3					8	
							9		2	3			4
							7					8	3
			3	6							8		2
							1					4	





‘शमी हमारी गेंदबाजी आक्रमण का अंगुआ है। काफी समझदार है और उसमें नेतृत्व क्षमता भी है। वह गेंद को शुरू में ही स्विंग करा लेता है। वह 130 से ऊपर से गेंदबाजी कर रहा है जो अच्छी बात है। हम सभी को पता है कि वह विश्व स्तरीय गेंदबाज है।’
—टॉम मूडी, एलएसजी

स्टेडियम

कानपुर नगर, बुधवार, 15 अप्रैल 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

आज का मुकाबला

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

बनाम

समय - शाम 7:30 बजे

औरेंज कैप

हेनरिक क्लासेन
हैदराबाद 224 रन

ईशान किशन
हैदराबाद 213 रन

वैभव सूर्यवंशी
राजस्थ 200 रन

पर्पल कैप

प्रसिद्ध कृष्णा
गुजरात 10 विकेट

रवि बिश्नोई
राजस्थान 9 विकेट

अंशुल कंबोज
चेन्नई 8 विकेट

हाईलाइट

पीएसएल ने मुजरबानी पर दो साल का बैन लगाया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) ने जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी पर दो साल का बैन लगाकर एक बड़ा विवाद खड़ा कर दिया है। यह बैन पीएसएल से इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में जाने के बाद लगाया गया है। इस घटना ने फ्रेंचाइज क्रिकेट में चल रही “प्लेयर लॉयल्टी बनाम मौका” बहस में एक नया मुद्दा बना दिया है। मुजरबानी को शुरू में पीएसएल में इस्लामाबाद यूनाइटेड ने रिप्लेसमेंट प्लेयर के तौर पर चुना था, क्योंकि वह आईपीएल और पीएसएल दोनों ऑक्शन में नहीं बिके थे। हालांकि, बाद में उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स से मौजूदा आईपीएल सीजन में ऑफर मिलने के बाद अपनी पीएसएल डील खत्म कर दी, जहाँ वह पहले ही दो मैच खेल चुके थे।

भारत को पुरुष पेयर्स और पुरुष फोर्स में स्वर्ण पदक

नई दिल्ली। दिल्ली के खिलाड़ी नवनीत सिंह ने हाल ही में संपन्न एशियाई लॉन बाउल्स चैंपियनशिप में पुरुष पेयर्स और पुरुष फोर्स (चार खिलाड़ी) स्पर्धाओं में भारत को स्वर्ण पदक दिलाने में मदद की। दिल्ली पब्लिक स्कूल आरके पुरम में छह से 12 अप्रैल तक आयोजित टूर्नामेंट में भारत ने पुरुष पेयर्स के फाइनल में दिगकांग को 17-15 से और पुरुष फोर्स के फाइनल में मलेशिया को 19-6 से हराया। यहां जारी विज्ञापन के अनुसार भारत ने पुरुषों की समग्र चैंपियन ट्रॉफी, समग्र टीम ट्रॉफी और चैलेंज ट्रॉफी जीती।

माराडोना की मौत के मामले की सुनवाई फिर शुरू

ब्यूसन आयर्स। महान फुटबॉलर डिगो माराडोना की मौत में लापरवाही के आरोपी सात स्वास्थ्यकर्मियों के खिलाफ मामले की सुनवाई मंगलवार को एक साल बाद फिर शुरू हुई। मूल कार्यवाही एक साल पहले रुक गई थी जब मामले पर बनी एक डॉक्यूमेंट्री में नजर आने के बाद पीठासीन न्यायाधीश ने पद छोड़ दिया था। यह लापरवाही का मामला सात स्वास्थ्यकर्मियों पर केंद्रित है जिन पर पांच साल पहले ब्यूसन आयर्स के बाहरी इलाके में एक घर में माराडोना की मौत से पहले कई हफ्तों तक उनकी उचित देखभाल नहीं करने का आरोप है। दुनिया के महानतम फुटबॉल खिलाड़ी माराडोना की 60 वर्ष की उम्र में दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई थी।

जज्बा

...जब साकिब की शूज के लिए उनकी मां ने बेच दी अपनी ज्वेलरी

स्टार्क व दीप्ति बने विजडन के साल के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर

लंदन, एजेंसी

मिचेल स्टार्क को विजडन क्रिकेटर्स अल्मनाक ने दुनिया का सर्वश्रेष्ठ पुरुष क्रिकेटर चुना है। उन्होंने 2025 में शानदार प्रदर्शन किया और एशेज में अहम भूमिका निभाई। वहीं दीप्ति शर्मा को सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी का सम्मान मिला है। नवंबर में घरेलू जमीन पर भारत की ऐतिहासिक विश्व कप जीत में उनका बड़ा योगदान रहा।
इन पुरस्कारों का ऐलान अल्मनाक के 163वें संस्करण के

● गिल, जडेजा, पंत व सिराज विजडन के ‘साल के 5 सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटरों में शामिल किया गया

प्रकाशन से पहले किया गया। 36 साल के स्टार्क ने इस साल 11 टेस्ट मैचों में 17.32 की औसत से 55 विकेट लिए। इसमें वेस्टइंडीज के खिलाफ सिर्फ नौ रन देकर छह विकेट लेने का उनका करियर बेस्ट प्रदर्शन भी शामिल रहा। इसके बाद 2025-26 एशेज के पहले दो टेस्ट में उन्होंने 18 विकेट झटके और पूरी सीरीज में 19.93 की औसत से 31 विकेट लेकर टीम को जीत

मिचेल स्टार्क

दिलाई। 28 साल की दीप्ति शर्मा भारत की ‘प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट’ रहीं। भारत ने नवी मुंबई में खेले गए फ़ाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से हराकर पहली बार 50 ओवर का विश्व कप जीता।

दीप्ति शर्मा

पूरे टूर्नामेंट में उन्होंने 30.71 की औसत से 215 रन बनाए और 20.40 की औसत से 22 विकेट भी लिए। फ़ाइनल में उन्होंने 58 रन की अहम पारी खेली और 5 विकेट लेकर मैच अपने नाम किया। भारत

के पुरुष क्रिकेटरों को भी इस बार अल्मनाक में बड़ी पहचान मिली है। शुभमन गिल, रवींद्र जडेजा, ऋषभ पंत और मोहम्मद सिराज को विजडन के ‘साल के 5 सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर’ में शामिल किया गया।
इन सभी ने पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ़ 2-2 से ड्रॉ रही टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया था। गिल को विजडन ट्रॉफी भी मिली। इंग्लैंड की तरफ से इस बार बड़े पुरस्कार जीतने वाले इकलौते खिलाड़ी पूर्व ओपनर हसीब हमीद रहे। उन्हें भी ‘साल के 5 सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर’ में शामिल किया गया।

चेन्नई की कोलकाता पर जीत में चमके नूर

चेन्नई सुपर किंग्स ने कोलकाता नाइट राइडर्स को 32 रन से हराकर अपनी दूसरी जीत दर्ज की

चेन्नई, एजेंसी।

नूर अहमद
48 रन
32 गेंद
04 चौके
03 छक्के

बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर नूर अहमद (21 रन पर तीन विकेट) की घातक गेंदबाजी से चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को मंगलवार को आईपीएल मुकाबले में 32 रन से हराकर अपनी दूसरी जीत दर्ज की। चेन्नई ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 192 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाने के बाद कोलकाता को सात विकेट पर 160 रन पर रोककर पांच मैचों में अपनी लगातार दूसरी जीत हासिल की और अंक तालिका में आठवें स्थान पर पहुंच गया। दूसरी तरफ कोलकाता को पांच मैचों में चौथी हार का सामना करना पड़ा और उसके खाते में मात्र एक अंक है।
कोलकाता के लिए एक बार फिर पुरानी कहानी रही। उसका शीर्ष क्रम फ्लॉप रहा। रही-सही कसर नूर अहमद ने तीन विकेट लेकर पूरी कर दी। नूर ने 11वें ओवर में अजिंक्य रहाणे (28) और कैमरून ग्रीन (0) को लगातार गेंदों पर आउट किया। उन्होंने 13वें ओवर में रिकू सिंह (6) को आउट कर मैच चेन्नई के पक्ष में मोड़ दिया। रोवमैन पॉवेल ने नाबाद 31 और रमनदीप सिंह ने 35 रन बनाकर संघर्ष किया। लेकिन यह उनके लिए काफी नहीं था। इससे पहले टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरे चेन्नई के लिए संजू सैमसन ने 48, डेवाल्ड ब्रेविस ने 41, आयुष म्हात्रे ने 38, सरफराज खान ने 23 और शिवम दुबे ने नाबाद 13 रन बनाये। सैमसन ने 32 गेंदों में चार चौके और तीन छक्के, म्हात्रे ने 17 गेंदों में छह चौके और दो छक्के, ब्रेविस ने 29 गेंदों में चार चौके और दो छक्के, सरफराज ने 18 गेंदों में एक चौका और दो छक्के और शिवम ने 12 गेंदों में एक चौका लगाया। कोलकाता ने डेथ ओवरों में बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए चेन्नई को 200 से कम पर रोककर अच्छा किया है। कोलकाता के स्पिनर खास

विकेट लेने के बाद खुशी मनाते सीएसके के खिलाड़ी नूर अहमद।

तौर पर सुनील नारायण बहुत अच्छे थे, उन्होंने बीच के ओवरों में रन फ्लो को रोक। पेसर, खासकर कार्तिक त्यागी ने डेथ ओवरों में अच्छी बॉलिंग की क्योंकि बैट्समैन को बड़े शॉट खेलने में मुश्किल हो रही थी। कार्तिक ने सैमसन और ब्रेविस के विकेट भी झटके। ब्रेविस और सरफराज ने पचास रन की पार्टनरशिप की, लेकिन उन्हें बाउंड्री लगाने में दिक्कत हुई। इससे पहले, सैमसन और आयुष ने चेन्नई को जबरदस्त शुरुआत दी, लेकिन टीम बीच में लड़खड़ा गई।

एलएसजी के खिलाफ आरसीबी को शानदार प्रदर्शन की उम्मीद

बेंगलुरु, एजेंसी

मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) अब तक अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखने में नाकाम रही लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) की टीम के खिलाफ बुधवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में अपने बल्लेबाजों से फिर से धमाकेदार प्रदर्शन की उम्मीद करेगा। आरसीबी अभी छह अंकों के साथ तालिका में तीसरे स्थान पर हैं और चार अन्य टीमों में चार-चार अंकों के साथ उसका पीछा कर रही हैं।
बेंगलुरु की टीम शीर्ष पर काबिज राजस्थान रॉयल्स से दो अंक और पंजाब किंग्स से एक अंक पीछे है। लेकिन सच्चाई यह है कि आईपीएल के इस सत्र में आरसीबी के बल्लेबाजों ने गेंदबाजों के मन में

जितना खौफ पैदा किया है, उतना कोई अन्य टीम नहीं कर पाई है। आरसीबी के बल्लेबाजों ने अभी तक एकजुट होकर प्रदर्शन किया है और सभी ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है। आईपीएल के इस सत्र में अभी तक आरसीबी ने सर्वाधिक छक्के जड़े हैं और उन्होंने ‘रेज-हिटिंग’ को एक

नए स्तर पर पहुंचा दिया है। इसी का नतीजा है कि आरसीबी में वर्तमान सत्र में अभी तक किसी भी मैच में 200 से कम रन नहीं बनाए हैं जिससे उनकी आक्रामक बल्लेबाजी का अंदाजा लगाया जा सकता है।
आरसीबी अपने घरेलू मैदान पर अगले तीन मैच में भी परिस्थितियों

अंक तालिका						
टीम	मैच	जीते	हारे	टाई	अंक	नेट रन रेट
1. राजस्थान रॉयल्स	5	4	1	0	8	+0.889
2. पंजाब किंग्स	4	3	0	1	7	+0.720
3. रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	4	3	1	0	6	+1.148
4. सनराइजर्स हैदराबाद	5	2	3	0	4	+0.576
5. दिल्ली कैपिटल्स	4	2	2	0	4	+0.322
6. गुजरात टाइटंस	4	2	2	0	4	-0.029
7. लखनऊ सुपर जायंट्स	4	2	2	0	4	-0.427
8. चेन्नई सुपर किंग्स	5	2	3	0	4	-0.846
9. मुंबई इंडियंस	4	1	3	0	2	-0.772
10. कोलकाता नाइट राइडर्स	5	0	4	1	1	-1.315

सूर्यकुमार के भविष्य पर हो सकती चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी

सूर्यकुमार यादव की अगुवाई में भारत ने भले ही टी20 विश्व कप के खिताब का सफल बचाव किया हो, लेकिन उनकी बल्लेबाजी फॉर्म को देखते हुए सवाल उठने लग गए हैं कि क्या उन्हें वर्ष 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए टीम में शामिल किया जाएगा या नहीं। इस संदर्भ में जून-जुलाई में भारत का इंग्लैंड और आयरलैंड का दौरा कप्तान के लिए महत्वपूर्ण होगा क्योंकि उनकी कप्तानी से कहीं अधिक उनकी बल्लेबाजी पर नजर रखी जाएगी। इस दौरे से यह तय हो सकता है कि क्या उन्हें 2028 में होने वाली बड़ी प्रतियोगिताओं तक टीम में बनाए रखा जाएगा या नहीं। वर्ष 2028 में अमेरिका में ओलंपिक और ऑस्ट्रेलिया में होने वाला टी20 विश्व कप शामिल हैं। सूर्यकुमार अब भी मुख्य कोच गौतम गंभीर को पहली पसंद बने हुए हैं, जिनका कार्यकाल ऑस्ट्रेलिया में होने वाले 2028 टी20 विश्व कप तक थामे जाने की संभावना है। हालांकि यह देखना दिलचस्प होगा कि अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति गंभीर से सहमत होती है या नहीं, क्योंकि ओलंपिक के समय सूर्यकुमार की उम्र लगभग 38 साल हो जाएगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर बताया कि सूर्या अभी टीम की कप्तानी कर रहे हैं। लेकिन उन्हें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि एक बल्लेबाज के रूप में वह अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखें। ब्रिटेन दौरे में वह कप्तानी करेंगे, लेकिन उसके बाद 2028 तक की चर्चा पूरी तरह से प्रदर्शन पर आधारित हो सकती है। सूर्यकुमार के लिए 2025 का साल बेहद खराब रहा, जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 120 से भी कम हो गया और वे एक भी अर्धशतक नहीं बना सके थे। उन्होंने 2026 में हालांकि अच्छा प्रदर्शन किया और 160 से अधिक के स्ट्राइक रेट से रन बनाए जिसमें चार अर्धशतक भी शामिल हैं। टी20 विश्व कप में हालांकि अमेरिका के खिलाफ पहले मैच को छोड़कर सूर्यकुमार का प्रदर्शन उल्लेखनीय नहीं रहा।

फॉर्म को लेकर उठे सवाल

टीमें इस प्रकार हैं

■ लखनऊ सुपर जायंट्स : ऋषभ पंत (कप्तान), एडेन मार्क्रम, हिममत सिंह, मेथ्यू ब्रीट्जके, मुकुल चौधरी, अक्षय रघुवंशी, जोश इग्लिस, मिचेल मार्श, अब्दुल समद, शाहबाज अहमद, अश्विन कुलकर्णी, वानिंदु हसरंगा, आयुष बडोनी, मोहम्मद शमी, अवेश खान, एम . सिद्धार्थ, दिग्वेश सिंह, आकाश सिंह, प्रिंस यादव, अर्जुन तेदुलकर, एनरिक नोर्किया, नमन तिवाड़ी, मयंक यादव, मौरिसिन खान।

■ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु : रजत पाटीदार (कप्तान), विराट कोहली, टिम डेविड, जैकब बेशेल, रोमारियो शेफर्ड, जोश हेजलवुड, नुवान तुषारा, देवदत्त पडिकवल, जितेश शर्मा, कुणाल पंड्या, रसिख डार, भुवनेश्वर कुमार, जॉर्डन कॉक्स, सुशश शर्मा, वैकेंटर अय्यर, स्टीवन सिंह, जैकब ड्राफी, कनिष्क चौहान, अभिनंदन सिंह, मोशे यादव, फिल साल्ट, साल्विच देसवाल। विक्की ओस्वाल, विहान मल्लोत्रा।

एआईएफएफ ने नस्लीय दुर्व्यवहार मामले को समिति को भेजा

नई दिल्ली, एजेंसी

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के दौरान कथित नस्लीय दुर्व्यवहार की शिकायतों को अपनी अनुशासनात्मक समिति को भेज दिया है, क्योंकि केरल ब्लास्टर्स ने अपने एक खिलाड़ी से जुड़ी घटना पर कार्रवाई की मांग की थी। केरल ब्लास्टर्स ने एआईएफएफ से शिकायत की थी 11 अप्रैल को कांतीरवा स्टेडियम में बेंगलुरु एफसी के खिलाफ खेले गए आईएसएल मैच के दौरान उनके एक खिलाड़ी के लिए नस्लीय टिप्पणियों की गईं। केरल ब्लास्टर्स के सेनेगल के डिफेंडर फालू नदिये के लिए बेंगलुरु

● 11 अप्रैल को कांतीरवा स्टेडियम में मैच के दौरान एक खिलाड़ी के लिए नस्लीय टिप्पणियों की गई थी

एफसी के समर्थकों ने कथित तौर पर नस्लीय टिप्पणियों की थी जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। केरल ने वह मैच 2-1 से जीता था।
एआईएफएफ ने मंगलवार को बयान में कहा कि इंडियन सुपर लीग 2025-26 के दौरान खिलाड़ियों के खिलाफ कथित नस्लीय दुर्व्यवहार के संबंध में एआईएफएफ को कुछ शिकायतें मिली हैं। हम खिलाड़ियों और हर उस व्यक्ति के साथ मजबूती से खड़े हैं, जिसे बिना किसी भेदभाव के इस खूबसूरत खेल में भाग लेने का अधिकार है।

